महिलाएं तय करें कि राजद व उसके सहयोगी सत्ता में न लौटें - 10

भारत-रूस के कारोबारी रिश्तों को उड़ान यूपी अहम किरदार- 10

यूएन में नेतन्याहू ने दिखाए तेवर बोले-गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करके रहेंगे - 11

यह दबाव लिए बिना परिस्थितियों का लुत्फ उठाने के बारे में है : हरमनप्रीत - 12

आज का मौसम

35.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.03

सूर्यास्त 06.03

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी उपरांत 12:04 षष्ठी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 27 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 308, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

अब नहीं रहेगा – जोड़ों का दर्द

बदलवाएं

घुटना व कूल्हा

☑ हाई फ्लैक्स घुटना प्रत्यारोपण ☑ लार्ज हैड कूल्हा प्रत्यारोपण

डॉ. विनोद पागरानी

एम.एस. (हड्डी एवं जोड़ रोग)

आर्थोस्कोपी, ज्वाइंट रिप्लेसमेन्ट एवं स्पाइनल सर्जन

आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत

घुटने व कूल्हे का नि:शुल्क ऑपरेशन

अत्याधुनिक विधि से घुटने (परिया) के जोड़ का बदलना (प्रत्योरोपण)–TKR

- यदि आप घुटने के तेज दर्द के कारण रोजमर्रा के जरूरी कार्य करने में असमर्थ हैं।
- घुटने एवं टांगों में टेढ़ापन आ गया है।
- घुटने में चाल बहुत ही कम है।
- तमाम दवाओं व इन्जैक्शनों के बाद भी घुटने का दर्द नहीं जा रहा है।

कूल्हा प्रत्योरोपण THR

- खून का दौरान बन्द होने के कारण कूल्हे के जोड़ का सूखना (AVN)।
- चोट के कारण कूल्हे की कटोरी एवं बॉल के टूटने पर।
- टी.बी. के कारण कूल्हे के जोड़ के खराब होने पर।

24 घण्टे इमरजेन्सी

आई.सी.यू. व वेंटिलेटर की सुविधा उपलब्ध

आर्थोस्कोपी (दूरबीन विधि से जोड़ों की जाँच व इलाज)

चोट के कारण घुटने के अन्दर का माँस फटना व नस टूटना (ACL, PCL, MENISCUS INJURY) का दूरबीन विधि से जाँच व ऑपरेशन

पुरानी गलत जुड़ी हड्डी का इलाज

नंबर लगवायें: +91-7088105001, +91-9720600111, +91-7302302222

खुशलोक हॉस्पिटल

Leading you to blossoming health

ट्रामा एवं मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

सिन्धी मार्केट, निकट पुलिस चौकी, मॉडल टाउन स्टेडियम रोड, बरेली।

PHONE No. 0581-250800/700 HELPLINE No. 7500875003

आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश

मिशन 2047

विज़न 2047 हमारे लिए एक संकल्प है। एक ऐसा संकल्प कि हम उत्तर प्रदेश को न केवल भारत का सबसे सशक्त और समृद्ध राज्य बनाएँगे, बल्कि दुनिया के सामने विकास, संस्कृति और मानवीय मूल्यों का आदर्श भी पेश करेंगे। हम वो प्रदेश बनाएंगे जो न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अपने विकास, अपनी तकनीकी ताकत, अपने उद्योग और अपनी अद्वितीय संस्कृति के लिए जाना जाएगा। यहाँ विकास की गंगा व परंपरा की यमुना साथ-साथ बहेंगी। आइए, हाथ से हाथ, मन से मन और कदम से कदम मिलाकर हम सब इस महान यात्रा का शुभारंभ करें।

चिन्हित 12 सेक्टर

कृषि एवं संबद्ध	पशुधन संरक्षण	स्वास्थ्य	शिक्षा	पर्यटन	सुरक्षा एवं सुशासन
अवस्थापना	समाज कल्याण	संतुलित विकास	नगर एवं ग्राम्य विकास	औद्योगिक विकास	आईटी एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजी

पर्यटन सेक्टर

1947-2017 तक उपेक्षा के कारण उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय पर्यटन हिस्सेदारी घटकर 13.1% रह गई

2017 के बाद तीव्र उछाल से यह 18.99% पहुँची

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम, श्रीराम जन्मभूमि, दीपोत्सव, ब्रज विकास, पर्यटन परिपथ और हेलीपोर्ट सुविधाओं से यूपी बना धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन का वैश्विक केंद्र

महाकुंभ 2025 ने यूपी को विश्व मानचित्र पर स्थापित कर अर्थव्यवस्था व रोजगार को नया आयाम दिया

2047 तक पर्यटन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश

लघु अवधि (2029-30 तक)

नैमिषारण्य, विंध्याचल, मथुरा जैसे नए पर्यटन कॉरिडोर, रामायण-कृष्ण-बौद्ध सर्किट का विस्तार, ईको टूरिज्म और विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने पर फोकस

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

यूपी को विश्व की सांस्कृतिक राजधानी के रुप में स्थापित कर परंपराओं और समृद्ध वैभव को वैश्विक पहचान दिलाना

नगर एवं ग्राम्य विकास सेक्टर

1947-2017 तक शहरीकरण अव्यवस्थित रहा

निकाय और बजट आबादी के अनुरुप नहीं थे, बुनियादी सुविधाएँ अधूरी और विकास असंतुलित था

2017 के बाद योजनाबद्ध और तकनीक-सक्षम शहरीकरण शुरु हुआ

नए व विस्तारित निकाय, स्मार्ट सिटी मॉडल बने

राज्य राजधानी क्षेत्र और क्षेत्रीय विकास योजनाओं से जल-सीवर का संयोजन

हरित क्षेत्र और स्वच्छता में हुआ सुधार

2047 तक नगर विकास

लघु अवधि (2029-30 तक)

हर शहर को आधुनिक स्मार्ट सिटी बनाना, जहाँ स्वच्छ पेयजल व स्वच्छता उपलब्ध हो

24x7 बिजली और पक्का आवास उपलब्ध हो

मेट्रो, लाइट मेट्रो और इको-फ्रेंडली पब्लिक ट्रांसपोर्ट से शहरी कनेक्टिविटी सुदृढ़ करना

तीन नए रीजनल आर्थिक जोन, पारदर्शी नगर वित्तीय प्रबंधन, आधुनिक सीवेज व अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली लागू करना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

पाँच अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट शहर विकसित करना, जो कनेक्टिविटी, जीवन स्तर और निवेश के मामले में वैश्विक मानकों के अनुरुप हों

पूरे प्रदेश में 100% ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा वैज्ञानिक पुनर्चक्रण व्यवस्था सुनिश्चित करना

आपके सुझाव से बनेगा विकसित उत्तर प्रदेश UP 2047

मिशन

समग्र विकास
हर नागरिक को घर, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य

आर्थिक नेतृत्व
उद्योग, कृषि और सेवा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बढ़त

सांस्कृतिक पुनर्जागरण
परम्परा और आधुनिकता का संतुलित संगम

पशुधन संरक्षण सेक्टर

वर्ष 2017 तक अपार संभावनाओं के बाद भी पशुधन और दुग्ध विकास सेक्टर उपेक्षित रहा

पहले दुग्ध, अंडा और मत्स्य क्षेत्र में योगदान सीमित था

2017 के बाद नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, चारा व चिकित्सा प्रबंधन और गोवंश संवर्धन- संरक्षण से बड़ा बदलाव आया

प्रदेश में 414 लाख मी. टन दुग्ध उत्पादन हो रहा है (राष्ट्रीय योगदान 16.2%, देश में प्रथम)

अंडा उत्पादन में दोगुनी वृद्धि, मत्स्य उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव का साक्षी बना उत्तर प्रदेश

यह सेक्टर रोजगार-सेवायोजन के नए अवसरों का सहज माध्यम बन कर उभरा है

2047 तक पशुधन संरक्षण

लघु अवधि (2029-30 तक)

प्रदेश में दुधारु पशुओं की उत्पादकता दोगुनी, अंडा उत्पादन एवं मत्स्य उत्पादन में देश का शीर्ष राज्य बनना

गोवंश नस्ल सुधार, सॉर्टेड AI, प्रोटीनयुक्त आहार और निर्यातोन्मुख मछली प्रजातियों का विस्तार करना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

उत्तर प्रदेश को दूध व अंडा उत्पादकता में विश्वस्तरीय स्तर पर पहुँचाना

मत्स्य व पशुपालन को निर्यातोन्मुख बनाना और पशुधन विज्ञान व प्रबंधन के अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की स्थापना करना

अवस्थापना सेक्टर

1947-2017 तक प्रदेश में आधारभूत ढांचा लगभग ठहरा रहा

सीमित सड़क और हवाई कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास हेतु कोई ठोस नीति नहीं थी और ऊर्जा उत्पादन मात्र 12,000 मेगावॉट तक सीमित था

2017 के बाद जल, थल और नभ तीनों मोर्चों पर अभूतपूर्व प्रगति हुई। 22 एक्सप्रेसवे, 16,000 किमी रेल लाइन, मल्टीमोडल लाजिस्टिक्स हब, 16 संचालित व 5 निर्माणाधीन हवाई अड्डे तथा जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स ने उत्तर प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर पॉवरहाउस बना दिया

ऊर्जा उत्पादन 20,000 मेगावॉट से अधिक और विद्युतीकृत मजरों की संख्या दोगुनी हो गई

2047 तक अवस्थापना

लघु अवधि (2029-30 तक)

जेवर एयरपोर्ट को आधुनिक कार्गो ट्रांजिट हब बनाना

सभी जिलों को एक्सप्रेसवे से जोड़ना

स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार तथा नेपाल सीमा पर ट्रांजिट हब और पर्यटन स्थलों पर रोपवे विकसित करना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

"एक मंडल-एक एयरपोर्ट" के तहत हर मंडल में विश्वस्तरीय हवाई अड्डे का विकास

उत्तर प्रदेश को वैश्विक विमानन और अवसंरचना का केंद्र बनाने पर फोकस

अपने विचार और संकल्प साझा करने के लिए अभी QR कोड स्कैन करें या विज़िट करें:

https://samarthuttarpradesh.up.gov.in

शिक्षा सेक्टर

1947-2017 तक शिक्षा अवसंरचना कमजोर रही ड्रॉपआउट दर अधिक और तकनीकी-कौशलपरक शिक्षा का अभाव था

बेरोजगारी, भर्तियों में भेदभाव और महिलाओं की सीमित भागीदारी बड़ी चुनौतियाँ थीं

2017 के बाद व्यापक सुधार हुए, स्कूल चलो अभियान और ऑपरेशन कायाकल्प से विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएँ पहुँचीं

अटल आवासीय विद्यालय, मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय और प्रोजेक्ट अलंकार जैसे अभिनव प्रयास हुए

10 नए राज्य विश्वविद्यालय, आधुनिक आईटीआई और लगभग 50 लाख टैबलेट-स्मार्टफोन से युवाओं का डिजिटल सशक्तिकरण हुआ

पारदर्शी भर्तियों से लाखों युवाओं को रोजगार और महिला श्रम भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

2047 तक शिक्षा क्षेत्र

लघु अवधि (2029-30 तक)

थीम आधारित विश्वविद्यालयों की श्रृंखला, ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना

IIT-IIM समकक्ष संस्थानों की स्थापना, साथ ही अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के कैम्पस व एक्सचेंज प्रोग्राम से युवाओं को वैश्विक अवसर देना

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

उत्तर प्रदेश को शिक्षा व कौशल विकास का वैश्विक केंद्र बनाना

प्रदेश में विश्वस्तरीय अनुसंधान और नवाचार केंद्र स्थापित हों और प्रदेश की उच्च शिक्षा संस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाने पर जोर

समाज कल्याण सेक्टर

1947-2017 तक योजनाओं का लाभ सीमित और अपारदर्शी रहा

2017 के बाद लक्षित व पारदर्शी मॉडल से 6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए

जीरो पावर्टी अभियान, पेंशन, सामूहिक विवाह, उज्ज्वला, अन्नपूर्णा भवन व राशन कार्ड बना सुरक्षा कवच

2047 तक सामाजिक सुरक्षा एवं गरीब कल्याण

लघु अवधि (2029-30 तक)

वंचित वर्गों को शिक्षा स्वास्थ्य आवास-आजीविका में समान अवसर

महिलाओं की श्रम भागीदारी को 50% तक बढ़ाना, बहुआयामी गरीबी का उन्मूलन और हर नागरिक को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का लक्ष्य

मध्यम एवं दीर्घ अवधि (2030-47)

पूर्वांचल बुंदेलखंड का संतुलित विकास

युवाओं को नवाचार, खेल-संस्कृति में वैश्विक अवसर

यूपी को स्किल्ड मानव संसाधन का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनाना

महिलाएं तय करें कि राजद व उसके सहयोगी सत्ता में न लौटें - 10

भारत-रूस के कारोबारी रिश्तों को उड़ान यूपी अहम किरदार- 10

यूएन में नेतन्याहू ने दिखाए तेवर बोले-गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करके रहेंगे - 11

यह दबाव लिए बिना परिस्थितियों का लुत्फ उठाने के बारे में है : हरमनप्रीत - 12

आज का मौसम

35.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.03

सूर्यास्त 06.03

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी उपरांत 12:04 षष्ठी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 27 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 308, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

स्वदेशी 4जी का आज लोकार्पण करेंगे मोदी

भोपाल। बीएसएनएल अपने रजत जयंती वर्ष में स्वदेशी 4जी युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 27 सितंबर को ओडिशा के झारसुगुड़ा से देश को बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी सेवा राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 97,500 मोबाइल टावरों का उद्घाटन किया जाएगा। यह सेवा टीसीएस और तेजस नेटवर्क के साथ सी-डॉट कोर पर आधारित है। यह तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है और 5जी में अपग्रेड करने की क्षमता भी रखती है।

प्रदूषण निधि का 75 % उपयोग करना अनिवार्य

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत शामिल शहरों के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि वे अब तक वितरित की गई राशि का कम से कम 75 प्रतिशत उपयोग करें, तभी उन्हें वित्त वर्ष 2025-26 के लिए धन आवंटित किया जाएगा। कार्यक्रम के क्रियान्वयन की निगरानी कर रही समिति ने 29 अगस्त को बुलाई गई एक बैठक में कहा कि एनसीएपी के तहत 130 शहरों को वितरित कुल 13,236 .80 करोड़ में से केवल 769 .83 करोड़ रुपये (74%) का ही उपयोग किया गया है।

प.बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ को दी जमानत

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती अनियमितता मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी को शुक्रवार को जमानत दे दी। इस मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है। पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में नौकरी के लिए नकदी मामले के मुख्य आरोपी चटर्जी को प्राथमिक स्कूल भर्ती में अनियमितताओं के मामले में जमानत दी गई। सीबीआई ने पिछले साल 27 दिसंबर को आरोप-पत्र दायर किया था। यह घोटाला हजारों करोड़ रुपये का है।

कैदी के दिल से निकाली गईं तीन सुइयां

इंदौर। इंदौर के एक सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों ने 29 वर्षीय कैदी के दिल में धंसी तीन सुइयों को जटिल सर्जरी से निकालकर उसे नया जीवन दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ये सुइयां एयरगन से दागी गई थीं। उसका अब तक जिंदा रहना करिश्मे से कम नहीं है। शल्य चिकित्सक डॉ. सुमित प्रताप सिंह ने बताया कि मरीज को छाती के बाईं तरफ चुभन और दर्द की शिकायत थी।

निकायों में होंगी तीन हजार भर्ती, महिलाओं को दिवाली पर फ्री सिलेंडर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

यूपी कैबिनेट के फैसले

- **स्कॉलरशिप से वंचित छात्रों के लिए 647.38 करोड़ रुपये**

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में 22 प्रस्तावों को पेश किया गया। इन प्रस्तावों में पर्यटन, शिक्षा, खनन, कृषि, बुनियादी ढांचा, और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों को मजबूत करने की योजनाएं शामिल रहीं।

शुक्रवार शाम लोक भवन में हुई इस बैठक में राज्य के निकायों में तीन हजार कर्मियों की भर्ती का रास्ता भी साफ किया गया। निवेशकों को प्रोत्साहन देने की योजनाओं के साथ दिवाली में उज्जवला योजना के तहत लगभग 1.85 करोड़ महिलाओं को फ्री में सिलेंडर और साल 2024 में विभिन्न कारणों से छात्रवृत्ति पाने से वंचित रह गए लगभग पांच लाख बच्चों को छात्रवृत्ति देने को मंजूरी दी गई। इस हेतु 647.38 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

कैबिनेट ने स्थानीय निकायों में लगभग तीन हजार पदों पर भर्ती नीति को मंजूरी दी है। निकायों में कॉडर पुनर्गठन के बाद बढ़े इन पदों के लिए मानक तय करने का प्रस्ताव भी पारित किया है। इससे हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। निवेशकों को अनुदान प्रदान करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई गई। विभिन्न विभागों के निवेश प्रोत्साहन योजनाओं को मंजूरी दी गई है।

मोटा अनाज खरीद नीति को मंजूरी

खरीफ विपणन साल 2025-26 में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान क्रय नीति निर्धारण को स्वीकृति दी गई। 1 अक्टूबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक पश्चिमी उप्र. में, 15 अक्टूबर से 28 फरवरी 2026 तक पूर्वी उप्र. में, धान क्रय किया जाएगा। इस साल कॉमन धान का क्रय मूल्य 2369 रु./क्विंटल तथा ग्रेड ए धान के लिए 2389 रु./क्विंटल तय किया गया है। 60 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है। मक्का क्रय 2400 रुपये क्विंटल, बाजरा 2775 रुपये क्विंटल, ज्वार (हाइब्रिड) 3699 रुपये तथा ज्वार का खरीद मूल्य 3749 रुपये क्विंटल तय किया गया है।

मृतक आश्रित को उसी कैडर में नौकरी

सुप्रीम कोर्ट में दायर मृतक आश्रित संबंध में अपील ''प्रेमलता बनाम उप्र. सरकार'' के आधार पर मृतक आश्रित योजनांतर्गत जो व्यक्ति जिस कैडर अंतर्गत मृत होगा उसके आश्रित को उसी कैडर अंतर्गत नौकरी मिलेगी, उदाहरण के तौर पर समूह ग आश्रित को उसी श्रेणी में, समूह घ आश्रित को उसी श्रेणी में नौकरी मिलेगी। इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेस वे का प्रस्ताव पास

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे से गंगा एक्सप्रेस वे तक लिंक एक्सप्रेस वे वाया फर्रुखाबाद 90 किमी का ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेस वे प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण नए शहर प्रोत्साहन परियोजना अंतर्गत रामपुर, अयोध्या, लखनऊ, बागपत विकास प्राधिकरण को धनराशि प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है।

तीन नए निजी विवि की स्थापना को मंजूरी

लखनऊ। कैबिनेट ने प्रदेश में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ बनाने के लिए तीन नए निजी विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने का निर्णय लिया है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि संभल के चन्दौसी क्षेत्र में राधा गोविंद विवि की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करते हुए, उप्र. निजी विवि (पंचम संशोधन) अध्यादेश, 2025 लाने का निर्णय लिया गया। यह विश्वविद्यालय 22 .05 एकड़ भूमि पर स्थापित होगा। झांसी में गांधी विवि की स्थापना के लिए आशय-पत्र निर्गत किया गया है। यह विवि 20 .21 एकड़ भूमि पर स्थापित होगा। फतेहपुर में ठाकुर युगराज सिंह विवि की स्थापना को आशय-पत्र जारी किया गया है।

बरेली में बवाल, पुलिस पर पथराव और फायरिंग के बाद लाठी चार्ज

आई लव मोहम्मद के पोस्टर पर कार्रवाई के विरोध में जुटी थी भीड़

- **शरारती तत्वों ने गलियों और छतों से पुलिस पर किया पथराव**
- **उपद्रवियों पर काबू पाने को पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले**
- **पथराव-फायरिंग में पुलिस कर्मियों को लगे छर्रे, 10 घायल**
- **बवाल के बाद शहर के तमाम बाजार हुए बंद, कई गिरफ्तार**

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आई लव मोहम्मद के पोस्टर लगाने पर कानपुर में हुई कार्रवाई के विरोध में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद जुटी भीड़ में शामिल उपद्रवियों ने शहर में पांच जगहों पर भारी बवाल किया।

उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर फायरिंग की। दुकानों में तोड़-फोड़ और कई वाहन भी क्षतिग्रस्त कर दिए। बिहारीपुर पुलिस चौकी के पास पुलिस पर फायरिंग की। पथराव और छर्रे लगने 10 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ लाठी चार्ज किया। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बवालियों से कई असलहे भी बरामद किए गए हैं। घटना के बाद आधे से ज्यादा शहर के बाजार बंद हो गए। कानपुर की घटना के विरोध में मौलाना तौकीर रजा खां ने जुमे की नमाज के बाद समुदाय के लोगों के साथ इस्लामिया इंटर स्कूल के ग्राउंड पर धरना प्रदर्शन का एलान किया था। इसकी अनुमति पुलिस-प्रशासन ने नहीं दी थी। जिले में धारा 163 लागू होने के बावजूद शुक्रवार दोपहर लोगों का हुजूम इस्लामिया पहुंचने लगा। इसी बीच भीड़ की शक्ल में उपद्रवियों ने पुलिस के सामने नारेबाजी और तकरीर शुरू कर दी। उपद्रवी बेकाबू होते दिखे तो पुलिस ने उन्हें रोकने-समझाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया गया। कई दुकानों में तोड़-फोड़ भी की। हालात काबू में करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े। उपद्रवियों ने गली और छतों से पुलिस पर पथराव किया।

बरेली में जिला पंचायत रोड पर लाठीचार्ज के बाद मची भगदड़ में सड़क पर छूटे लोगों के जूते-चप्पल।

बरेली में माहौल खराब करने की थी साजिश

बरेली में माहौल खराब करने की साजिश थी। साजिश के पीछे पश्चिम में उद्योग धंधों और प्रगति के खिलाफ एक नकारात्मक माहौल बनाना था। सरकार पता लगा रही है कि साजिश के पीछे किसका हाथ है। सूत्रों का मानना है कि बरेली की साजिश के पीछे नोएडा के इंटरनेशनल ट्रेड शो को दंगों की आड़ में कमतर दिखाना और ये जाहिर करना था कि उत्तर प्रदेश अभी भी सुरक्षित नहीं है, ताकि विदेशी निवेश यूपी में न आ पाए।

उपद्रवियों ने पथराव और फायरिंग कर शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की। बवाल में 10 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने लाठी चार्ज करते हुए आंसू गैस के गोले छोड़े, जिससे भीड़ तितर-बितर हुई। घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराई गई है। उपद्रवियों को चिन्हित किया जा रहा है। कई लोगों को गिरफ्तार किया है। असलहे बरामद किए हैं। इस घटनाक्रम में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

-अजय कुमार साहनी, डीआईजी बरेली

ट्रंप ने अब दवाओं पर लगाया 100 % टैरिफ

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

- **दवाओं पर शुल्क उन कंपनियों पर लागू नहीं होगा जो अमेरिका में लगा रहीं संयंत्र**
- **किचन कैबिनेट, फर्नीचर और भारी ट्रकों पर भी आयात कर लगाने की घोषणा की**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह एक अक्टूबर से आयातित वस्तुओं पर भारी कर लगाएंगे, जिनमें दवाइयों पर 100 प्रतिशत, किचन कैबिनेट और बाथरूम वैनिटी (सिंक और सामान रखने के लिए उसके साथ बनी हुई अलमारी) पर 50 प्रतिशत, अपहोल्स्टर्ड फर्नीचर पर 30 प्रतिशत और भारी ट्रकों पर 25 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को एक पोस्ट में यह घोषणा की। ट्रंप ने इन शुल्कों को लगाने का कोई कानूनी आधार नहीं दिया। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि आयातित किचन कैबिनेट और सोफों पर कर राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य कारणों से जरूरी है।

ट्रंप ने कहा कि दवाओं पर शुल्क उन कंपनियों पर लागू नहीं होगा जो अमेरिका में संयंत्र लगा रही हैं। लेकिन यह स्पष्ट नहीं कि पहले से मौजूद कारखानों पर कर कैसे लागू होगा। अमेरिका ने 2024 में लगभग 233 अरब डॉलर की दवाएं आयात कीं। ऐसे में दवाओं की कीमत दोगुनी होना स्वास्थ्य खर्च और इलाज की लागत को बढ़ा सकता है। इस घोषणा ने सभी को चौंकाया है क्योंकि पहले ट्रंप ने कहा था कि दवाओं पर कर धीरे-धीरे लागू होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस का कहना है कि इस साल की शुरुआत में शुल्क की धमकी से जॉनसन एंड जॉनसन, एस्ट्राजेनेका, रोशे, ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब और एली लिली जैसी कंपनियों ने अमेरिका में निवेश का एलान किया। कनाडाई चेंबर ऑफ कॉमर्स ने चेतावनी दी है कि शुल्क से दवाओं की कीमत तुरंत बढ़ेगी, बीमा व्यवस्था और अस्पतालों पर दबाव बढ़ेगा और मरीजों को दवाओं से वंचित होना पड़ सकता है।

भारतीय दवा कंपनियों पर होगा सबसे ज्यादा असर

उल्लेखनीय है कि भारत से बड़ी मात्रा में अमेरिका को दवाओं का निर्यात होता है। अमेरिका में अधिकांश सस्ती और जेनेरिक दवा भारत से ही जाती हैं। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का सबसे अधिक असर भारतीय दवा कंपनियों पर पड़ेगा। इससे पहले अमेरिका ने अगस्त में दो बार में भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया था।

दावत नहीं देने पर गोली मारकर युवक की हत्या

संवाददाता, तिलहर/शाहजहांपुर

- **प्रधानपति ने बेटों के साथ मिलकर वारदात को दिया अंजाम**
- **परिजनों ने आरोपी प्रधानपति को पकड़कर पुलिस को सौंपा**

अमृत विचार : बेटे के नामकरण की दावत नहीं देने से नाराज प्रधानपति ने अपने बेटों के साथ युवक के घर में घुसकर गाली गलौज करने के बाद उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। परिजनों ने आरोपी प्रधान पति को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। सूचना पर एसपी और सीओ तिलहर मौके पर पहुंचे और वारदात को लेकर पूछताछ की। पुलिस ने प्रधान पति और उसके दो बेटों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अवनीश (फाइल फोटो)

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव मोहनपुर निवासी साधूराम ने बताया 25 सितंबर गुरुवार को रात 11 बजे उसके पुत्र अवनीश कुमार के बेटे यानी के नामकरण संस्कार की दावत चल रही थी। दावत में उसके तमाम मेहमान और गांव वाले आए थे। घर के अंदर खुशी का माहौल था। इसी बीच ग्राम प्रधान के लड़के धर्मेंद्र और धीरेंद्र वर्मा उसके घर में घुस आए।

धीरेंद्र वर्मा के पास तमंचा था। आरोप है वे घर में गाना गा रही महिलाओं से अश्लील हरकते करने लगे। साधूराम और उसके पुत्र अवनीश कुमार ने इसका विरोध किया तो दोनों आरोपी उसके पुत्र को गालियां देकर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। रात 11:30 बजे प्रधान पति सुखदेव अपने दोनों बेटों धर्मेंद्र व धीरेंद्र के साथ तमंचा लेकर फिर साधूराम के घर पहुंचा और घर के लोगों से अभद्र व्यवहार करने लगा। प्रधानपति सुखदेव ने धमकी दी कि मैं प्रधान हूं और मेरी अधिकारियों तक अच्छी पहुंच है। साधूराम के बेटे अवनीश ने जब विरोध किया तो प्रधान पति के बेटों ने उसे पकड़ लिया। आरोप है आरोपी सुखदेव ने घर में मेहमानों के सामने ही अवनीश के सीने पर तमंचे से फायर कर दिया। परिजन घायल अवनीश को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। लोगों ने आरोपी सुखदेव को पकड़ लिया। सूचना पर एसपी राजेश द्विवेदी, सीओ सिटी ज्योति यादव और प्रभारी निरीक्षक सिपाहियों के साथ गांव पहुंचे और घटना के बारे में जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से नमूने एकत्र किए। सीओ सिटी ज्योति यादव ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर प्रधान पति और दो बेटों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

तय तिथि पर होगी यूपीपीएससी मुख्य परीक्षा

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- **हाईकोर्ट ने आयोग को दी अनुमति**

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को 28 सितंबर को प्रस्तावित मुख्य परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि परीक्षा के परिणाम वर्तमान विशेष अपील के अंतिम निर्णय पर ही निर्भर होंगे।

मामला 7 अक्टूबर 2025 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने आयोग की विशेष अपील पर पारित किया। आयोग ने कोर्ट को बताया कि परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। प्रवेश पत्र जारी कर परीक्षा केंद्र भी आवंटित कर दिए गए हैं। कोर्ट ने माना कि परीक्षा रद्द करने से 7 हज़ार से अधिक अभ्यर्थियों को असुविधा होगी, इसलिए न्यायहित में परीक्षा समय पर कराना उचित होगा। मालूम हो कि न्यायमूर्ति अजीत कुमार की एकल पीठ ने 25 सितंबर को नई मेरिट सूची बनाने के बाद मुख्य परीक्षा कराने का आदेश दिया था।

यूपीईएसएससी अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय का इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) की अध्यक्ष प्रोफेसर कीर्ति पांडेय ने पद से त्यागपत्र दे दिया है। शासन ने त्यागपत्र स्वीकार करते हुए आयोग के वरिष्ठ सदस्य रामसूचित को वैकल्पित कार्यभार सौंपा है। प्रो. पांडेय ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। हालांकि, उनके निर्णय पर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं।

ऐसे समय में जब कई परीक्षाएं संभावित हैं। आयोग के अध्यक्ष के त्यागपत्र देने से परीक्षा संबंधी तैयारियों पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी के अनुसार एक सितंबर 2024 को प्रो. कीर्ति अध्यक्ष नियुक्त हुई थीं।

जलवायु कार्यकर्ता वांगचुक गिरफ्तार

लेह, एजेंसी

- **सुरक्षा कारणों से लेह में बंद की गईं मोबाइल इंटरनेट सेवाएं**

लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर केंद्र शासित प्रदेश में हुए हिंसक प्रदर्शन के दो दिन बाद शुक्रवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हिंसक प्रदर्शन में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 अन्य घायल हो गए थे।

लद्दाख के डीजीपी एसडी सिंह जामवाल के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने अपराह्न 2.30 बजे वांगचुक को हिरासत में ले लिया। प्रशासन के सूत्रों ने संकेत दिया है कि जलवायु कार्यकर्ता के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाया गया है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लेह क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी हैं। लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की ओर से मुखर रूप से बोलने वाले वांगचुक, (लद्दाख को) राज्य का दर्जा तथा लेह और कारगिल के निवासियों के लिए पांच साल से चल रहे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

लेह में तीसरे दिन भी कर्फ्यू

लेह शहर में लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी कर्फ्यू जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। स्थिति शांतिपूर्ण रही।

जवाबदेही तय होगी | **मुख्यमंत्री ने 3,96,602 छात्र-छात्राओं को वितरित की 89 .96 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति**

बख्शे नहीं जाएंगे छात्रवृत्ति रोकने वाले अफसर : योगी

- **पांच लाख छात्रों को दिवाली से पहले मिलेगी स्कॉलरशिप**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सख्त चेतावनी दी कि छात्रवृत्ति रोकने वाले अफसरों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्थानों की लापरवाही से अनुसूचित जाति-जनजाति के पांच लाख से अधिक छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति से वंचित रह गए।

डाटा अपलोड न होने के कारण स्कॉलरशिप रोक दी गई थी, मगर अब सरकार ने दिवाली से पहले सभी के खाते में छात्रवृत्ति भेजने का फैसला किया है। आईजीपी में शुक्रवार को समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने 3,96,602 छात्र-छात्राओं को 89.96 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप वितरित की। उन्होंने साफ कहा कि जिन अफसरों की वजह से बच्चों को स्कॉलरशिप नहीं मिली, उनकी जवाबदेही तय होगी। भविष्य में ऐसी गलती दोहराने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। योगी ने कहा कि 2017 से पहले छात्रवृत्ति में भारी गड़बड़ियां होती थीं। राशि समय पर नहीं मिलती थी और भेदभाव भी होता था। लेकिन 2017 में भाजपा सरकार आने के बाद 2016-17 और 2017-18 की छात्रवृत्ति हर बच्चे तक पहुंचाई गई। सीएम ने जोर देकर कहा कि अब डीबीटी से पैसा सीधे खाते में जाता है, न कोई बिचौलिया, न भ्रष्टाचार। सीएम ने बताया कि 2017-18 से 2024-25 तक एससी-एसटी वर्ग के 1.23 करोड़ छात्रों को 9,150 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति दी गई। सामान्य वर्ग के 58.90 लाख छात्रों को 5,945 करोड़ रुपये और पिछड़े वर्ग के 2.07 करोड़ छात्रों को 13,535 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति दी गई। मंत्री नरेंद्र कश्यप, असीम अरुण, राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, संजीव गौड़, अनुसुचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में एक छात्रा को छात्रवृत्ति देते मुख्यमंत्री योगी।

स्कॉलरशिप दोगुनी बजट की कमी नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017-18 में 1,648 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती थी, 2025-26 में यह बढ़कर 3,124 करोड़ रुपये हो गई है। यानी स्कॉलरशिप दोगुनी हो चुकी है। 2017 से अब तक 2 करोड़ से ज्यादा छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिल चुका है।

अमृत विचार
बरेली, शनिवार, 27 सितंबर 2025
पीलीभीत

घर में घुसकर प्रधान और उसकी मां को पीटा

पीलीभीत,अमृत विचार : ग्राम बसंतापुर निवासी ओम शंकर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया वह गांव का प्रधान है। 24 सितंबर को शाम 4 बजे गांव के ही गौरव कुमार, पुत्तुलाल, संतोष कुमार, मानसिंह, दीपक कुमार एक राय होकर उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने उसकी पिटाई कर दी। बचाने आई उसकी मां को भी आरोपियों ने पीटा। आरोपी उसके गले में पड़ी एक तोला सोने की चेन और जेब में रखे दो हजार रुपये भी छीनकर ले गए।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

जाल में फंसा तेंदुआ, वन विभाग ने पकड़ा

करीब चार घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन, ट्रेंकुलाइज कर पीटीआर मुख्यालय लाया गया तेंदुआ

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व से बाहर निकला तेंदुआ खेत में लगे जाल में फंस गया। सूचना पर वन महकमे में हड़कंप में मच गया। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जाल में उलझे तेंदुआ को रेस्क्यू करने के लिए अभियान चलाया गया। करीब चार घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद तेंदुआ को ट्रेंकुलाइज कर पिंजड़े में कैद कर लिया गया। रेस्क्यू किए गए तेंदुआ को पीटीआर मुख्यालय लाया गया। जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वन अफसरों के मुताबिक तेंदुआ पूरी तरह स्वस्थ है।

कलीनगर तहसील क्षेत्र के नगरिया कट में शुक्रवार सुबह पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बराही रेंज के अंतर्गत कट बुझिया के जंगल से निकला एक तेंदुआ खेतों में लगे जाल में फंस गया। जाल में बुरी तरह उलझे तेंदुआ ने बाहर निकलने का भी प्रयास किया, लेकिन वह नहीं निकल सका। किसी तरह वह पास में खड़े नरकुल में जा पहुंचा। सुबह 6 बजे कुछ ग्रामीण उधर से गुजरे तो उन्हें खेत के नजदीक खड़े नरकुल में हलचल सुनाई दी। जब उन्होंने उस स्थान पर देखा तो एक तेंदुआ जाल में उलझा हुआ दिखाई दिया। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पास की वन चौकी के वनकर्मियों को दी। सूचना मिलते ही नौजल्हा वन चौकी के टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने खोजबीन शुरू की तो तेंदुआ जाल में फंसा दिखाई दिया। तेंदुआ के जाल में फंसे होने की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई। इससे वन महकमे में हड़कंप मच गया। कुछ देर बाद ही वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके, पीटीआर के उप प्रभागीय वनाधिकारी रमेश चौहान, ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार, बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी अरुण मोहन श्रीवास्तव भी अन्य वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए।

पिंजड़े में कैद रेस्क्यू किया गया तेंदुआ। ● अमृत विचार

कड़ी मशक्कत के बाद किया रेस्क्यू

डीएफओ, ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट समेत टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। खेत के समीप नरकुल में मौजूद तेंदुआ को जाल से रेस्क्यू करने का प्रयास किया गया। मगर टीम को उसमें काफी देर बाद तक सफलता नहीं मिल सकी। इस बीच नरकुल में खोजबीन के दौरान तेंदुआ वन कर्मियों पर झपट पड़ा। गनीमत यह रही कि वनकर्मी तुरंत पीछे गए। मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया और तेंदुआ को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू करने की अनुमति ली गई। अनुमति मिलने के बाद ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार के साथ रेस्क्यू टीम खेत में धान की फसल खड़ी होने के चलते पैदल ही तेंदुआ तक पहुंची। एक्सपर्ट ने तेंदुआ को ट्रेंकुलाइज करने का प्रयास किया, मगर नरकुल आड़े आ गए। वन कर्मियों की मदद से तेंदुआ के आसपास खड़े नरकुल को हटाया गया। दोपहर करीब एक बजे तेंदुआ को ट्रेंकुलाइज कर लिया गया। बेहोश तेंदुआ को रेस्क्यू कर पिंजड़े में कैद किया गया। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर टीम रेस्क्यू किए गए तेंदुआ को पीटीआर मुख्यालय लाया गया। जहां डॉ. दक्ष गंगवार द्वारा तेंदुआ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वन अफसरों के मुताबिक तेंदुआ की उम्र करीब चार साल है। फिलहाल वन अफसर उसके शरीर में किसी भी तरह की चोट न होने और उसके स्वस्थ होने की बात कह रहे हैं।

● पीटीआर की बराही रेंज से सटे नगरिया कट के समीप शुक्रवार सुबह हुई घटना

तेंदुआ को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। फिलहाल उसके शरीर पर कोई चोट आदि के निशान नहीं पाए गए हैं। रेस्क्यू किए जाने की सूचना उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर तेंदुआ को सुरक्षित छोड़ने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। – **भरत कुमार डीके**, डीएफओ, वन एवं वन्यजीव प्रभाग।

जाल की नहीं सुलझी गुत्थी

फिलहाल जाल में फंसे तेंदुआ को तो सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। मगर, जाल किसने लगाया और क्यों लगाया, इसकी गुत्थी अभी तक नहीं सुलझ सकी है। बताते हैं कि इस क्षेत्र में लोग जंगली सूकर आदि का शिकार जाल के जरिए करते हैं। फिलहाल वन अफसर इसकी जांच पड़ताल में लगे हुए हैं।

सिविल इंजीनियर को हटाने की मांग

बीसलपुर,अमृत विचार: किसान सहकारी चीनी मिल के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने मिल के सिविल इंजीनियर विनोद कुमार तिवारी पर आरोप लगाते हुए चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। जिसमें सिविल इंजीनियर पर कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में बताया चीनी मिल में कार्यरत सिविल इंजीनियर आए दिन कर्मचारियों से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए अभद्रता करते हैं। चीनी मिल में ठीक से साफ सफाई न होने के कारण परिसर में जलभराव की समस्या बनी रहती है। जिससे कार्य प्रभावित होता है। गुरुवार को उनके द्वारा श्याम बहादुर शर्मा दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी से गाली गलौज की गई। सिविल इंजीनियर पर कार्रवाई करते हुए चीनी मिल से निकालने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में श्याम बहादुर शर्मा, उमेश कुमार, सर्वेश कुमार, मनोज कुमार, रजनीश, कपिल, सोमपाल, करन सिंह आदि मौजूद रहे। इधर सिविल इंजीनियर विनोद कुमार तिवारी का कहना है, कि उन्होंने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के साथ किसी भी तरह की अभद्रता का व्यवहार नहीं किया है।

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

प्रदर्शनी में उमड़ी भीड़

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पूरनपुर में नवरात्रि के उपलक्ष्य में नारी शक्ति क्लब की ओर से फैशन ब्लॉसम प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें आधुनिक परिधानों की रेंज प्रस्तुत की गई। इसके अलावा आयुर्वेद के भी स्टाल लगाए गए। जिसमें महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। इस दौरान लकी ड्रा का भी आयोजन किया गया।

पूरनपुर नगर के एक होटल में गुरुवार देर शाम प्रदर्शनी की शुरुआत जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर, नगरपालिका चेयरमैन शैलेंद्र गुप्ता, एसडीएम अजीत प्रताप सिंह, इनर व्हील क्लब ऑफ पूरनपुर ग्लोरी की अध्यक्ष कल्पना गुप्ता ने दीप प्रज्जवलन करके कराई। जनपद समेत बरेली, दिल्ली, बनारस, शाहजहांपुर से ज्वैलरी, सूट, ड्रेस, कुर्ते आदि के स्टॉल लगाए गए।

माता खोल दे दरवाजा, तेरा सेवक आया है...

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: नगर के रामलीला मैदान में 26वें विशाल दुर्गा जागरण का आयोजन गुरुवार रात किया गया। विशाल दुर्गा जागरण कमेटी के बैनरतले आयोजन किया गया।

जागरण आचार्य संतोष मिश्रा ने माता दुर्गा का पूजन और आरती कराई गई। मुख्य यजमान डॉ.हिमांशु सक्सेना और उनकी पत्नी ने माता रानी का श्रृंगार किया। माता को छप्पन भोग लगाए गए। बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष डीके गुप्ता समेत गणमान्य लोग पूजन के दौरान मौजूद रहे। गायक तरुण सागर ने मैया खोल दे दरवाजा,तेरा सेवक आया है..की प्रस्तुति दी तो भक्त झूम उठे। दीवाना राधे का समेत कई भजन गाए। बरेली से आई गायिका प्रियंका चौहान,शिवम रंगीला और अश्वनी श्रीवास्तव ने भी भजन गाए। इस मौके पर आशीष सक्सेना, सौरभ जायसवाल, वैभव सक्सेना, अमित जायसवाल,अजीत जायसवाल, ऋषभ दुबे, रजत कश्यप, अजय समेत अन्य रहे।

जागरण की शुरुआत में पूजा- अर्चना करते लोग। ● अमृत विचार

जय माँ
स्कन्दमाता
शुभ नवरात्रि

आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रशान्त कुमार रवि
संभावित भाजपा प्रत्याशी
जिला पंचायत वार्ड 22,23

समाजवादी पार्टी
आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं
दिव्या पी गंगवार
पूर्व प्रत्याशी 130 विधानसभा
राष्ट्रीय सचिव
समाजवादी महिला सभा (उ.प्र.)
चौ. प्रदीप सिंह पटेल
संरक्षक कुर्मी सभा मेरठ
संस्थापक
कला ईश फाउंडेशन

आप सभी क्षेत्रवासियों को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

मानसी अपूर्व सिंह, ब्लाक प्रमुख, विकास खण्ड पूरनपुर

जय माता दी
ॐ श्री गणेशाय नमः
जय माता दी
24 वां वार्षिक शारदीय
श्री नव दुर्गा स्थापना
पूजन व विसर्जन
दिनांकः 22.09.2025 से 03.10.2025 तक
कार्यक्रमः- माता जी की आरती प्रतिदिन
प्रातः 7:00 बजे एवं सायं 06:00 बजे
कार्यक्रमः- दिनांकः 27.09.2025 दिन शनिवार सायं 7 बजे से प्रभु इच्छा तक
श्री बाला जी महाराज का भव्य दरबार बालाजी सिद्ध ब्रह्मदेव
संकीर्तन दरबार महन्त सेवक विशाल जी के द्वारा

सभी सरकारी नौकरियों के लिए मान्य
NIELIT द्वारा मान्यता प्राप्त कम्प्यूटर कोर्स करें
CCC, 'O'LEVEL रजिस्ट्रेशन अभी चालू हैं.....
ADCA, DCA, TALLY 9.0, DTP
ENGLISH SPEAKING COURSE
ANALYZER INSTITUTE
गोखले अस्पताल के सामने, टनकपुर रोड, पीलीभीत 9219692747, 8445762141

जनपद पीलीभीत में टैली का एकमात्र मान्यता प्राप्त संस्थान
Center Code UP-26
JOB चाहिए?
Become an Expert in Accounting, GST & Taxation
Diploma in Financial Accounting (DFA)
TallyPrime Tally
टैली बैंगलोर द्वारा सर्टिफिकेट व जॉब सपोर्ट
NIELIT CENTER CODE 88005904
द्वारा मान्यता प्राप्त
ADCA कोर्स के साथ
CCC फ्री
फीस 275 प्रति माह
DCA, ADCA, DFA, ADFA, COA, DTP, TALLY, GST, DCHN ADCHN, WEB DESIGNING
SUMAN COMPUTER INSTITUTE
9837463672, 9548880329
सुमन स्ट्रीट मो. सुनगढ़ी पीलीभीत

Navratri Offer
Mid-term Admission Now OPen! 2025 - 26
LITTLE Millennium
Playgroup | Nursery | Kindergarten
An Auspicious Start to Their Learning Journey
Special Mid-Term Discount On Admissions
7253819156, 7505122473 Near Naugawan Chauraha, Pilibhit

आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं
शकुन्तला हॉस्पिटल मेन रोड, बिलसंडा

डॉ. आनंद प्रकाश गुप्ता
वरिष्ठ फिजिशियन
डॉ. मनमीत गुप्ता
जनरल फिजीशियन
डॉ. अमिता गुप्ता
वांझपन रोग विशेषज्ञ

SUKHBIR SINGH
Branch Manager
AIM OVERSEAS
Add: Opp. Honda Agency
Assam Road, Puranpur (U.P.)
Mob.: +91-7902077774
9411874979
Head Office: Kashipur, Branch Office: Rudrapur
Sitarganj,Puranpur & Bareilly

आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

गुरजीत सिंह
भाजपा कार्यकर्ता
ग्राम -भरा पचपेड़ा
तहसील -अमरिया
जनपद -पीलीभीत

This NAVRATRI Bring Home your Dream Toyota
Avail 100% GST Benefits*
Low EMI scheme of ₹7 777*
Bumper Festive Offers*
Shopping voucher of ₹10 000*
Ex. Showroom 10.95 Lakhs
TOYOTA
जीवन टोयोटा
प्लाट नं० 9/37, मोहम्मदाबाद, सीतापुर रोड, लखीमपुर-खीरी
मो.- 7311194865, 7311194850

आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

सुलिन्दर सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-हरदासपुर
विकासखंड- अमरिया
जनपद -पीलीभीत

आप सभी को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
लीलावती हॉस्पिटल एवं मैटरनिटी सेन्टर
पंकज शाक्य (मैनेजिंग डायरेक्टर)
हमारी सुविधाएं :-
1. ओपीडी, आईपीडी की सुविधा। 2. प्राइवेट रूम की सुविधा।
3. समस्त प्रकार की बीमारियों का इलाज। 4. नार्मल डिलेवरी,
हर तरह के ऑपरेशन की सुविधा। 5. समस्त प्रकार की ब्लड टेस्ट की सुविधा।
6. 24 घंटे इमरजेंसी मेडिकल सुविधा। 7. समस्त दवाओं पर विशेष डिस्काउंट।
मो. 7983854197,8273455048 24 घंटे इमरजेन्सी सुविधा
उसावाँ रोड, बाला जी गेट, निकट मण्डी समिति, बदायूँ

आप सभी को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
YS कम्युनिकेशन
मोबाइल्स व मोबाइल्स एसेसरीज के लिए सम्पर्क करें।
पताः- गांधी ग्राउंड बदायूं मो. 82736 62781

आप सभी को शारदीय नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं
The MODERN MEN FASHION WEAR
the_modernmen
8171188483
Add- Police Line Chauraha, Budaun

उत्तर प्रदेश
विकासशील परिवेश सुरक्षित निवेश

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर, 2025 तक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS) का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह मेगा शो प्रदेश की औद्योगिक ताकत, सांस्कृतिक धरोहर और "मेड इन यूपी" की वैश्विक पहचान को सामने लाएगा। 80 से अधिक देशों के बायर्स, हजारों एग्जिबिटर्स और लाखों विजिटर्स की मौजूदगी इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खास बनाएगी। ओडीओपी और जीआई उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ेगी। साथ ही 17 प्रमुख सेक्टर्स की भागीदारी, विभागीय स्टॉल्स और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस आयोजन को और भी आकर्षक बनाएंगे।

"यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र की उल्लेखनीय वृद्धि और असीम संभावनाओं का सच्चा प्रतिबिंब है। पिछले दो संस्करणों की अपार सफलता ने हमारे लोगों की उद्यमशीलता की भावना में हमारे विश्वास को और मजबूत किया है। तीसरे संस्करण की तैयारी करते हुए, हम वैश्विक खरीदारों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जो हमारे राज्य की ताकत, कौशल और परंपरा का प्रतिनिधित्व करने वाले बेहतरीन उत्पादों को देखेंगे और खरीदेंगे"

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो

25 से 29 सितंबर, 2025

ग्रेटर नोएडा में सजेगा यूपीआईटीएस का ग्लोबल मंच, दिखेगी मेड इन यूपी की ताकत

"आज यूपी इतनी तेज गति से औद्योगिक विकास कर रहा है, देश और दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ यहाँ निवेश कर रही हैं, इसके पीछे यूपी सरकार की विकासपरक नीतियों की बड़ी भूमिका है। पिछली सरकारों में यूपी में अपराधी बेखौफ थे और निवेशक यहां आने से भी डरते थे। लेकिन, यूपी की सरकार में अपराधियों में खौफ है और निवेशक यूपी के भविष्य में भरोसा देख रहे हैं। मैं विकास की इस रफ्तार के लिए यूपी सरकार को बधाई देता हूँ"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023

1914	70 हजार	1 लाख+
एग्जिबिटर्स	B2B विजिटर्स	बिजनेस लीड्स

66 देशों के 400+ विदेशी खरीदार

10 लाख बार #UPITS2023 इंटरनेट पर अंकित किया गया

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024

2122	1 लाख+	2 लाख+
एग्जिबिटर्स	B2B विजिटर्स	बिजनेस लीड्स

70 देशों के 350+ विदेशी खरीदार

3.2 करोड़ बार #UPITS2024 इंटरनेट पर अंकित किया गया

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025*

2500	2.5 लाख+	2 लाख+
एग्जिबिटर्स	B2B विजिटर्स	बिजनेस लीड्स

80+ देशों के 500+ विदेशी खरीदार

5 करोड़ बार #UPITS2025 इंटरनेट पर अंकित किया जायेगा

*लक्ष्य

- **पंजीकरण:** मोबाइल ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड (QR Code) आधारित पंजीकरण।
- यह आयोजन प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, सांस्कृतिक पहचान और "मेड इन यूपी" की ताकत दुनिया के सामने रखेगा।
- 80 देशों से 500+ बायर्स के आने की उम्मीद, अब तक 75 देशों के 340 बायर्स ने पुष्टि की।
- ओडीओपी की विशेष प्रदर्शनी से स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ा जाएगा।
- उद्देश्य – यूपी को निर्यात में शीर्ष पर ले जाना और निवेश आकर्षित करना।
- यूरोप और सीआईएस से 110 बायर्स की संभावना, 88 ने सहमति दी।
- शो में 17 प्रमुख सेक्टर्स के उत्पाद प्रदर्शित होंगे, विशेष फोकस ओडीओपी व जीआई प्रोडक्ट्स पर।
- सरकार के विभिन्न विभाग 37085 स्क्वायर मीटर में अपने-अपने स्टॉल्स लगाएँगे (28649 स्क्वायर मीटर बुक)।

- **उद्देश्य** – प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत और मेड इन यूपी उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना।
- **विदेशी सहभागिता** – लगभग 80 देशों से खरीदार और निवेशक इसमें भाग लेंगे।
- **बायर्स और निवेशक** – 500 से अधिक इंटरनेशनल बायर्स की मौजूदगी की उम्मीद है।
- **प्रमुख सेक्टर्स** – कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र एवं हैंडलूम, आईटी, स्टार्टअप, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा।
- **स्थानीय उद्यमियों को बढ़ावा** – MSME और स्टार्टअप्स को अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।
- **सांस्कृतिक झलक** – कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की कला, शिल्प, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां भी शामिल होंगी।
- **राज्य सरकार का विजन** – इस आयोजन के माध्यम से उत्तर प्रदेश को एक ग्लोबल इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना।

मुख्य आकर्षण

इन्वेस्ट यूपी, यूपीसीडा, जीएनआईडीए, यीडा, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा व अतिरिक्त ऊर्जा विभाग।

विजिटर्स के लिए विशेष स्टॉल – नगर विकास, पर्यटन, स्वच्छ गंगा मिशन, स्वास्थ्य, आयुष, पर्यावरण व वन विभाग।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर फोकस – कृषि, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य और यूपीएसआरएलएम।

अतिरिक्त सेक्टर्स – शुगर व केन, टेक्सटाइल्स, हैंडलूम, क्रेडाई, बैंकिंग-फाइनेंस, ऑटो-ईवी, यूपीएसडीएम और हायर एजुकेशन।

खास आकर्षण – सीएम युवा, न्यू एंटरप्रेन्योर्स और पार्टनर कंट्री पवेलियन।

आयोजन स्थल पर फूड कोर्ट्स, B2B - B2C स्टेज और कल्चरल स्टेज भी होंगे, जहां सांस्कृतिक गतिविधियाँ और शोज होंगे।

यूपीआईटीएस में निर्यात

2023

पहले संस्करण के दौरान भी 1000 करोड़ रुपए से अधिक रहा था ओवरऑल बिजनेस वॉल्यूम।

2024

बी2बी और बी2सी के माध्यम से 2200 करोड़ रुपए से अधिक के मिले निर्यात ऑर्डर।

शीर्ष 20 उद्यमियों को ही 630 करोड़ रुपए से अधिक के निर्यात ऑर्डर मिले। इनमें मेरठ, हापुड़, गाजियाबाद, कानपुर, बागपत, बाराबंकी, मिर्जापुर, मथुरा, संभल और ग्रेटर नोएडा जैसे जिलों के उद्यमी शामिल रहे।

भारत सरकार से सहयोग

वाणिज्य मंत्रालय फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (FIEO) के समर्थन से दुनियाभर से विदेशी खरीदारों को जुटाने के लिए वित्तीय सहायता।

विदेश मंत्रालय (MEA): अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रचार और खरीदारों को भारतीय वाणिज्य दूतावासों के माध्यम से वीजा सहायता एवं यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का प्रचार।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय : पीएमएस (खरीद और विपणन) योजना के तहत उद्यमियों और स्टार्टअप को वित्तीय और विपणन सहायता।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई): सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूपीआईटीएस का प्रचार।

ADVERTORIAL

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 27 सितंबर 2025

पीलीभीत

पंचम स्कंदमाता

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वाली स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।

बीज मंत्र...ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः।

सड़कों पर उतरे अधिकारी, फ्लैग मार्च निकालकर परखे हालात

त्योहारों के साथ ही जुमे की नमाज को लेकर बरती गई सतर्कता, सख्त इंतजाम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

शहर में फ्लैग मार्च निकालते एसपी, एएसपी, सिटी मजिस्ट्रेट और सीओ सिटी।

- शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में भी दौड़ी पुलिस, गूंजते रहे सायरन

त्योहारों को लेकर अलर्ट चल रहा है। शहर समेत पूरे जनपद भर में फ्लैग मार्च निकालकर आम जनमानस में सुरक्षा का भाव पैदा किया गया है। स्थानीय लोगों से संवाद कर पुलिस की कार्यशैली को लेकर इनपुट भी लिया गया है। अति संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती गई है। किसी तरह की अफवाह और सोशल मीडिया की विवादित पोस्ट पर ध्यान दें, सूचना पुलिस कों दें। – **अभिषेक यादव**, एसपी

अमृत विचारः आगामी त्योहार और जुमे की नमाज को लेकर शासन स्तर से सतर्क किए जाने के बाद शुक्रवार को सख्त सुरक्षा इंतजाम किए गए। पुलिस प्रशासनिक अधिकारी खुद सड़कों पर उतरे और हालात परखने में जुटे रहे। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पैनी निगाह रही। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक फ्लैग मार्च निकाले गए। समस्त मस्जिदों में जुमे की नमाज सकुशल संपन्न होने के बाद राहत महसूस की। हालांकि इसके बाद भी मिश्रित आबादी और व्यस्ततम इलाकों में सतर्कता बरती जाती रही।

इन दिनों त्योहारी सीजन की शुरुआत नवरात्रि से हो चुकी है। दशहरा, दीपावली समेत अन्य पर्व नजदीक हैं। इधर कुछ दिनों से आई लव मोहम्मद को लेकर विवादित पोस्ट करने के साथ ही बिना अनुमति जुलूस भी निकाले गए। इसे लेकर जहानाबाद, अमरिया आदि क्षेत्रों में तनाव के हालात भी बने और कार्रवाईयां भी की जा चुकी है। ऐसे में शासन स्तर से अलर्ट किया गया है। जनपद की सीमा नेपाल और उत्तराखंड से सटे हुई है। ऐसे में विशेष सतर्कता बरती गई। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर भारी पुलिस बल और पीएसी की तैनाती की गई। सुबह से ही शाही जामा मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों के आसपास, मुख्य चौराहा, बाजार और मिश्रित आबदी क्षेत्रों में पुलिस और पीएसी की तैनाती कर दी गई। शहर के अलावा बीसलपुर, पूरनपुर, जहानाबाद, अमरिया, न्यूरिया, माधोटांडा, बरखेड़ा, दियोरिया कलां आदि क्षेत्रों में चौकी और थाना पुलिस गश्त पर रही। अधिकारियों की मौजूदगी में फ्लैग मार्च निकाले गए। शहर में एसपी अभिषेक यादव, एएसपी विक्रम दहिया, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी दो थानों की पुलिस संग पैदल गश्त की और फ्लैग मार्च निकाला।

राहगीरों से किया संवाद, जाने इनपुट

पुलिस अधिकारियों ने शहर में पैदल गश्त की और फोर्स मिश्रित आबादी क्षेत्र में फ्लैग मार्च करता रहा। इस दौरान एसपी, एएसपी समेत अन्य अधिकारी चाय के होटल, दुकानों आदि पर भी गए और लोगों से संवाद किया। ये भी जानकारी की जाती रही कि क्षेत्र में कोई खुराफाती तो नहीं। ऐसे लोगों की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई। जुमे की नमाज और त्योहारों को लेकर किए गए अलर्ट के बीच थाना स्तर पर पीस कमेटी बैठक भी की गई। जिसमें स्थानीय धर्मगुरुओं, संभ्रांत नागरिकों से संवाद किया गया। लोगों से भाईचारे के साथ पर्व मनाने आदि की अपील की गई। पर्व को लेकर बिजली, पानी, सफाई समेत अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आ रही परेशानियां भी कुछ लोगों ने रखी। जिनका जल्द निस्तारण करने का आश्वासन दिया गया। अफवाहों पर ध्यान न देने और सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट को लेकर जागरूक किया गया।

मुख्य आरोपी समेत सात गिरफ्तार, दो नाबालिग निकले

पीलीभीत, अमृत विचारः खनन की ट्रैक्टर ट्रॉली से कुचलकर ग्रामीण की जान लेने के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को धर दबोचा। इसमें दो आरोपी नाबालिग निकले। दो ट्रैक्टर भी बरामद किए गए हैं। पकड़े गए पांच आरोपियों को जेल और दो को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

हजारा थाना क्षेत्र के ग्राम अशोक नगर में रेत का खनन करने वालों का विरोध करने पर इंद्रजीत सिंह की जान ले ली गई। घटना बुधवार देर शाम हुई थी। उन्हें खनन करने वालों ने ट्रैक्टर ट्रॉली से कुचल दिया था। मृतक के पुत्र लखीमपुर के संपूर्णानगर थाना क्षेत्र के ग्राम मुरारखेड़ा निवासी प्रीतम सिंह ने तीन नामजद समेत 12 आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अवैध खनन से जुड़ी घटना को लेकर पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े किए गए। हालांकि घटना के बाद सख्ती की जा रही है। शुक्रवार को पुलिस ने इस मामले में ग्राम लक्ष्मण नगर भरतपुर निवासी अलहम अली उर्फ आलम अली, मेहंदी हसन, मोहम्मद हुसैन, संपूर्णानगर लखीमपुर के मील गेट के निवासी हेमंत माहेश्वरी, अयोध्या नगर निवासी पवन और दो नाबालिग कुल सात आरोपियों को गिरफ्तारी की है।

जिले में अब तक खोले गए 132 धान क्रय केंद्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये निर्धारित

अमृत विचारः जनपद में पहली अक्टूबर से शुरू होने वाली धान खरीद की तैयारियों को लेकर डीएम की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित की गई। धान खरीद को लेकर अब तक 132 क्रय केंद्र खोले जा चुके हैं। इस दौरान डीएम ने मंडी में किसानों के धान की नीलामी दिन में दो बार करने करने के निर्देश दिए। मनमाने ढंग से धान रिजेक्ट करने वाले केंद्र प्रभारियों पर कड़ी कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी।

कार्यशाला में जिला खाद्य विपणन अधिकारी वीके शुक्ला ने बताया जिले में अब तक 132 धान क्रय केंद्र खोले जा चुके हैं। इसमें खाद्य विभाग के 32, पीसीयू के 30, पीसीएफ के 26, यूपीएसएस के 35, एफसीआई के 04 और मंडी समिति के 5 धान क्रय केंद्र खोले गए हैं। इस बार धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये निर्धारित किया गया है। खाद्य विभाग के प्रत्येक क्रय केंद्र पर 5 बोरा गांठ उपलब्ध करा दी गई है। धान खरीद के लिए सभी क्रय एजेंसियां स्वयं सर्विसेबुल/पुराने बोरे का स्वयं खरीद करेगी। एजेंसियों को पूर्व भुगतान के आधार पर मांग के अनुरूप बोरे दिए जाएंगे। अब तक 745 किसानों ने पंजीकरण कराया है। जिले में 83 राइस मिलों का सत्यापन ई-उपार्जन से किया जा चुका है। राइस मिलों के संबद्धीकरण की कार्रवाई मुख्यालय से है। खरीद सीजन में राइस मिलों का क्रय केंद्रों से संबद्धीकरण आटोमेटेड सिस्टम द्वारा खाद्य आयुक्त कार्यालय से किया जाएगा। धान खरीद सभी क्रय केंद्रों पर सुबह 09 बजे से सायं 05 बजे तक होगी। बांट माप निरीक्षक ने बताया कि सभी धान क्रय केंद्रों पर कांटा बांट का सत्यापन पूरा कर लिया गया है। मंडी सचिव ने बताया कि जनपद में 290 इलेक्ट्रानिक कांटा, 170 नमी मापक यंत्र, 126 डस्टर, 135 विश्लेषण किट, 150 छलना तथा पंखा एवं अन्य उपकरण उपलब्ध हैं। डीएम ने निर्देश दिए कि मंडियों में उपकरण उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जाये। साथ ही किसानों के धान की नीलामी दिन में 02 बार की जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि नीलामी के समय किसानों के धान की नमी अवश्य माप ली जाये और उसे मंडी समिति अपने अभिलेखों में दर्ज करें, जिससे कि किसानों के धान के डिस्ट्रेस सेल को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति पैदा न हो। कहा कि किसानों के धान की नीलामी कराते समय सभी एजेंसियों के कम से कम एक-एक केंद्र प्रभारी अवश्य मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

कोषागार पहुंचकर स्टांप का किया सत्यापन

पीलीभीत, अमृत विचार : डीएम ज्ञानेंद्र ने सिंह ने शुक्रवार को कोषागार में पहुंचकर सिंगल एवं डबल लॉक स्टांपों का सत्यापन किया गया। इस दौरान उन्होंने कोर्ट फीस, रेवन्यू स्टाम्प, जनरल स्टाम्प, नोटरी का स्टॉक रजिस्टर से मिलान करते हुए सत्यापन किया।

हादसों में तीन महिलाओं समेत पांच घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : अलग -अलग स्थानों पर सड़क हादसों में तीन महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों में मोहल्ला ग्यासपुर निवासी नारिस पत्नी साबिर, जितेंद्र पुत्र सिद्धार्थ निवासी कुरावेग जलालाबाद शाहजहांपुर, कृष्णा देवी पत्नी सूरज पाल निवासी तिलहर शाहजहांपुर, उसकी पुत्री किंजल, कुसमा पत्नी प्रकाश चंद्र रोजा शाहजहांपुर थे। सभी को प्राथमिक इलाज के बाद परिजन घर ले गए।

हमला करने के दो आरोपी जेल भेजे

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र के गांव पारसी रामकिशन निवासी देवदत्त की पत्नी गुड्डी देवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें पुराने मुकदमे की रंजिश में हमला करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने इस मामले में शुक्रवार को झन्कारी और जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

वन स्टॉप सेंटर ले जाते समय किशोरी तालाब में कूदी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- प्रेमी के साथ रहना चाहती है किशोरी, घर वालों ने तोड़ा रिश्ता

अमृत विचार : सीडब्ल्यूसी से वन स्टाप सेंटर ले जाई जा रही किशोरी ने अचानक ई-रिक्शा से निकल तालाब में कूद गई। किशोरी को कूदता देखकर एक युवक भी मौके पर पहुंच गया और उसे तालाब से बाहर निकाला। इलाज के बाद किशोरी को वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया है।

बरखेड़ा क्षेत्र निवासी किशोरी कुछ समय पहले गजरौला थाना क्षेत्र के एक युवक के साथ चली गई थी। इस मामले में परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था और किशोरी को बरामद कर लिया था। शुक्रवार को किशोरी दोबारा युवक के घर पहुंची और वहीं रहने की जिद पर अड़ गई। इस दौरान उसने हंगामा भी किया। सूचना पर गजरौला पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी को थाने ले आई। परिजनों ने उसे घर ले जाने से मना कर दिया। इसके बाद बाल कल्याण समिति के निर्देश पर महिला पुलिसकर्मी उसे ई-रिक्शा से वन स्टॉप सेंटर ले जा रही थीं। जिला अस्पताल के पास पहुंचते ही किशोरी ने तालाब में छलांग लगा दी, जिससे पुलिसकर्मियों के होश उड़ गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत तालाब में उतरकर उसे बाहर निकाला।

राबिश डालकर बनाया जा रहा डंपिंग ग्राउंड का रास्ता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : डंपिंग ग्राउंड की सड़क का निर्माण कराने की प्रक्रिया 15वें वित्त की कार्ययोजना स्वीकृति न होने से अटक गई है। वहीं पिछले दिनों हुई बारिश के चलते डंपिंग ग्राउंड जाने वाला रास्ता दलदल में तब्दील हो चुका है, जिससे आए दिन भारी वाहन फंसकर पलटने की नौबत आ रही है।

अव्यवस्था से जूझते हालात को संभालने के लिए अब भट्ठे की राबिश डालकर रास्ता तैयार करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अधूरी प्रक्रिया और लापरवाही के चलते परेशानी जस की तस बनी हुई है। नतीजन शहरभर से उठा कूड़ा निस्तारित नहीं हो पा रहा

सड़क पर डाली जा रही राबिश।

और वाटर वर्क्स परिसर में कूड़ा भरे वाहन घंटों खड़े-खड़े दुर्गंध फैला रहे हैं, जिससे आमजन और कर्मचारियों दोनों की मुसीबतें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

बता दें कि ढाई लाख की आबादी वाले शहर के कूड़ा निस्तारण के लिए वर्ष 2018 में डंपिंग ग्राउंड बनाने के लिए मीरापुर में जगह ली गई थी। जहां शहर भर एकत्र किए गए कूड़े को डाला जा सके। शहर भर में रोजाना 75 टन से अधिक कूड़ा निकलता है। पालिका द्वारा कुछ समय तो कूड़ा मीरापुर स्थित डंपिंग ग्रांउड भेजा गया, लेकिन उसके बाद रास्ता आदि की समस्या के चलते कूड़ा वहां पहुंचना बंद हो गया।

मीरापुर में बने डंपिंग ग्राउंड की सड़क निर्माण की प्रक्रिया अभी 15वें वित्त में शामिल की हुई है। वैकल्पिक तौर पर राबिश डालकर सड़क ठीक कराई जा रही है। ताकि वाहन का आवगमन शुरु हो सके। जल्द ही सड़क का निर्माण भी कराया जाएगा। – **संजीव कुमार**, ईओ नगरपालिका

- बारिश में रास्ता बन गया था दलदल, पलट रहे वाहन
- नहीं हो सका कूड़े का निस्तारण वाटर वर्क्स में खड़े कूड़ा भरे वाहन

स्थिति यह है कि डंपिंग ग्राउंड को जाने वाला 500 मीटर का रास्ता दलदल बना चुका है। जहां वाहन फंसने के साथ पलट रहे हैं। ऐसे में नगरपालिका ने रोडवेज किनारे खाली पड़ी जगह में कूड़ा डालना शुरु कर दिया था। इस पर सामाजिक वानिकी ने चार दिन पहले एनजीटी के तहत नगरपालिका पर 20 हजार रुपये का जुर्माना वसूला था। इसके बाद कूड़ा डालना बंद कर दिया था। 24 सितंबर को डंपिंग ग्राउंड कूड़ा गाड़ियां वहां भेजी गई थी। लेकिन वहां गाड़ी पहुंचने के बाद दलदल में फंस गई। इतना ही नहीं एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट भी गई। जिससे जेसीबी मशीन की मदद से निकलवाया गया।

इस समस्या को कर्मचारियों ने अफसरों के समक्ष रखा। इस पर ईओ संजीव कुमार ने वहां भट्टे की राबिश डलवाकर रास्ता ठीक कराने के निर्देश दिए। इस पर सफाई निरीक्षक साबिर अली के निर्देशन पर वहां कार्य कराया जा रहा है। ताकि कूड़ा वाहनों को डंपिंग ग्राउंड तक आसानी से पहुंचाया जा सके। इधर, रास्ते का काम चलने और अन्य कोई जगह न मिलने के कारण कूड़ा का निस्तारण नहीं हो सका। ऐसे में अधिकांश कूड़ा गाड़ियां भरी हुई वाटर वर्क्स में खड़ी हुई है। स्थिति यह रही कि शहर मे अधिकांश जगह कूड़े का उठान भी नहीं हो सका।

तीन लुटेरे भेजे जेल

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शेरपुर मकरंदपुर मोड़ पर 17 सितंबर को बाइक सवार बदमाशों ने असलहा के बल पर दंपती से लूटपाट की थी। इंस्पेक्टर पवन कुमार पांडेय की अगुवाई में टीम ने शुक्रवार के तीन आरोपियों घुंघचिहाई क्षेत्र के ग्राम कबीरपुर कसगंजा निवासी दिव्यांशु , इंद्रजीत और अमित को गिरफ्तार कर लिया। खांडेपुर रोड पर बगिया और तालाब के पास से आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। उनके कब्जे से सोने का झाला, घटना में इस्तेमाल बाइक और तमंचा कारतूस बरामद किया गया।

नेपाली हाथियों ने उजाड़ी झोपड़ी, रौंदीं फसलें

संवाददाता, माधोटांडा

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बराही रेंज से सटे फैजुल्लागंज गांव में गुरुवार रात नेपाली हाथियों ने जमकर तांडव किया। उग्र हाथियों ने एक किसान की झोपड़ी तहस नहस कर दी। साथ ही खेतों में खड़ी धान, गन्ना और सोयाबीन की फसल को भी रौंद डाला। ग्रामीणों ने शोर-शराबा कर बमुश्किल हाथियों को भगाया।

उजाड़ी फसल दिखाते किसान।

जंगली हाथियों की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है।

दरअसल फैजुल्लागंज गांव बराही रेंज के जंगल से सटा हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक करीब सप्ताह भर पहले नेपाली हाथियों का एक झुंड जंगल में पहुंचा है। बताते हैं कि गुरुवार रात हाथियों को झुंड गांव फैजुल्लागंज के पास जा पहुंचा। यहां हाथियों ने सबसे पहले तो किसान शिव शंकर की खेत में बनी झोपड़ी को तोड़ डाला। इसके बाद हाथियों ने राकेश के खेत में खड़ी धान और सोयाबीन, माखन के खेत में हल्दी, धान और गन्ने और रामाशीष के खेत में खड़ी गन्ने की फसल को रौंद डाला। जंगली हाथियों के आने की भनक पर ग्रामीण एकत्र हुए और शोर-शराबा कर बमुश्किल हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा। वन विभाग की ओर से हाथियों से बचाव के लिए कोई इंतजाम न किए जाने से ग्रामीणों में खासा रोष है। इस संबंध में बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी अरुण मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि हाथियों की निगरानी के लिए टीमें लगाई गई हैं।

किराया मांगने पर युवक को पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम सरैदा पट्टी निवासी मोहम्मद नूर ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 23 सितंबर को रात नौ बजे गांव के ही इजहार मंसूर, इकरार ने किराया मांगने पर उसके घर में घुस आए और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। जिससे वह घायल हो गया। शोर शराबा करने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। जिस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराकर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

खुद के साथ हुए अपराध को न छिपाएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी विद्यालय खमरिया पुल पहुंची। जहानाबाद थाने की महिला शक्ति केंद्र की टीम भी साथ रही। बच्चों को मिशन शक्ति के बारे मे बताया गया। हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181 की जानकारी दी गई। बच्चों को महिला के प्रति अपराध के संबंध में चुप्पी तोड़ने और अपराध के खिलाफ आगे आने के लिए प्रेरित किया। बढ़ते साइबर अपराध के बारे में भी जानकारी दी और सतर्क किया। साइबर अपराध की जानकारी 1930 या थाना साइबर हेल्प डेस्क पर देने की बात कही। वह एएनएम हॉस्पिटल अमरिया के छात्रावास में पहुंची और महिला सशक्तिकरण के बारे में चर्चा की।पंपलेट भी वितरित किए गए।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं संग सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल।

- मिशन शक्ति 5.0 के तहत सहायक पुलिस अधीक्षक ने किया जागरूक

अवंतीबाई बालिका इंटर कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित हुए कार्यक्रम में जिला मिशन कोऑर्डिनेटर सुवर्णा पांडे ने कार्य स्थल पर महिलाओं के लैगिंक उत्पीड़न अधिनियम के बारे में विस्तार से शिक्षिकाओं को जानकारी दी। यह अधिनियम यौन उत्पीड़न को परिभाषित करता है। जिसमें अनुचित प्रस्ताव, यौन प्रकृति के व्यवहार और शत्रुतापूर्ण कार्य वातावरण बनाना शामिल होता है। इस उत्पीड़न को रोकने के लिए प्रत्येक जिले में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) गठित की गई है। जिसमें उत्पीड़ित हर कार्यरत महिला अपनी शिकायत कर सकती है। कहा कि कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और मैत्रीपूर्ण वातावरण तैयार करता है। जिससे महिलाएं सुरक्षा भाव के साथ अपने कार्यस्थल पर कार्य कर सकती हैं। इसके अलावा जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री सिंह, अजीत सिंह ने महिला कल्याण विभाग में चल रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

चार दिन में 541 से अधिक हुई रजिस्ट्री

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : महिलाएं अब सिर्फ कहने के लिए गृह लक्ष्मी नहीं हैं। संपत्ति में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। परिवार में कोई भी नई संपत्ति खरीदी जा रही है तो उसकी मालकिन महिलाएं ही बन रही हैं। जिले के रजिस्ट्री कार्यालयों में हर माह 70 फीसदी से अधिक बैनामे महिलाओं के नाम पर हो रहे हैं। पहले यह आंकड़ा 20-25 फीसदी ही था, लेकिन अब बढ़ने लगा है। नवरात्र के शुभ मूहुर्त में लोग जमकर जमीन और मकान की रजिस्ट्री करा रहे हैं। बीते चार दिनों में ही जिले में 541 रजिस्ट्री हुई है। जिससे विभाग को 2.37 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। आने वाले दिनों में यह संख्या तेजी के साथ बढ़ेगी।

बता दें कि नवरात्र में कोई भी सामान खरीदना शुभ माना जाता है। यहीं कारण है कि पितृ पक्ष बीतने के बाद निबंधन कार्यालय में रजिस्ट्री की संख्या बढ़ गई है। कई लोगों ने पहले ही सौदा तय कर लिया था। सिर्फ रजिस्ट्री के लिए नवरात्र का इंतजार कर रहे थे। पहले ही नवरात्र को जिले भर में करीब 80 रजिस्ट्री हुई थी। इनमें 20 रजिस्ट्री सदर क्षेत्र में हुई थी। जिसके बाद धीरे-धीरे यह संख्या बढ़ती जा रही है। खास बात यह है कि इनमें अधिकतर महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री कराई गई है।इसके पीछे शासन ने मई में ही महिलाओं को एक करोड़ रुपये तक की संपत्ति खरीदने में एक फीसदी अतिरिक्त स्टांप शुल्क में छूट देने के निर्देश दिए थे। इससे पहले दस लाख तक स्टांप शुल्क में दो फीसदी की छूट महिलाओं को मिल रही है। एक करोड़ रुपये तक की रजिस्ट्री पर स्टांप शुल्क में एक फीसदी छूट का फैसला प्रभावी होने के बाद महिलाओं के नाम संपत्ति का आंकड़ा और तेज हो गया है। स्थिति यह है कि चार दिन में

मइया रानी के दिनों में कुल 541 रजिस्ट्री हुई है। जिसमें सदर क्षेत्र में 151 रजिस्ट्री हुई। जिससे एक करोड़ 23 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके अलावा पूरनपुर में 158 रजिस्ट्री के सापेक्ष 72.50 लाख और बीसलपुर तहसील क्षेत्र में 232 रजिस्ट्री हुई है। जहां 41.50 लाख का राजस्व मिला है। हालांकि पूरे जिले में सर्वाधिक रजिस्ट्री अभी तक बीसलपुर क्षेत्र में कराई गई है। इनमें करीब 80 फीसदी महिलाओं के ही नाम पर है। महिलाओं के नाम जमीन, मकान आदि होने से उनको भी अपनी हिस्सेदारी का एहसास हुआ है। रजिस्ट्री में रुपये की बचत करने के लिए महिलाएं मालकिन बन रहीं हैं। इधर, जमीन मकान के अलावा महिलाओं के नाम पर वाहन भी तेजी से पंजीकृत हो रहे हैं।

- जमीन के अलावा वाहनों की भी मालिक बन रही महिलाएं
- नवरात्र में तेज हुई जमीन-मकानों और दुकानों की खरीदारी

नवरात्र के दिनों में मकान और जमीन के बैनामे अत्यधिक होते हैं। इसको लेकर लोग पहले ही तैयारियां कर लेते हैं। चार दिन में 541 रजिस्ट्री हुई है। जिससे 2.37 करोड़ का राजस्व मिला है। अभी शेष दिनों में भी रजिस्ट्री की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। अधिकतर लोग महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री करा रहे हैं। – **सतीश त्रिपाठी**, एआईजी स्टांप निबंधन कार्यालय

इस तरह हुई आय

सदर	0151 – 1.23 करोड़
पूरनपुर	158 – 72.50 लाख
बीसलपुर	232 – 41.50 लाख

चाचा पर किशोरी को ले जाने का आरोप

पीलीभीत, अमृत विचार : एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया वह गांव के ही जीती भाई सरदार के यहां काम करता है। 23 सितंबर को वह पत्नी के साथ काम से गया था। जब वह घर पर वापस आया तो देखा कि उसकी 13 वर्षीय पुत्री घर पर नहीं थी। पता चला कि उसकी पुत्री को चाचा सुखलाल ले गया है। इस पर उसने चाचा से बातचीत की तो वह गाली गलौज करने लगा। उसने कहा कि वह उसकी शादी सनी से करवा देगा। घटना में सोनी पत्नी सतपाल और सतपाल निवासी ग्राम बढ़ेपुरा और चांद बाबू निवासी ग्राम बक्सपुर, संगीत निवासी ग्राम गुना जागीर थाना बहेड़ी जिला बरेली शामिल थे।

न्यूज ब्रीफ

रसोइयों ने दी आंदोलन की चेतावनी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : रसोइया कल्याण समिति के तत्वावधान में एक बैठक प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश कुमार की अध्यक्षता में विलोबी हाल में हुई, जिसमें 15 अक्टूबर तक रसोइयों की समस्याओं का निस्तारण न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। संगठन की मांग है कि जिन रसोइयों को हटाया गया है। उन्हें वापस काम पर लिया जाए। मिड डे मील बनाने और बच्चों को खिलाने के बाद बर्तनों की साफ-सफाई के बाद विद्यालय बंद होने तक रसोइयों को रोकने का लिखित आदेश किया जाए। इसके अलावा झाड़ू लगवाने, घास छीलने और शौचालय आदि साफ कराने के कार्यों पर रोक समेत अन्य कई मांगे शामिल हैं।

घाघरा नदी में मिला महिला का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर क्षेत्र के गांव सरैया के पास घाघरा नदी में एक महिला का शव उतराता देखा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकाला। शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवा दिया है और आसपास के थानों को सूचना देकर पहचान कराने की कोशिश कर रही है।

अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : थाना मैलानी क्षेत्र के गांव दूलीपुर निवासी रामसनेही पुत्र रामभरोसे ने कहा है कि एक जुलाई को शाम चार बजे वह लखीमपुर से अपने घर जा रहा था। रोड पार करते समय एक अज्ञात चार पहिया वाहन संख्या यूपी 31/7580 ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसके पैर की हड्डी टूट गई और उसे गंभीर चोटें आई। आसपास के लोगों ने उसे आरोग्य हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज हो रहा है। उसकी आर्थिक हालत ठीक नहीं है। वह मजदूरी करके अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता है। उसने अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सड़क हादसे में घायल की अस्पताल में मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : गुरुवार की शाम बाइक की चपेट में आकर घायल हुए सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव पिपरिया निवासी लल्लूराम (55) की सीतापुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। गांव पिपरिया निवासी लल्लूराम साइकिल से थाना खीरी क्षेत्र के गांव हरदासपुर स्थित अपना खेत देखने गए थे। वापस घर आते समय मरखापुर गांव के पास उनकी साइकिल में बाइक ने टक्कर मार दी थी, इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें इलाज के जिला अस्पताल भेजा। यहां पर हालत में सुधार न होने के चलते डॉक्टरों ने उन्हें रेफर कर दिया। परिजन लल्लूराम का इलाज सीतापुर के एक निजी अस्पताल में करा रहे थे। जहां गुरुवार की शाम लल्लूराम की मौत हो गई। मौत की खबर आते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कागजों में दफन पार्किंग प्लान, सड़कें बनीं पार्किंग स्थल

सड़कों पर खड़े हो रहे वाहनों से पब्लिक परेशान, लग रहा जाम, दुकानों के सामने कार व बाइक खड़ी कर निपटाते हैं काम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहर की ट्रैफिक व्यवस्था इस समय पूरी तरह से अव्यवस्थित हो चुकी है। पार्किंग व्यवस्था बनाने की कई योजनाएं वर्षों से केवल कागजों तक सीमित हैं, जिसका सीधा असर अब सड़कों पर देखने को मिल रहा है। दुकानों, निजी अस्पतालों, पैथोलॉजी सेंटरों और सरकारी दफ्तरों के बाहर वाहनों की कतारें सड़कों पर ही खड़ी रहती हैं। मजबूरन गाड़ियां सड़क पर खड़ी करने से सड़कें पार्किंग स्थल में बदल गई हैं। इससे बाजारों में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। हालात यह हो जाते हैं कि पैदल निकलना भी मुश्किल होता है, लेकिन ट्रैफिक पुलिस कोई ध्यान नहीं दे रही है। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से फेल दिख रही है।

शहर में पार्किंग स्थलों का अभाव इस समस्या की सबसे बड़ी वजह है। मजबूरन वाहन चालक बाजार, अस्पताल और दफ्तरों के बाहर ही गाड़ियां खड़ी कर अपना काम निपटाते हैं। दोनों ओर वाहनों की कतार लग जाने से सड़क पर जगह कम हो जाती है और पैदल यात्री भी परेशानी झेलते हैं।

अस्पताल रोड पर खड़ी की गई कार। ● अमृत विचार

थरवरनगंज में सड़क पर खड़ी बाइकें और कारें। ● अमृत विचार

● दुकानों, निजी अस्पतालों के बाहर सड़कों पर खड़े रहते हैं वाहन

कई बार लोग विरोध करते हैं तो दुकानदार वाहन चालकों का पक्ष लेकर बहस करने लगते हैं, जिससे विवाद की स्थिति बन जाती है।

हीरालाल धर्मशाला से सौजन्या रोड तक की स्थिति सबसे खराब है। पहले से ही अतिक्रमण से घिरे इस मार्ग पर डिवाइडर बनने के बाद सड़क और संकरी हो गई है। रोडवेज बस अड्डा भी इसी मार्ग पर स्थित होने से यहां हमेशा भारी दबाव रहता है। गुरु गोविंद सिंह चौराहा से रोडवेज तक कई स्पेयर पार्ट्स की दुकानें हैं। दुकानदार अक्सर गाड़ियां सड़क पर खड़ी कर मरम्मत का काम करते हैं, जिससे दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। ट्रैफिक पुलिस की गाड़ियां इसी रूट से गुजरती हैं, फिर भी किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाती।इसी तरह जिला अस्पताल रोड पर भी जाम लगता है।

जेल रोड पर खड़े वाहन। ● अमृत विचार

मोतीपुर में अस्पताल शिफ्ट होने के बाद यहां की नो एंट्री हटा दी गई है। दुकानदार सड़क पर ही सामान फैलाकर रखते हैं, जबकि आने-जाने वाले लोग अपनी गाड़ियां सड़क पर खड़ी कर देते हैं और बाजार, अस्पताल, दफ्तरों आदि में जाकर अपना काम निपटाते हैं। परिणामस्वरूप पूरे दिन ट्रैफिक रेंगता रहता है। दोनों तरफ वाहनों के खड़ा होने से सड़क पर जगह तक नहीं बचती है। इससे बाइक तो छोड़ दीजिए पैदल गुजरना भी मुश्किल हो जाता है। जब लोग इसका विरोध करते हैं तो वाहन के पक्ष में आकर दुकानदार भी खड़े हो जाते हैं।

यहां तक कभी-कभी तो मारपीट तक करने के लिए आमादा हो जाते हैं। यही हाल शहर की अन्य प्रमुख सड़कों का भी है, जहां निजी अस्पतालों और पैथोलॉजी सेंटरों के सामने सड़कों पर खड़े वाहन आवागमन में लगातार बाधा बनते हैं। यही हाल शहर की अन्य प्रमुख सड़कों का है। निजी अस्पतालों, पैथोलॉजी आदि के सामने लोग सड़कों पर ही वाहनों को खड़ा कर दे रहे हैं, लेकिन न तो कोई सुनने वाला है और न ही कोई देखने वाला। इससे शहरवासियों को जाम की समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है।

इन स्थानों पर भी रोज लगता है जाम

रेलवे स्टेशन ओवरब्रिज, संकटा देवी चौराहा, गोला रेलवे क्रॉसिंग, मेला मैदान चौराहा, पलिया बस अड्डा, नौरंगाबाद चौराहा, हीरालाल धर्मशाला चौराहा और रोडवेज बस अड्डा भी नियमित जाम के हॉटस्पॉट बन चुके हैं। शहरवासी मांग कर रहे हैं कि स्थायी पार्किंग स्थल विकसित किए जाएं और ट्रैफिक पुलिस अवैध पार्किंग पर सख्ती दिखाए, ताकि लंबे समय से चली आ रही इस समस्या से राहत मिल सके।

जेल रोड बन गई पार्किंग

नई बस्ती चौराहा से शहपुरा कोठी चौराहा तक जेल रोड पूरी तरह पार्किंग स्थल में बदल गई है। चालक चार पहिया वाहन सड़क पर खड़े कर निश्चिंत होकर अपने काम में लग जाते हैं। यही नहीं, इसी मार्ग पर पुलिस लाइन और यातायात पुलिस का कार्यालय भी स्थित है। शहर कोतवाल से लेकर टीएसआई और अधिकारी रोजाना इस मार्ग से गुजरते हैं, फिर भी अवैध पार्किंग के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता।

सड़क पर खड़े मिलने वाले वाहनों का चालान किया जा रहा है। ऐसा कोई दिन नहीं होता है, जिस दिन चालान न हो। दुकानदारों को कई बार हिदायत भी दी जा चुकी है।

–पवन गौतम, एएसपी पूर्वी

13 साल से दर-दर भटक रही महिला किसान

धौरहरा, अमृत विचार: धौरहरा तहसील क्षेत्र के लाला पुरवा सुजानपुर निवासी एक महिला किसान अपनी ही जमीन पर कब्जा पाने के लिए दर दर भटक रही है। आरोप है कि राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से गांव के दबंगों ने उसकी जमीन पर तेरह साल से अवैध कब्जा किए हुए हैं।

● तीन बीघा जमीन पर दबंगों ने कर रखा अवैध कब्जा एसडीएम ने दिया आश्वासन

धौरहरा तहसील क्षेत्र के सुजानपुर के गांव लाला पुरवा निवासी कमला देवी पत्नी दिनेश कुमार शुक्रवार धौरहरा तहसील पहुंची और एसडीएम शशिकांत मणि को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी जमीन गाटा संख्या 3798 रकवा 810 हेक्टेयर में से साढ़े तीन बीघा जमीन पर आरोपी अवध राम यादव,सुरेश, विनोद, प्रकाश यादव निवासी लाला पुरवा ने अपनी हेकड़ी के दम पर 13 साल से अवैध कब्जा कर रखा है। पीड़ित ने डीएम, एसपी सहित मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की। इसके बाद भी उसकी जमीन पर कब्जा नहीं मिल सका।

एसडीएम शशिकांत मणि ने पढुआ पुलिस के साथ राजस्व टीम गठित कर जल्द कब्जा दिलाने का आश्वासन दिया है।

छेड़छाड़ मामले में लापरवाही पर शहर कोतवाल निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● सोहदे ने पीछा कर लाइब्रेरी में पहुंची छात्रा से की थी छेड़छाड़

● समय से कार्रवाई न करने से पुलिस की हो रही थी किरकिरी

अमृत विचार: घटनाओं को तोड़ मरोड़कर पेश करने और छुपाने में माहिर शहर कोतवाल पर आखिरकार एसपी का हंटर चल गया। दो दिन पहले लाइब्रेरी जा रही छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में बड़ी लापरवाही मिलने पर एसपी ने शहर कोतवाल हेमंत राय को निलंबित कर दिया है। साथ ही विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। राजेश कुमार सिंह को शहर कोतवाल बनाया गया है।

मंगलवार सुबह करीब 9.20 बजे एक छात्रा नई बस्ती स्थित एक लाइब्रेरी जा रही थी। गली में पहुंचते ही एक युवक उसका पीछा करने लगा और वह लाइब्रेरी तक पहुंच गया। वह जब लाइब्रेरी में दाखिल हुई तो शोहदा भी अंदर आ गया। उसने छात्रा को दबोचने का प्रयास किया। इस पर छात्रा घबरा गई और शोर मचाया। छात्रा किसी तरह लाइब्रेरी संचालक तक पहुंची और पूरी बात बताई। घटना के बाद परिजनों के साथ कोतवाली पहुंची छात्रा ने पुलिस को तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। शहर कोतवाल हेमंत राय ने पूरे मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की। यहां तक सीओ सिटी भी घटना को लेकर गंभीर नहीं हुए। जब सोशल मीडिया पर मामला गर्म हुआ और लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए तो अफसर भी हरकत में आ गए। आनन-फानन में रिपोर्ट दर्ज कर देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर चालान भेजा गया, लेकिन इस मामले में भी पुलिस ने पूरी मनमानी की।

एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शहर कोतवाल हेमंत राय की बड़ी लापरवाही मिली है। इस पर उन्हें निलंबित कर राजेश कुमार सिंह को शहर कोतवाल बनाया गया है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को महिला अपराधों को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

गोष्ठी में छात्राओं को दिए गए सुरक्षा के टिप्स

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना फूलबेहड़ पुलिस ने गांव गूम स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में एक गोष्ठी की और छात्राओं को सुरक्षा के टिप्स दिए। साथ ही उन्हें 1090 वूमेन पावर लाइन,

181 महिला हेल्पलाइन नंबर, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर, 112 पुलिस, 1098 चाइल्ड, 102 स्वास्थ्य, 108 एंबुलेंस सेवा व 1930 साइबर समेत अन्य ल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी। गोष्ठी में छात्राओं की समस्याओं को भी सुना गया। सरकार की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, राष्ट्रीय पोषण मिशन आदि के बारे में जानकारी दी गई।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कार्यकर्ता व ग्रामीणों से किया संवाद

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: जीएसटी दरों में कटौती के बाद जागरुकता कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी निघासन नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से संवाद किया। लुधौरी के ग्रामीणों ने उन्हें गांव की आबादी और मंदिर की जमीनों पर हो रहे अवैध कब्जों की शिकायत की।

ग्रामीणों ने बताया कि रमेश शुक्ल के घर के सामने करीब डेढ़ बीघा आबादी की खाली जमीन, जहां पूरे गांव का पानी निकलता है, पर दबंगों ने जबरन कब्जा कर लिया है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष निसार अहमद, अनुज शुक्ल उर्फ पिंटू और सरवन मौर्य ने ग्रामीणों को गुमराह कर इस जमीन पर अवैध कब्जा जमा लिया। कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा, गांव में माता जी का स्थान है, जहां यज्ञशाला बनी थी। पड़ोस के ही सपा कार्यकर्ता ओमप्रकाश यादव और जयप्रकाश यादव ने वहाँ जानवर बांधकर अपना अधिकार जमा लिया। पुरैना गांव के ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों द्वारा उत्पीड़न और बेगुनाह लोगों के घर घुसकर गाली-गलौज की शिकायत की। उदाहरण दिए कि श्रवण कुमार को साइकिल से चारा लेकर जाते समय रोककर गालियां दी गईं, जबकि राम प्रताप सुरजी पुरवा पर फसल नष्ट होने के झूठे मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई।

पूर्व गृह राज्यमंत्री ने इन मामलों पर एसडीएम राजीव निगम से बातचीत की और ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आबादी की जमीन पर गरीब तबके के लोगों के लिए घर बनवाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद किया जीएसटी की दरों में कमी और नवरात्रि के अवसर पर लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि गृह और कृषि में उपयोगी 295 वस्तुओं पर जीएसटी कम कर दी गई है, जबकि कुछ वस्तुओं पर शून्य प्रतिशत जीएसटी लागू है, जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। इस दौरान चेयरमैन बद्री प्रसाद मौर्य, अरविंद सिंह संजय, कनक पाल सिंह राणा, दयाशंकर मौर्य, संगम लाल मिश्रा, रतीराम लोधी, जिला पंचायत सदस्य संजय गिरि आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी। ● अमृत विचार

● ग्रामीणों ने आबादी और मंदिर की जमीनों पर अवैध कब्जों की शिकायत की

कांग्रेसियों का हल्ला बोल कार्यक्रम आज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कांग्रेस कार्यालय में हुई तोड़फोड़ मामले में पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज कांग्रेसियों का क्रमिक अनशन आठवें दिन भी जारी रहा। कांग्रेसी अब कर कार्रवाई न होने पर शनिवार को हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित कर डीएम-एसपी का घेराव करेंगे।

जिला अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने कहा कि पुलिस प्रशासन का रवैया बहुत ही गैर जिम्मेदाराना रहा है। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि आम जनमानस को न्याय मिल पाना इन अधिकारियों के रहते संभव नहीं है। आठ दिनों से अनशन पर हैं। कांग्रेस भवन पर तोड़ फोड़ हुए लगभग एक माह होने को है, लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि शनिवार को कांग्रेसी हल्ला बोल कार्यक्रम विलोबी मैदान में आयोजित करेंगे। इसके बाद डीएम-एसपी के कार्यालय का घेराव कर एफआईआर दर्ज कराने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ज्ञापन भी देंगे। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामकुमार मिश्रा ने कहा कि भाजपा के शासन काल में न्याय की उम्मीद करना बेमानी है।

बीजेपी तानाशाही पर उतर आई है। खुलेआम संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है1 गुरुवार को धरने पर अमित राठौर, बालक राम गौतम, अशर्फीलाल, रामकुमार पाल, विनय कुमार, रामकृष्ण राज, रघुनंदन राज पासी, तरुण शालू, सुनील कुमार राज, अब्दुल रहीम आदि बैठ। इस दौरान मोहन चंद्र उप्रेती, रवि तिवारी, रामकुमार वर्मा राजेंद्र गुप्ता, रोशन लाल इंद्र पाल, दीपक वाजपेयी, देवेंद्र कुमार पंकज आदि मौजूद रहे।

धरने पर बैठे कांग्रेसी। ● अमृत विचार

● डीएम-एसपी का करेंगे घेराव, आठवें दिन भी जारी रहा क्रमिक अनशन

बगैर काम के ही खाते से निकाल ली गई रकम

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: रगापुर निवासी भोलानाथ वर्मा ने खंड विकास अधिकारी कुंभी को शिकायती पत्र देकर सरकार के महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा में धांधली का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। भेजी शिकायत में कहा है कि पेंटेड रोड से 500 मीटर से अधिक दूर शंकरलाल के खेत तक विकास के कार्यों पर 40 मजदूरों की डिमांड कागज पर चल रही है। इसी प्रकार छविनाथ के खेत से पिरई नाला तक कार्य हुआ दिखाया गया है, जबकि इन स्थानों पर किसी भी प्रकार का काम धरातल पर नहीं हुआ है। ऐसे में प्रधान के द्वारा फर्जी फोटो डालकर सरकारी धन गोलमाल किया जा रहा है। उन्होंने जांच कर कार्रवाई कराने की मांग की है।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क

₹200/- ₹100/-

दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में

विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900

पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

एसपी ने पुलिस फोर्स के साथ की पैदल गश्त

शहर में पैदल गश्त करते एसपी संकल्प शर्मा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जुमा की नमाज और मिशन शक्ति अभियान को लेकर एसपी संकल्प शर्मा के आदेश पर जिले भर में पैदल गश्त अभियान चलाया गया। एसपी ने शहर में भारी पुलिस बल के साथ गश्त की और व्यापारियों समेत शहरवासियों को सुरक्षित माहौल देने का एहसास कराया। एसपी संकल्प शर्मा, प्रशिक्षु आईपीएस सीओ सिटी विवेक तिवारी के साथ सड़कों पर पैदल निकले। उन्होंने भारी पुलिस बल के साथ प्रमुख मार्गों, बाजार, भीड़ वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त की। साथ ही शांति, सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। साथ ही जनमानस को सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिलाया। इसके साथ ही खीरी, गोला गोकर्ण नाथ, मोहम्मदी आदि जगहों पर भी पुलिस ने पैदल गश्त की।

गन्ना सेंटर बदलने को एसडीएम और सचिव से मिले किसान

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: बजाज चीनी मिल गोला के क्रय केंद्र महेशपुर के किसानों में 15 सितंबर को दिए ज्ञापन पर कार्रवाई न होने से रोष है। नाराज किसानों ने महेश वर्मा की अगुवाई में एसडीएम और गन्ना समिति के सचिव से मुलाकात की और उनका सेंटर कुंभी चीनी मिल से जोड़ने की मांग की है।

किसानों ने कहा कि गन्ना सेंटर को कुंभी चीनी मिल से सम्बद्ध कराने की मांग का पूर्व में गन्ना समिति के सचिव बलवंत चौधरी को पत्र दिया था, जिस पर सचिव ने किसानों के प्रस्ताव को गन्ना आयुक्त को भेजने की बात कही थी, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला है। एसडीएम युगांतर त्रिपाठी ने समस्या का समाधान जिला गन्ना अधिकारी के सहयोग से करने का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधि मंडल में राजेंद्र प्रसाद वर्मा, मनोहर लाल वर्मा, प्रदीप वर्मा, लालाराम वर्मा, नन्हे वर्मा, शकील खां, गुलशन खां आदि थे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मेरे अभिलेखों में मेरा नाम SYED MUJABA YAWAR ALIAS ANJUM गलत दर्ज है, जबकि मेरा वास्तविक व सही नाम SYED MUJTABA YAWAR ALIAS ANJUM पुत्र यावर हुसैन नि. मीरा की पैठ, पुराना शहर, बरेली है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 27 सितंबर 2025

सांड़ के तांडव ने ली बुजुर्ग की जान,चार घायल

घायलों की हालत गंभीर, जिला अस्पताल में भर्ती, सूचना के बाद भी मौके पर नहीं पहुंचे अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

सांड़ के हमले में घायल चारों जिला अस्पताल में भर्ती घायल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव महमदपुर कैमहरा में सांड़ ने हमलाकर एक-एक कर चार लोगों को सड़क पर पटक कर घायल कर दिया। इससे अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने किसी तरह से सांड़ को भगाया और सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान घायल बुजुर्ग की मौत हो गई। वह अपने दामाद के घर आए थे।

गांव महमदपुर कैमहरा में बिगडैल सांड़ गुरुवार की सुबह अचानक हमलावर हो गया। उसने लोगों को दौड़ाकर पटकना शुरू कर दिया। इससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन एक बुजुर्ग समेत पांच लोग उसके निशाने पर आ गए। सांड़ ने सभी को पटक कर सींघों से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। ग्रामीणों ने जैसे तैसे लाठियां फटकारीं और पानी आदि फेंककर

- ग्रामीणों की मांग पर मुख्य विकास अधिकारी ने पकड़वाया सांड़
- प्रशासन की उदासीनता के चलते गांव के लोगों में फैला आक्रोश

सांड़ को भगाया। इतना ही नहीं उसने एक भैंस पर भी हमला किया, जिससे वह भी घायल हुई है।

सांड़ के हमले में गंभीर रूप से घायल रसूलपुर निवासी सबीना, बृजकिशोर, गुड्डा देवी, दियारतन निवासी सुधीर और अपने दामाद के घर आए 70 वर्षीय बाबूराम को आनन-फानन में जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान रात में ही बाबूराम की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया।

ग्रामीणों ने बताया कि घटना की सूचना ग्राम पंचायत अधिकारी, बीडीओ, लेखपाल और एसडीएम सदर को भी दी गई, लेकिन कोई अधिकारी न तो गांव पहुंचा और न ही बिगड़ैल सांड़ को पकड़वाने को लेकर कोई कारगर कदम उठाए। इससे नाराज ग्रामीणों ने पूरे मामले की शिकायत सीडीओ अभिषेक प्रकाश से की। ग्राम प्रधान शांति देवी ने बताया कि उन्होंने लेखपाल, उपजिलाधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारियों को सुबह ही सूचना दी थी, लेकिन देर रात तक किसी ने घटना स्थल का दौरा नहीं किया।

प्रशासन की इस उदासीनता ने न केवल एक जीवन छीना, बल्कि पूरे गांव में आक्रोश फैला दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि तत्काल सहायता मिलती, तो शायद बाबूराम की जान बच सकती थी। इस घटना ने एक बार फिर स्थानीय प्रशासन की तत्परता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों की मांग के बाद मुख्य विकास अधिकारी ने सांड पकड़वाया, लेकिन तब तक एक वृद्ध का जीवन खत्म हो चुका था। गांव में आज भी गम, भय और रोष का मिजाज है।

लोग चाहते हैं कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से न केवल बचाव हो, बल्कि समय पर प्रशासन की सहायता भी सुनिश्चित हो। सीडीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि सांड़ को पकड़वाकर उचित स्थान पर छोड़ दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

गोमती नदी में डूबने से युवक की मौत

मैगलगंज, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के औरंगाबाद गांव में गोमती नदी में नहाने गए एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि गांव निवासी राकेश (42) पुत्र विभूति नदी में स्नान करने गए थे। स्नान के दौरान अचानक पैर फिसलने से वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। सूचना मिलने पर औरंगाबाद चौकी इंचार्ज कालीचरण मौके पर पहुंचे और शव को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

30 अक्टूबर से होगी भागवत कथा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नीलकंठ मैदान में रामायण सभा के अध्यक्ष मुनेंद्र शुक्ल की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने वर्ष 2024 का आय व्यय का ब्यौरा पेश किया और बताया कि इस वर्ष 30 अक्टूबर से पांच नवंबर तक वृंदावन के कथा व्यास नरोत्तम शास्त्री से श्रीमद् भागवत कथा कराई जाएगी। संरक्षक श्रीराम वाजपेयी ने बताया कि 22 अक्टूबर को ध्वज पूजन, स्थापना कर श्रीमद भागवत कथा 30 अक्टूबर से पांच नवंबर तक होगी। बैठक में शंकरलाल हालन, राजाराम वाजपेयी, संजय कुमार पाठक, दीपक गिरि, कन्हैयालाल, सुरेश सिंह, रामचंद्र, दिनेश वाजपेयी, कमलेश कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सीएचसी में स्वास्थ्य शिविर 30 को

पलिया कलां, अमृत विचार : स्वस्थ नारी सशक्त समाज अभियान के तहत स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 30 सितंबर को सुबह 9 बजे से विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। सीएचसी अधीक्षक डॉ. भारत सिंह ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ-साथ महिला रोग विशेषज्ञ, मरीजों की काउंसलिंग, उचित सलाह, फ्री औषधि, अल्ट्रासाउंड व ब्लड की जांच करेंगे। शिविर में फिजिशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, डेंटल सर्जन, रेडियोलॉजिस्ट, नाक गला विशेषज्ञ, आयुष चिकित्सा अधिकारी आदि विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद रहेंगे।

अजमानी पब्लिक स्कूल को शिक्षा क्षेत्र में तीन राष्ट्रीय सम्मान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- लखनऊ में एजुकेशन समिट अवाड्र्स समारोह में मिला सम्मान

अमृत विचार: शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर योगदान पर अजमानी पब्लिक स्कूल को एक साथ तीन राष्ट्रीय सम्मान मिले हैं। 20 सितंबर 2025 को लखनऊ के एक होटल में आयोजित एजुकेशन समिट अवाड्र्स समारोह में उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास मंत्री संजय सिंह गंगवार ने ये सम्मान प्रदान किए।

समारोह में देशभर के नामी शिक्षाविद, प्रबंध समिति सदस्य, प्रधानाचार्य और उप-प्रधानाचार्य मौजूद रहे। आउटस्टैंडिंग एनईपी 2020 स्कूल सेंसटाइज्ड अवार्ड विद्यालय प्रबंध समिति की उपाध्यक्ष सिमरन भल्ला को मिला।

विद्यालय की संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक गुरजीत अजमानी को रिकॉग्नाइजिंग स्कूल लीडर अवार्ड और उपप्रधानाचार्य नमिता महेंद्रा को लीडिंग वाइस प्रिंसिपल अवार्ड से नवाजा गया। सम्मानित प्रतिनिधियों के विद्यालय लौटने पर उनका स्कूल परिसर में स्वागत किया दया।

स्कूल लीडरशिप अवार्ड प्राप्त करती प्रबंध निदेशक गुरजीत अजमानी। ● अमृत विचार

एफएलएन प्रशिक्षण का समापन

बीआरसी कंजा पर प्रशिक्षण समापन पर मौजूद शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- बुनियादी भाषा, संख्या ज्ञान आदि का दिया गया प्रशिक्षण

अमृत विचार: ब्लाक संसाधन केंद्र कंजा में खंड शिक्षा अधिकारी श्रीराम के निर्देश में एफएलएन प्रशिक्षण के अंतिम बैच के प्रशिक्षण का समापन हो गया। छह बैच में 620 शिक्षक/शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित किया गया।

ब्लाक संसाधन केंद्र कुंभी के बीआरसी भवन कंजा में निपुण भारत मिशन के बुनियादी भाषा एवं संख्या ज्ञान तथा पाठ्य पुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण के अंतिम बैच के समापन में प्रशिक्षण के अंतर्गत सुगमकर्ता एआरपी हिमांशु वर्मा, विनोद कुमार गौतम, आदेश शुक्ला, गुरबक्श सिंह, केआरपी सुरेन्द्र कनौजिया ने विकसित पाठय पुस्तक वीणा 1 कक्षा 3, गणित मेला, संतूर में समाहित पाठों पर विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में संशोधित निपुण लक्ष्य, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका का प्रयोग व ट्रैकर भरना, गणित के अंतर्गत जोड़, घटाव, गुणा, भाग की अवधारणा पर चर्चा, भाषा, गणित सीखने की स्किल, भाषा, भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विस्तृत चर्चा की गई। बच्चों में सीखने के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का कक्षा में प्रयोग करना बताया गया। प्रशिक्षण में तकनीकी सहायक विकास वर्मा, नवनीत वर्मा द्वारा कार्य किया गया।

हृदय गति रुकने से निधन पर जताया शोक

भीरा, अमृत विचार: समाजसेवी सपा नगर अध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह धामी का हृदय गति रुकने से निधन हो गया है। वह लगभग 60 वर्ष के थे। 26 सितंबर की सुबह वह रोजाना की भांति पलिया रोड के अपने आवास पर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनने के साथ हाल-चाल जान रहे थे तभी अचानक उन्हें चक्कर आने पर परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे रास्ते में ही दिल की धड़कन बंद होने से उनका दुखद निधन हो गया उनके इस अचानक हुए निधन पर लोगों में दुख की लहर दौड़ गई। निधन की जानकारी पर नगर पंचायत अध्यक्ष पति पूर्व ग्राम प्रधान संजय शुक्ला ने अपने निवास स्थान पर शोकसभा कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

वालीबॉल में मुरादाबाद की टीम विजेता

ट्रॉफी के साथ विजेता मुरादाबाद की टीम। ● अमृत विचार

संवाददाता, महंगापुर

- स्व. सुखपाल सिंह सावी की याद में हुई प्रतियोगिता

अमृत विचार: ग्राम पंचायत गदनिया के मजरा हरीनगर में स्व. सुखपाल सिंह सावी की याद में ग्रामीणों ने उनके भाइयों के सहयोग से वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में 18 टीमों ने हिस्सा लिया। जिनमें गोरखपुर, मुरादाबाद, त्रिकोलिया, पढुआ, पुरानी चक्की और गुरमन क्लब (पंजाब) की टीमें प्रमुख रहीं।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला गोरखपुर और मुरादाबाद टीम के बीच हुआ। रोमांचक खेल में मुरादाबाद टीम ने 3-0 से गोरखपुर को हराकर विजेता टीम का खिताब जीता। विजेता टीम को 11,000 रुपये और रनर-अप टीम को 7,100 रुपये की इनाम राशि प्रदान की गई। यह राशि समारोह में सुखपाल की माता जसपाल कौर ने अपने हाथों से प्रदान की। इस दौरान समिति सदस्य राजा, सोनू, जगजीत, मनजीत, सतनाम, नवजोत सिंह, कुलदीप सिंह राज, जसवीर सिंह, हरप्रीत सिंह, हरदीप सिंह, दिप्पू आदि का योगदान रहा।

चोरी के जेवरों के साथ दो युवक गिरफ्तार

संवाददाता, मैगलगंज

आरोपी तौकीर।

आरोपी साहबे आलम।

- वीरमपुर गांव में हुई घटना का पुलिस ने किया खुलासा

अमृत विचार: कोतवाली पुलिस ने वीरमपुर गांव में बीते शनिवार हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से पुलिस ने 3800 रुपये की नगदी और जेवर बरामद होने का दावा किया है।

प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि गांव वीरमपुर निवासी छोटे के मकान में सेंध लगाकर चोर 60 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन व सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर खुलासे के लिए टीमें लगाई थीं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने देर रात छापेमारी कर ओवरब्रिज के नीचे संदिग्ध हालत में खड़े साहबे आलम उर्फ अजय निवासी नरियन और तौकीर निवासी काजी टोला थाना तंबौर जनपद सीतापुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक जोड़ी पायल, एक जोड़ी हाथ फूल, एक मांग टीका, एक नथनी व 3800 रुपये बरामद होने का दावा किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों पर 12 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान भेजा है।

राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना ने आरटीओ को भेजा पत्र

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: हिंदू शेर सेना के जिला उपाध्यक्ष ने आरटीओ लखीमपुर को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर कहा है कि नगर में ई-रिक्शा चालकों की अधिकता से हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है और लोग असमय ही काल के गाल में समा जाते हैं। ई-रिक्शा पर न तो नंबर प्लेट लगी है, न ही चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस हैं। अगर ई-रिक्शा चालक घटना करके कहीं भाग जाता है तो इसकी पुष्टि होना भी मुश्किल हो जाती है। उन्होंने ई रिक्शा चालकों के रूट तय कर चलाने की अनुमति देने की मांग की है।

आग से भैंस झुलसी: मझगई। गांव बौधिया खुर्द निवासी रामकुमार यादव के घर के बाहर पशु बाड़े में अज्ञात कारणों से आग लग गई। जब तक लोग भैंस को बाहर निकालते। इससे पहले वह गंभीर रूप से झुलस गई। पशु बाड़े मे रखा भूसा समेत अन्य सामान जल गया। ग्रामीणों ने मशक्कत कर आग बुझाई।

परिजन नाव से कर रहे शिवम् की तलाश

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार: कचनारा गांव में रविवार को दोस्तों के साथ नदी में नहाने गये शिवम का छठे दिन भी कोई सुराग नहीं लगा है। एनडीआरएफ टीम के वापस चले जाने पर परिजन स्वयं नाव से शिवम की तलाश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई कामयाबी नहीं मिली है।

शारदा नदी में डूबे हीरालाल के पुत्र शिवम का छह दिन बाद भी कोई पता नहीं चल पाया है। एनडीआरएफ की टीम तीन दिन तक खोजबीन करने के बाद वापस लौट गई। शिवम के पिता हीरालाल कुछ लोगों के साथ नाव में बैठकर प्रतिदिन अपने बेटे की तलाश में निकलते हैं। घटनास्थल से लगभग दस किलोमीटर तक नदी में खोजबीन की जा चुकी है। परिजनों को आशंका है कि या तो मगरमच्छ

> पुलिस लगातार परिवार वालों के संपर्क में है। परिवार उम्मीद लगाए बैठा है कि उन्हें कम से कम शिवम का शव ही मिल जाए, जिससे उनके दिल को कुछ तसल्ली मिल सके। परिजन लगातार फोन की घंटी की प्रतीक्षा में हैं। उम्मीद है शायद कहीं से शिवम की कोई जानकारी मिल जाए।
>
> –गोपाल नारायण सिंह, एसओ भीरा।

ने उसे खा लिया है या तेज धार में बहकर शव कहीं दूर चला गया है। परिवार की स्थिति बेहद दयनीय है। शिवम की मां की तबीयत खराब हो गई है।

नदी की ओर टकटकी लगाए मां की आंखें पथरा गई हैं, लेकिन उसका बेटा अभी तक उसे नहीं मिल सका है। छह दिन से घर में खाना नहीं बना है। परिवार इष्ट-मित्र, रिश्तेदार और पड़ोसियों द्वारा लाए गए भोजन पर निर्भर हैं। पूरे कचनारा गांव में मातम का माहौल है।

न्यूज डायरी

विधायक ने नवनिर्मित कक्षा कक्षों का किया लोकार्पण

निघासन,अमृत विचार : पीएम श्री योजना के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय पचपेड़ी में शुक्रवार को नवनिर्मित कक्षाओं और प्रयोगशालाओं का निघासन विधायक शशांक वर्मा ने लोकार्पण किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विधायक शशांक वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। विधायक ने दो अतिरिक्त कक्षा कक्ष, आधुनिक आईसीटी कक्ष जिसमें 17 कंप्यूटर से सुसज्जित स्मार्ट क्लास, कर के सीखो प्रयोगशाला, बालवाटिका कक्ष तथा दिव्यांगजन हेतु शौचालय शामिल हैं। विधायक ने कहा कि पीएम श्री योजना शिक्षा को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। उन्होंने विद्यालय की भव्यता, अनुशासन और प्रधानाध्यापक रूप सिंह यादव के नेतृत्व की सराहना की। प्रधानाध्यापक रूप सिंह ने विधायक को प्रतीक चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में बीईओ धर्मेश यादव, नवीन राठौर, मनीष वर्मा, प्रदीप शाक्यवार, वेदप्रकाश, विजय, हिमांशु चौरसिया, अभिषेक बाजपेई, निर्मल चतुर्वेदी, वैभव पाण्डेय सहित कई लोग मौजूद रहे।

लोहे का सामान लादकर चल रहे ई-रिक्शों पर नहीं होती कार्रवाई

संवाददाता, मूड़ा सवारान,अमृत विचार : अवैध ई-रिक्शा सड़कों पर फर्राटा भर रहे हैं। रिक्शों में न सिर्फ लोहे का सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का काम हो रहा है, बल्कि लोगों को भी ले जाया जा रहा है। खस्ताहाल ई-रिक्शों से हादसे की आशंका बनी रहती है। फिर भी इन पर कभी प्रभावी कार्रवाई नहीं होती है। गोला में गुरुवार को ई-रिक्शा पर लदे लोहे के एंगल, सीमेंट टीन के तख्ते, सरिया से लदे एक ई रिक्शा के अनियंत्रित होकर पलट जाने से साइकिल सवार मुन्ना पुत्र फारूक अली की मौत हो गई थी। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की तरफ से कुछ महीनों पहले अवैध ई रिक्शों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की गई थी तो पंजीकृत ई रिक्शों की संख्या में बढ़ोतरी हुई थी। बाद में कार्रवाई थमी तो फिर से अपंजीकृत ई रिक्शों ने सड़कों पर दौड़ना शुरू कर दिया। आलम यह है कि इन अवैध ई रिक्शों में लोगों को सफर कराने के साथ ही खतरनाक तरीके से लोहे के समान को लाद कर लाने ले जाने का काम हो रहा है।

विधायक ने वन चेतना केंद्र में चलाया सफाई अभियान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ,अमृत विचार : विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ वन चेतना केंद्र में सफाई अभियान चलाकर पौधरोपण किया है। लखीमपुर रोड स्थित पं दीनदयाल उपाध्याय वन चेतना केंद्र पर विधायक अमन गिरि ने पैदल पथ और पार्क में झाड़ू लगाकर सफाई की। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण भी किया। विधायक ने कहा कि साफ सफाई से यहां मार्निंग वॉक पर आने वाले लोगों को सुंदर वातावरण का अनुभव होगा। उनके साथ अवधेश मिश्रा, रामगुलाम पांडेय, शत्रोहन मिश्रा, विनोद वर्मा, धर्मेंद्र गिरि मोंटी, शिवम् कश्यप आदि रहे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए छह खिलाड़ी चयनित

संवाददाता, बिझौली, अमृत विचार : स्पोर्ट्स फॉर स्कूल कार्यक्रम के तहत आयोजित जिला स्तरीय अंडर-14 बालक वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में स्कोरवेल इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। ओयल कस्बा स्थित युवराज दत्त इंटर कॉलेज में हुई प्रतियोगिता में टीम ने मंडल स्तरीय मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया। मंडल स्तरीय प्रतियोगिता चारबाग स्थित दयानंद एग्लो इंटर कॉलेज में हुई, जहां स्कोरवेल की टीम उप विजेता रही। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर छह खिलाड़ी 69वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। राज्य स्तरीय मुकाबला 12 से 17 सितंबर के बीच गाजीपुर के रेवती में हुआ, जिसमें लखनऊ मंडल की टीम ने भी मजबूत खेल दिखाया। टीम के कोच नृपेंद्र कुमार राज और मैनेजर शिशिर कुमार के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। इस उपलब्धि ने स्कूल और जिले की प्रतिष्ठा बढ़ाई और युवा खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर के मोहल्ला पंजाबी कॉलोनी निवासी संदीप सिंह (30) पुत्र महिपाल सिंह, कोतवाली क्षेत्र के गांव खम्हौल निवासी जमीर अहमद (40) पुत्र जहीर अहमद और फत्तेपुर गांव निवासी प्रेमश्रीदेवी (26) पत्नी नैमिष कुमार सड़क दुर्घटना में घायल हो गई, जिन्हें परिजनों ने सीएचसी भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जाली नोटों के साथ युवक गिरफ्तार: लखीमपुर खीरी। थाना मैलानी पुलिस ने इसी थाना क्षेत्र के गांव लक्ष्मीपुर निवासी हिमांशु गौतम को पकड़ा है। पुलिस ने उसके पास से 500 के चार नकली नोट बरामद होने का दावा किया है। पुलिस उसके साथी शोभित की तलाश कर रही है। प्रभारी निरीक्षक बृजेश मौर्य ने बताया कि आरोपी नकली नोटों को चलाने की कोशिश कर रहे थे।

ब्लॉक स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता, निघासन

बीआरसी में आयोजित प्रशिक्षण में शामिल शिक्षक व शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

- निपुण भारत मिशन के तहत बीआरसी में कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार: निपुण भारत मिशन के तहत बीआरसी निघासन में पांच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण शुरू हुआ। बीईओ धर्मेश यादव की देखरेख में आयोजित प्रशिक्षण में कुल 114 शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं।

शिक्षकों ने ऐप डाउनलोड कर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराई और प्री टेस्ट दिया। अंतिम बैच के प्रशिक्षण के पहले दिन प्रशिक्षकों ने भाषा विषय में एनसीईआरटी से विकसित वीणा प्रथम की विषय-वस्तु पर समग्र समझ विकसित कराई। साथ ही प्रतिस्थापित चार पाठों के औचित्य पर चर्चा की गई। 18 पाठों को पांच इकाइयों और थीम के आधार पर समझाया गया।

गणित मेला परिचय के तहत अंक एवं संख्या की अवधारणाओं की समझ पर जोर दिया गया। ज्यामिति में 2-डी और 3-डी आकृतियों, गणितीय संक्रियाओं जोड़, घटाना, गुणा, भाग और आत्मक अवधारणाओं पर चर्चा हुई। मापन खंड में लंबाई, द्रव्यमान और मुद्रा के साथ समय की अवधारणा के तहत घंटा, मिनट और कैलेंडर की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण में प्रशिक्षक राम मनोरथ गिरि, नीरज मौर्य, हरिनाम प्रसाद, हरिओम गुप्ता और सरफराज समेत अन्य प्रशिक्षक रहे।

इस दौरान राजेंद्र कुमार, विवेक यादव, नंदकिशोर यादव, रमेश कुमार, लक्ष्मीचंद, ज्योति वर्मा, अनुज राज, जुबेर आलम, अनीता पाठक, संगीता देवी, उर्मिला देवी सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

बाइक सवारों ने नोचे महिला के कुंडल

बरवर,अमृत विचार: बरवर निवासी छंगा लाल की पत्नी सावित्री शुक्रवार को दिन में 11 बजे कोल्हू पर किसी को खाना देने गई थीं। वापस आते समय लगरई के पास बाइक सवार दो लुटेरे पहुंचे और महिला के दोनों कुंडल नोच कर भाग निकले। पीड़िता के शोर मचाने पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

सीएचसी में स्वास्थ्य शिविर 30 को:पलिया कलां। स्वस्थ नारी सशक्त समाज अभियान के तहत सीएचसी में 30 सितंबर को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। सीएचसी अधीक्षक डॉ. भारत सिंह ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ-साथ महिला रोग विशेषज्ञ, मरीजों की काउंसलिंग, उचित सलाह, फ्री औषधि दी जाएंगी।

न्यूज ब्रीफ

पं. उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डाला

मझोला, अमृत विचार : स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती शिशु मंदिर में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य धनपाल सिंह ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पार्चन किया। उनके योगदान के बारे में बताया। कार्यक्रम संयोजक अमन पाठक ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय का स्टॉफ उपस्थित रहा।

मारपीट में ग्रामीण घायल, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र के नगरिया कॉलोनी निवासी मनीषा देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 24 सितंबर को गांव के जगदीश, करन व विक्की ने कबूतर लेने की बात को लेकर उसके पति विश्वजीत पर लाठी, डंडों से हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मायके वालों को बुलाकर पति को पिटवाया

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम कैचूटांडा निवासी प्रेमशंकर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 23 सितंबर को बच्चों से कहासुनी हो रही थी। इस दौरान उसकी पत्नी नन्हीं देवी उस पर दरांती लेकर दौड़ी। पत्नी ने अपने पिता और भाई को बुला लिया। ससुर जमुना प्रसाद निवासी ग्राम पुन्नापुर थाना बहेड़ी ने उसे सरिया मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

इंटर की टॉपर यशी बनी एक दिन की डीएम

दहेज के केस में दिखाए सख्त तेवर, तुरंत न्याय दिलाने के दिए निर्देश, डीएम ने टॉपर छात्रा को सौंपी जिले की कमान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : शारदीय नवरात्रि पर मिशन शक्ति 5.0 के तहत इंटरमीडिएट की टॉपर छात्रा यशी रस्तोगी शुक्रवार को पूरे जिले की कमान संभालती नज़र आईं। वह एक दिन की डीएम बनीं और जनसुनवाई के निर्णय दिए।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह और अनिल कुमार रस्तोगी की मौजूदगी में यशी को पुष्पगुच्छ और प्रमाणपत्र भेंट कर एक दिन का डीएम बनाया। डीएम ने अपनी कुर्सी पर यशी को बिठाते हुए एक दिन की डीएम का प्रमाण पत्र, स्कूल बैग और मिशन शक्ति स्पेशल किट देकर सम्मानित किया। डीएम के तौर पर यशी ने जनसुनवाई में दहेज उत्पीड़न के एक मामले पर अफसरों को तुरंत न्याय दिलाने के निर्देश दिए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, इस कुर्सी पर बैठना मेरे लिए गर्व का क्षण है। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी के आशीर्वाद से संभव हुआ। मैं खुद को इस पद के लायक नहीं मानती, लेकिन यह अनुभव जिंदगीभर याद रहेगा। यशी ने बेटियों से अपील की "पढ़ो-लिखो, आगे बढ़ो और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहो। बताते दें कि बेहजम स्थित राजरानी माता शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज की छात्रा यशी ने इंटरमीडिएट में जनपद टॉप कर पहले ही जिले का नाम रोशन किया है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि शारदीय नवरात्रि के साथ ही मिशन शक्ति 5.0 का शुभारंभ हुआ है। यशी की एक दिन की डीएम की ताजपोशी न सिर्फ बालिकाओं के लिए प्रेरणा बनी, बल्कि नारी सशक्तिकरण की बुलंद मिसाल भी पेश कर गई। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, जिला प्रोबेशन अधिकारी लवकुश भार्गव, तहसीलदार मितौली दिनेश कुमार मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट स्थित डीएम दफ्तर में बतौर जिलाधिकारी जनसुनवाई करती इंटर की टॉपर छात्रा।

कृषक समाज कॉलेज में प्रधानाचार्या बनी छाया देवी। ● अमृत विचार

छात्रा राधिका और छाया बनीं एक दिन की प्रधानाचार्या

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: गांधी स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10 की छात्रा राधिका शुक्ला और कृषक समाज इंटर कॉलेज की छात्रा छाया देवी को एक दिन का प्रधानाचार्य बनाया गया। दोनों छात्राओं ने विद्यालय संचालन की जिम्मेदारियां को बखूबी निभाकर अपने नेतृत्व कौशल और आत्मविश्वास का उदाहरण प्रस्तुत किया।

राधिका ने इन्सपायर अवार्ड, यू-डायस पोर्टल, डीबीटी, पाठ्यक्रम की वर्तमान स्थिति, कक्षावार उपस्थिति, अर्धवार्षिक परीक्षा की तिथि पर चर्चा, स्टाफ की बैठक कर बेहतर संचालन के लिए अपने सुझाव दिए। प्रधानाचार्य डॉ सौरभ दीक्षित ने विद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, सीएचसी के अर्श काउंसलर रूपेश मिश्र, शिक्षक रामसनेही आदि मौजूद रहे. उधर कृषक समाज इंटर कॉलेज में कक्षा 10 की छात्रा छाया देवी एक दिन के लिए प्रधानाचार्या बनी। प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज ने उन्हें कॉलेज की शिक्षण व्यवस्था से अवगत कराया।

गांधी विद्यालय में एक दिन की प्रधानाचार्या राधिका। ● अमृत विचार

कवि संतकुमार को रोटरी क्लब ने किया सम्मानित

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● साहित्यिक उपलब्धि पर अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर किय सम्मानित

अमृत विचार: रोटरी क्लब गोला सेंट्रल के पदाधिकारियों ने नगर के कवि संतकुमार वाजपेयी संत को उनकी अद्भुत साहित्यिक उपलब्धि पर अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

कवि संतकुमार वाजपेयी को विश्व की सबसे लंबी गजल लिखने का गौरव प्राप्त हुआ है। इसे बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज किया गया। पुस्तक जागो बंधु जगाते लोग में कुल 1721 शेर शामिल हैं। एशिया पैसिफिक हेड मिस्टर केंजो मेटियो के द्वारा विश्व रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। रोटरी क्लब के अध्यक्ष अभिषेक राजपूत ने कहा कि कवि वाजपेयी की यह उपलब्धि न केवल हिंदी उर्दू गजल को नई ऊंचाई देती है, बल्कि भारतीय संस्कृति और भाषा को भी अंतर्राष्ट्रीय मंच पर गर्व से स्थापित करती है। इस दौरान रोटरी क्लब सचिव प्रमोद वर्मा, नवीन जोशी, डॉ. योगेश कनौजिया, संजय सैनी, अनिल जायसवाल, ख़ालिद रियाज़, अनूप राजपूत आदि मौजूद रहे।

गोला में कवि संत कुमार वाजपेयी को सम्मानित करते रोटरी क्लब के पदाधिकारी।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है हमारे ग्राहक मै. आदिदेव पेट्रोकेमिकल्स प्रा. लि. स्वामी श्री नवनीत पांडेय पुत्र श्री श्यामनाथ पांडेय व पूजा पांडेय पत्नी श्री नवनीत पांडेय निवासी मदरा खेल जिला शाहजहांपुर ने एच.डी.एफ.सी. बैंक शाखा टाउनहॉल, शाहजहांपुर में अपनी सम्पत्ति बन्धक करके लोन के लिए आवेदन किया है। (सम्पत्ति-1) व्यवसायिक सम्पत्ति/गाटा संख्या 100 स्थित ग्राम धनेला तहसील तिलहर जिला शाहजहांपुर 0.317 हे. जिसकी पंजीकृत विक्रय पत्र दस्तावेज नं.- 5725 दिनांक 10.09.2004 व दस्तावेज नं.- 5460 दिनांक 25.08.2004 की मूल प्रतियां कहीं खो गयी है जो कि सब-रजिस्ट्रार कार्यालय तिलहर - शाहजहांपुर में पंजीकृत हैं। उपरोक्त दस्तावेजों की गुमशुदगी के सम्बन्ध में ई-थाना-लखनऊ मुख्यालय (HQ) में दिनांक 25.09.2025 को सूचना दी जा चुकी है। उक्त दस्तावेज की अनुउपलब्धता के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाश के 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ति व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों साक्ष्यों सहित मेरे कार्यालय में सामान्य कार्यदिवस की सामान्य कार्य अवधि में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मानते हुए कि इस विषय में किसी को कोई आपत्ति नहीं है उपरोक्त लोन जारी कर दिया जायेगा। - **राजीव त्रिपाठी एडवोकेट, गौहनिया चौराहा, पीलीभीत मो. 7017798117**

सामूहिक विवाह समारोह 12 नवंबर को प्रस्तावित

पीलीभीत, अमृत विचार : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जनपदस्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक डीएम की अध्यक्षता में हुई। समाज कल्याण अधिकारी ने चंद्र मोहन बिश्नोई ने बताया शासन की ओर से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचालित की जा रही है। जिसमें प्रति जोड़ा एक लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है। इस योजना का क्रियान्वयन जनपद स्तर/ संबंधित खंड विकास अधिकारी/ अधिशासी अधिकारी स्तर पर किये जाने की व्यवस्था है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विभाग द्वारा जारी वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किये जा रहे हैं। शासन की ओर से जनपद को 466 सामूहिक विवाह का लक्ष्य उपलब्ध कराया गया है। विवाह तिथि से एक सप्ताह पहले तक आवेदन किया जा सकता है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T16, दिनांक: 24-09-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्रम सं.-01,** कार्य का नाम: इज्जतनगर मण्डल के KSJ-BC-MLN खण्ड में 04 वर्ष की अवधि के लिये SCADA प्रणाली का व्यापक वार्षिक रखरखाव से संबंधित कार्य। टेंडर रिफरेंश नं.: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T16, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में: ₹ 75,27,336/-, अमानत राशि/बिड सिक्यूरिटी: ₹ 1,50,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में: 0.00, निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय: 17-10-2025, 11:00 बजे, कार्य पूरा करने की अवधि: 48 माह।

- खुली ई-निविदा दिनांक 17-10-2025 को 11:00 बजे तक जमा कर सकेंगे।
- पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत-145 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

शरदकालीन गन्ना बुवाई का उद्घाटन

बंडा, अमृत विचार : मकसूदापुर बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड की ग्राम चिकटिहा स्थित इकाई में कृषक नरसिह के खेत में शरदकालीन गन्ना बुवाई का शुभारंभ हुआ। गन्ना प्रजाति कोलख 16202 की बुवाई ट्रेंच विधि द्वारा की गई। इकाई प्रमुख भूपेन्द्र सिंह और विभागाध्यक्ष (गन्ना) सुग्रीव कुमार पाठक ने फीता काटकर बुवाई का शुभारंभ किया। इस मौके पर सहायक महाप्रबंधक (गन्ना) आर के सिंह, एसके सिंह मौजूद रहे।

सौंदर्यीकरण के बाद वीर सैनिकों के नाम समर्पित हुआ पार्क

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: नगर पालिका परिषद की ओर से शहर के ऐतिहासिक रामस्वरूप पार्क का जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण कार्य कराया गया। इस पार्क को देश के वीर सैनिकों के नाम समर्पित किया गया। शुक्रवार को नगरपालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल की मौजूदगी में शहर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों से लोकार्पण कराया गया। बता दें पार्क को गत दिनों आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित किया गया है।

नगर पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल ने अतिथियों को तिरंगा पटका पहनाकर स्वागत किया। देशभक्ति गीतों की गूंज कार्यक्रम के दौरान रही। उन्होंने कहा कि भारत की सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई की गई। शहर में स्वतंत्रता संग्राम की यादों से जुड़ा रामस्वरूप पार्क भारत के वीर जवानों को समर्पित करने का सौभाग्य नगर पालिका को मिला। खास बात यह है कि सौंदर्य कारण होने के बाद इसका लोकार्पण भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों द्वारा करवाया जा रहा है। पार्क में राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया है। सेना की चौकियां और तोप आदि के मॉडल बनाए गए हैं। दीवारों पर ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े चित्रों को बनवाया गया है। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित विश्व मित्र टंडन द्वारा लिखी गई पुस्तक स्वतंत्रता संग्राम की संघर्ष गाथा पालिका अध्यक्ष को भेंट की गई। कोरियोग्राफर सुमित और उनकी टीम के द्वारा देशभक्ति के गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सभासद साकेत सक्सेना ने किया।

इस अवसर पर कृष्ण चंद्र मिश्रा, डॉ. जगत नारायण मिश्रा, विशाल सिंह, संजीव कुमार, जसवंत सिंह, रोहिताश अवस्थी, राजेश शुक्ला, आफताब आलम खां, राम गोपाल शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, नगर अध्यक्ष इंद्रेश चौहान, जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट, आशीर्वाद अग्रवाल,व्यापारी नेता अनिल महेंद्रू, देवेश बंसल, अर्जुन सिंह टहलानी, जितेंद्र गुप्ता, सभासद गोकुल प्रसाद मौर्य, विपिन कुमार राजू फौजी, अवतार सिंह मोनू, निर्मल सिंह टीटू, स्वतंत्र देवल आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित का सम्मान करती चेयरमैन डॉ.आस्था अग्रवाल।

● चेयरमैन ने तिरंगा पटका पहनाकर किया स्वागत, भाजपा जिला व नगराध्यक्ष भी हुए शामिल

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित पार्क का उद्घाटन करते हुए। ● अमृत विचार

क्रिकेट में पीलीभीत और बरेली रही विजेता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: विद्यालयीय अंडर 17, अंडर 19 बालिका वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को अंगूरी देवी बालिका इंटर कॉलेज पीलीभीत की ओर से कराया गया। इसकी शुरुआत जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.दलजीत कौर ने कराई। खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और शॉट लगाकर शुरुआत की। कहा कि बालिकाओं का भविष्य अब क्रिकेट में भी उज्ज्वल है। भारत की बेटियां क्रिकेट में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

प्रतियोगिता में बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं और पीलीभीत की बालिका वर्ग की खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। अंडर 19 का फाइनल मुकाबला पीलीभीत और बरेली के बीच खेला गया। टॉस जीतकर बरेली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

बरेली की पूरी टीम 92 रन बनाकर आउट हो गई। जवाब में पीलीभीत की टीम ने पांच विकेट से फाइनल मुकाबला जीत लिया। अंडर 17 में फाइनल मुकाबला बरेली और शाहजहांपुर के बीच खेला गया, जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए शाहजहांपुर की टीम ने 78 रन बनाए। जवाब में बरेली के खिलाड़ियों ने दो विकेट खोकर ही लक्ष्य पूरा कर आठ विकेट से जीत दर्ज की। जिला क्रीड़ा सचिव राजेश शुक्ला ने बताया कि बालिकाओं के बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन मंडलीय क्रिकेट टीम में किया गया है। चयनित टीम चार से आठ अक्टूबर तक कानपुर में होने वाली 69 वीं प्रादेशिक बालिका वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। अंपायर की भूमिका अमित विश्वकर्मा और दीपक शर्मा ने निभाई। इस मौके पर शिप्रा, प्राची, मनीषा, विजयलक्ष्मी का योगदान रहा। अंगूरी देवी बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य उपासना शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करती जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.दलजीत कौर।

● जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.दलजीत कौर ने किया सम्मानित

भाजपा प्रदेश महामंत्री का बसढ़िया चौराहा पर स्वागत

स्वागत के बाद कार्यकर्ताओं के साथ एमएलसी अनूप गुप्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, खमरिया,अमृत विचार: शुक्रवार को विधानसभा धौरहरा क्षेत्र के बसढ़िया चौराहा स्थित एक बाइक एजेंसी पर भाजपा प्रदेश महामंत्री विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता का जोरदार स्वागत किया गया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेता अनिल गुप्ता ने जेटीसी परिवार व बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ फूल मलाएं पहना कर उनका स्वागत किया। प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता ने सभी का आभार जताया। इस दौरान जेटीसी परिवार के इंद्रेश गुप्ता, गणेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यालय निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक, मानसिक चिकित्सालय, बरेली

पत्रांक : मा.चि./वॉक-इन-इंटरव्यू/2025-26/694 दिनांक : 26.09.2025

वॉक-इन-इंटरव्यू निरस्त सूचना

मानसिक चिकित्सालय बरेली, में स्थापित ए.टी.एफ. सेल में कुल 04 पदों पर संविदा के माध्यम से दिनांक 27.09.2025 को आयोजित होने वाले वॉक-इन-इंटरव्यू को अपरिहार्य कारणों से अग्रिम आदेशों तक निरस्त किया जाता है।

निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक
मानसिक चिकित्सालय, बरेली

कार्यालय उप जिलाधिकारी, बीसलपुर, पीलीभीत।

पत्रांक 166 /मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025-26 दिनांक 22-09-2025

प्रेस-विज्ञाप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मत्स्य आखेट पट्टा नीलामी शासनादेश सं01/2019/33/1-2-2019 (रि 2018 दिनांक 10.01.2019 तथा नवीन तकनीकी मत्स्य आखेट शासनादेश सं097/सत्रह-म-2024-17-1099/9/2024, दिनांक 19-01-2024 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत तहसील बीसलपुर (पीलीभीत) में बहने वाली सदानीरा देवहा नदी के तीन खण्डों की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी दिनांक 30-09-2025 को 12:30 बजे तहसील सभागार बीसलपुर मे की जायेगी, यदि नियत तिथि पर कोई म0जी0सह0 समिति प्रतिभाग नही करती है, तो कमशः दिनांक 07-10-2025 व दिनांक 16-10-2025 एवं 28-10-2025 को 12:30 बजे पुनः उक्त नदी के खण्डो की नीलामी प्रक्रिया की जायेगी, इच्छुक म0जी0सह0 समितियां जो मत्स्य विभाग से पंजीकृत है, उक्त नीलामी मे भाग लेने हेतु आमन्त्रित है, नीलामी की पात्रता एवं शर्ते व मत्स्य आखेट समिति द्वारा निर्धारित मत्स्य आखेट खण्डों का विवरण व न्यूनतम मूल्य निम्नवत् है-

कम सं0	नदी का नाम	चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्र	कुल नदी की लम्बाई (कि0मी0 मे)	न्यूनतम आरक्षित मूल्य धनराशि (लाख मे)
1	देवहा नदी	(1) ग्राम रम्पुरा नौगवां से रिछौला घासी	08 कि0मी0	1.00
		(2) ग्राम सितारगंज नवदियां से सहबाजपुर	07 कि0मी0, 130मी0	0.875
		(3) ग्राम पुरैना से ग्राम बहादुरपुर हुकमी	08 कि0मी0	1.00

पट्टा/नीलामी की शर्ते :-

1. मत्स्य विभाग मे पंजीकृत म0जी0सह0 समितियों की पात्रता का वरीता कम एवं शासनादेश सं0 1/2019/33/1-2-2019 (रिट) 2018, दिनांक 10.01.2019 मे वर्णित है।
2. प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप मे पट्टा नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष धनराशि 75 प्रतिशत 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष धनराशि 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह मे नही जमा की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित मे जप्त कर ली जायेगी।
3. उपरोक्त नीलामी मे प्रतिभाग मत्स्य विभाग मे पंजीकृत म0जी0सह0 समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4. नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख-रेख मे भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5. पट्टे की अवधि नीलामी तिथि से 30 जून 2026 तक होगी, किन्तु 01 जून 2025 से 31 अगस्त 2025 तक नदियों मे मत्स्य आखेट प्रतिबन्धित रहेगा।
6. पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नही किया जायेगा।
7. पट्टा/नीलामी स्वीकृति/अस्वीकृति का अधिकार जिलाधिकारी, महोदय पीलीभीत के पास निहित होगा।

पट्टा नीलामी से सम्बन्धित सभी शर्तो की विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, विकास भवन पीलीभीत कमरा नं0-34, 35 मे किसी भी कार्य दिवस मे सम्पर्क कर सकते है।

UP - 238188 **दिनांक:** 25/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(नागेन्द्र पाण्डेय)
उप जिलाधिकारी/नीलामी अधिकारी,
तहसील-बीसलपुर,
जनपद-पीलीभीत।

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज सीनियर डिवीजन महोदय, पीलीभीत

उत्तराधिकार वाद सं.- 99 सन् 2025
हरिपाल आयु करीब 53 वर्ष पुत्र स्व. जोखे लाल निवासी ग्राम चौखण्डी तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत **बनाम**

1. मेघनाथ आयु करीब 70 वर्ष 2. ओमप्रकाश आयुकरीब 59 वर्ष पुत्रगण स्व. जोखेलाल निवासी ग्रा. चौखण्डी, तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत 3. लौंगश्री आयु करीब 72 वर्ष पुत्री स्व. जोखे लाल पत्नी मुन्ना लाल नि. ग्राम अलैहिया तहसील नवाबगंज जिला बरेली 4. जयन्ती देवी आयु करीब 49 वर्ष पुत्री स्व. जोखेलाल पत्नी रामचन्द्र लाल निवासी ग्राम रम्पुरा नत्थू तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत 5. कमलेश गंगवार आयु करीब 56 वर्ष पुत्री स्व. जोखे लाल पत्नी श्री जानकी प्रसाद निवासी गली नं. 2 बैंक कॉलोनी, महोली विस्तार, पूर्वी दिल्ली

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-372 भा.उ.अधिनियम

हरखास व आम को इत्तिला दी जाती है कि प्रार्थी उपरोक्त ने एक प्रार्थनापत्र बावत प्राप्त करने उत्याधिकार प्रमाण पत्र इस न्यायालय को इस आशय का दिया है, कि गयादीन पुत्र स्व. जोखेलाल नि. ग्राम चौखण्डी, तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत की मृत्यु दिनांक 27.04.2025 को अपने निवास स्थान पर हुई है। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र न्यायालय हाजा में दर्ज रजिस्टर हो चुका है। तथा न्यायालय ने प्रार्थी के प्रार्थना पत्र के अन्तिम निस्तारण हेतु दिनांक 16.10.2025 नियत की है। अतः हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि जिस किसी भी सख्श को प्रार्थनापत्र की बाबत कोई उज्र हो तो वह उपरोक्त नियत तिथि को न्यायाल में अपनी उपस्थिति देकर आपत्ति प्रस्तुत करें वरना प्रार्थनापत्र की सुनवाई एकपक्षीय रूप से कर दी जायेगी। आज दिनांक 19.9.2025 को मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से जारी किया गया।

वृद्धा को परिवार से मिलवाया

बिलसंडा। थाने के बाहर बुजुर्ग महिला दिखाई दी। जिसकी पहचान पुलिस ने किशवरी पत्नी नन्हें खां के रूप में की। पुत्रवधू गुलफसा निवासी मोहल्ला भारतगंज को सौंप दिया।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राधा ट्रेडिंग कंपनी प्रोपराइटर नीलम गुप्ता पत्नी नत्थू लाल, मोहल्ला कैलाश नगर, नवाबगंज, बरेली का निवासी नवाबगंज एक्सिस बैंक लिमिटेड में बंधक कर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है उक्त संपत्ति वैभव गुप्ता पुत्र नत्थू लाल गुप्ता के स्वामित्व वाली बिजौरिया उर्फ नवाबगंज, मोहल्ला नई बस्ती पूर्वी परगना, तहसील नवाबगंज जिला बरेली में 42.55 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली संपत्ति पर ऋण के लिए आवेदन किया है। अब ग्राहक ने घोषणा की है कि उसके पास कोई पुराना पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 11.02.1997 और 25.11.1997 क्रमांक संख्या 503 और 3881 पिछला मूल बैनामा जिसका रजिस्टर्ड तहसील नवाबगंज जिला बरेली में कहीं खो गया है जिसकी सूचना दिनांक 18.09.2025 को पुलिस को दी हुई है। उक्त मूल बैनामा अनु उपलब्धता को संबंध में यदि किसी व्यक्ति संस्था आदि को किसी प्रकार कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ति व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों साक्ष्यों सहित मेरे कार्यालय में सामान्य कार्य दिवस की समान कार्य अवधि में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मानते हुए कि इस विषय में किसी को कोई आपत्ति नहीं है उपरोक्त लोन जारी कर दिया जाएगा।

राजीव त्रिपाठी एडवोकेट
कार्यालय : गोहनिया चुंगी चौराहा, निकट गुप्ता पेट्रोल पम्प, पीलीभीत।
मो. 9412585442

गोरखपुर में छात्र दीपक गुप्ता का हत्यारा जुबैर रामपुर में ढेर

संवाददाता, रामपुर

● एक लाख के इनामी जुबैर ने पशु तस्करी के विरोध में की थी नीट के छात्र की हत्या

अमृत विचार: गोरखपुर की पिपराइच के जंगल धूसड़ महुआचाफी गांव में छात्र दीपक गुप्ता की हत्या मामले में फरार चल रहे पशु तस्कर जुबैर को पुलिस ने रामपुर में मुठभेड में ढेर कर दिया।

पशु तस्कर जुबैर पिछले दिनों हुई दीपक गुप्ता की हत्या में मुख्य आरोपी था। जुबैर पर एक लाख रुपये का ईनाम रखा गया था। गोरखपुर में 19 साल के दीपक गुप्ता की उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह तस्करों को जानवरों की चोरी करने से रोक रहा था। दीपक मेडिकल एंट्रेस एग्जाम नीट की तैयारी कर रहा था। इस हत्या के पीछे रामपुर के शहर कोतवाली के मोहल्ला घेर मर्दान खां निवासी जुबैर का नाम सामने आया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार जुबैर सिर्फ गोरखपुर ही नहीं, बल्कि गोंडा, बहराइच, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर से लेकर बिहार तक फैले पशु तस्करी के गढ़ में सक्रिय था। शुक्रवार रात एसटीएफ और रामपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जुबैर की तलाश में घेराबंदी की। गंज थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में जुबैर मारा गया। एसपी रामपुर विद्या सागर मिश्र ने बताया रात में जुबैर को मुठभेड़ हुई है, जिसमें जुबैर मारा गया है। पुलिस मामले में अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

जुबैर की लगातार तलाश में थी गोरखपुर और रामपुर पुलिस : जुबैर को पुलिस काफी समय से तलाश रही थी। पुलिस लगातार उसके ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी,लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ नहीं पा रहीं थी।आरोपी जुबेर कोतवाली थाना क्षेत्र के घेर मर्दन का रहने वाला था। उसके ऊपर काफी मुकदमे थे। पुलिस लगातार उसके करीब से भी पूछताछ कर रही थी। ताकि जल्द से जल्द जुबैर को पकड़ा जा सके।

साईं बाबा की वार्षिक पालकी यात्रा निकाली, बरसे फूल

बीसलपुर , अमृत विचार: शुक्रवार को नगर के मोहल्ला बख्तावरलाल स्थित श्री साई रक्षा धाम मंदिर परिसर से पालकी शोभायात्रा शुरू हुई। पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अमन जायसवाल ने पूजन कर मंदिर परिसर से शोभायात्रा की शुरुआत कराई। ढोल नगाड़े बजाते हुए भक्त नृत्य करते चल रहे थे। छात्राएं डांडिया नृत्य कर रही थी। शिव अखाड़ा, शिरडी से आए साईं बाबा के रथ की झांकी , चंदौसी से आए कलाकारों द्वारा मां दुर्गा के विराट रूप की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। पुराना डाकघर चौराहा, मठिया नाथ चौराहा, छोटा चौराहा, हनुमान मंदिर, पंचमुखी मंदिर, गोपी टॉकीज रोड, बारह पत्थर चौराहा समेत कई स्थानों पर भक्तों ने पुष्प वर्षा कर पालकी यात्रा का स्वागत किया। आरती व भजन संध्या के उपरांत भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

उम्र दिमाग पर हावी होने का मामला है। अगर आपको कोई फर्क नहीं पड़ता, तो कोई फर्क नहीं पड़ता।
-मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

भारत की आत्मनिर्भर दिशा

भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान और रणनीतिक स्वतंत्रता से भी जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत अब विदेशों पर निर्भर रहकर आगे नहीं बढ़ सकता। यह विचार केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान की पुनरावृत्ति नहीं है, बल्कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका को परिभाषित करने वाला एक दृढ़ संकल्प भी है। आज दुनिया जिस बहु-ध्रुवीय स्थिति में है, वहां हर राष्ट्र अपने हितों को सर्वोपरि रखकर नीतियां बना रहा है। ऊर्जा से लेकर प्रौद्योगिकी तक, हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और संरक्षणवाद बढ़ रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह उत्पादन, नवाचार और व्यापार के हर मोर्चे पर स्वयं सक्षम बने। प्रधानमंत्री ने जो कहा वह एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी इस बात की कि यदि हम आत्मनिर्भर नहीं बने, तो बदलते हालात में पिछड़ जाएंगे और अवसर इस रूप में कि भारत के पास विशाल जनशक्ति, बढ़ता हुआ बाजार और तकनीकी क्षमता है, जिनके बल पर हम आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हो सकते हैं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसे आयोजन इस दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश, जो कभी रोजगार के लिए पलायन की पहचान रखता था, अब निवेश और औद्योगिक विकास का केंद्र बन रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य को नई दिशा दी है और यही कारण है कि आज देश-विदेश के निवेशक यहां अवसर तलाश रहे हैं। मोदी का यह कहना कि यूपी अब निवेश और प्रगति का नया केंद्र है, इस बदली हुई स्थिति का प्रमाण है। यह भी सही है कि आत्मनिर्भरता केवल उत्पादन बढ़ाने से नहीं आएगी। इसके लिए शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान और डिजिटलीकरण पर जोर देना होगा। प्रधानमंत्री ने डिजिटल ड्राइव, एयरोस्पेस, रक्षा उत्पादन और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों का उल्लेख करके यह संकेत दिया है कि भारत का लक्ष्य केवल आयात घटाना नहीं बल्कि विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा करना भी है। जब देश का 55 प्रतिशत मोबाइल उत्पादन उत्तर प्रदेश से हो रहा है, तो यह केवल एक सांकेतिक उपलब्धि नहीं बल्कि संभावनाओं की झलक है। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। अभी भी भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर्याप्त संसाधनों और तकनीकी सहयोग के अभाव से जूझ रहे हैं। कृषि क्षेत्र, जो आज भी बड़ी आबादी को रोजगार देता है, तकनीकी आधुनिकीकरण की प्रतीक्षा में है।

अब जब नए भारत की परिकल्पना सामने है, तो जरूरी है कि पारदर्शिता, सुशासन और जनसहभागिता को प्राथमिकता दी जाए। इसका अर्थ है ऐसा भारत, जो अपनी जरूरतें स्वयं पूरी करे, अपने उद्योगों को मजबूती दे और साथ ही विश्व के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री का यह संदेश केवल नीति निर्माताओं और उद्योगपतियों के लिए नहीं है, बल्कि आम नागरिक के लिए भी है। जब उपभोक्ता स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देंगे और युवा नवाचार को अपनाएंगे तभी आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना साकार होगी।

प्रसंगवश

वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है भारत

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। अनुमान है कि अगले दशक में भारत चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा, जो बुनियादी ढांचे, विपणन और सेवा वितरण में मजबूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दर्शाता है। आज विश्व पर्यटन दिवस है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की है और 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

रमेश सर्राफ
स्वतंत्र पत्रकार

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है, जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर, मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3%), तुर्की (+38.2%), केन्या (+33.3%), कोलंबिया (+29.1%), और मिस्र (+22.9%) शामिल हैं।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट में इस ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका से जुड़े हुए हैं। भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है, जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है।

समझौता होने की वजह अमेरिका से निराशा तो नहीं!

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

17 सितंबर को पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसे न सिर्फ भारतीय विदेश नीति की बड़ी विफलता के रूप में देखा जा रहा है, बल्कि यह निकट भविष्य में कई तरह की चुनौतियां खड़ी कर सकता है। इस्लामी छाप वाले दोनों देशों के बीच हुए म्युचुअल स्ट्रेटजिक डिफेंस एग्रीमेंट के मुताबिक एक देश पर हमला दोनों देशों पर हुआ हमला माना जाएगा और उससे निपटने के संयुक्त प्रयास किए जाएंगे। इसका सीधा सा मतलब है कि अगर भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध होता है, तो सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़ा होगा। याद रखने लायक है कि पाकिस्तान पहले ही चीन के साथ सैन्य गठजोड़ कायम कर चुका है, जो हालिया आपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाई दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर इस समझौते की घोषणा की गई, लेकिन इसके पीछे एक अहम घटना है, जिससे अरब जगत को अमेरिका से निराशा हुई और अपनी हिफाजत का डर सताने लगा है। इसी नौ सितंबर को इजराइल ने दोहा की राजधानी कतर के एक ठिकाने पर हमला किया, जहां हमास के पांच पदाधिकारी और कतर का एक सुरक्षा अधिकारी मारे गए।

कतर ने इस हमले को इजराइल का राज्य प्रायोजित आतंकवाद कहा। आश्चर्यजनक यह था कि इस समय कतर के अल-उदेद एयरबेस पर आठ हजार अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं, लेकिन वे अपनी जगह से हिले नहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने लापरवाही भरा बयान दिया कि हम क्या कर सकते हैं, यह इजराइल का अपना फैसला था। अमेरिकी रुख से 'अरब' सकते में आ गए हैं, क्योंकि अमेरिका 1945 से तेल के भारी मुनाफा वाले व्यापार पर अधिपत्य के बदले अरब और खाड़ी देशों को सुरक्षा देता रहा है।

> कतर पर इजराइली हमले के बाद ट्रंप ने लापरवाही भरा बयान दिया कि हम क्या कर सकते हैं, यह इजराइल का अपना फैसला था। अमेरिकी रुख से 'अरब' सकते में आ गए हैं।

बदलते हालात में अमेरिका अब इजराइल को रोकना नहीं चाहता। 1991 के खाड़ी युद्ध में अमेरिका ने यहां पांच लाख सैनिक तैनात किए थे, लेकिन कतर पर इजराइली हमले ने अमेरिका पर अरबों का भरोसा डिगा दिया है। इजराइल परमाणु हथियारों से लैस है। उसके खिलाफ वैसे ही एक वैकल्पिक प्रतिरक्षा तंत्र की जरूरत थी। पाकिस्तान के पास परमाणु बम है और वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अरब देशों के समर्थन में जरूरत पड़ने पर उसके इस्तेमाल का इरादा भी जताया है। सउदी अरब के संबंध फिलिस्तीन के मुद्दे पर अमेरिका से हमेशा से तनावग्रस्त रहे हैं, लेकिन कतर पर हमले के बाद निर्णायक स्थिति बन गई है।

यह समझौता भारत के लिए चिंताजनक है, क्योंकि पाकिस्तान ने अपनी गोलबंदी में ऐसे देशों को भी खींच लिया है, जो भारत के मित्र समझे जाते रहे हैं। 26 अप्रैल को पहलगाम में हुए आंतकी हमले में बेकसूर पर्यटकों की जानें गईं। भारत ने सात मई को आपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के भीतर आतंकवादियों के ठिकानों पर मिसाइलें दागी गईं। चार दिन बाद इसे न्यू नार्मल बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित किया गया है। मतलब भारत अभी भी युद्ध की स्थिति में है और यदि कोई कार्रवाई करता है, तो इस बार सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई दे सकता है।

कूटनीतिक हलकों में सहज ढंग से यह प्रश्न उठाया जाने लगा है कि क्या अब सऊदी अरब भी पाकिस्तान-चीन गठजोड़ में शामिल हो गया है। आपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान का खुला समर्थन किया था और इसे भारतीय सेना ने स्वीकार भी किया था।

भारत को चीन-पाकिस्तान की संयुक्त ताकत का सामना करना पड़ा। तो क्या अब भारत को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की स्थिति में पहले से बड़े तीन देशों के सामरिक गठजोड़ का सामना करना पड़ेगा? भारत के सऊदी अरब से आजादी के समय से ही राजनयिक संबंध रहे हैं और यह हमें तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्ति करने वाला देश है। प्रधानमंत्री अब तक तीन बार सऊदी अरब जा चुके हैं और पिछले ही साल 225 मिलियन डालर का एक रक्षा समझौता भी हुआ है। इस सबके बावजूद सऊदी अरब ने पाकिस्तान के साथ सैन्य गठजोड़ बनाया, जो आश्चर्य की बात है।

यहां ध्यान जाए बिना नहीं रह सकता कि गाजा पर अन्यायपूर्ण युद्ध में इजराइल का साथ देकर अमेरिका न सिर्फ यूरोप में कमजोर हुआ है, बल्कि मध्यपूर्व में भी उसकी पकड़ काफी कमजोर हुई है। इसी का नतीजा है कि अरब देश जो उस पर पूरी तरह निर्भर हो चुके थे, अब अपने लिए स्वतंत्र रूप से सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम कर रहे हैं।

इस रक्षा समझौते में ऐसी क्षमता है कि यह मध्यपूर्व और दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन की स्थिति को आने वाले दिनों में बदल सकता है। भारत के लिए जटिल स्थिति है, क्योंकि आपरेशन सिंदूर के बाद से अंतर्राष्ट्रीय समर्थन का दायरा सिकुड़ता जा रहा है और अमेरिका-चीन के बीच हमारी स्थिति पेंडुलम जैसी हो गई है। उधर, आंतकवाद को समर्थन देने और आंतरिक अशांति से त्रस्त होने के बावजूद पाकिस्तान अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर रहा है। यह अपनी विदेश नीति की गंभीर समीक्षा का समय है।

आमने सामने

उत्तर भारत में जब आप महिला से मिलते हैं, तो पहला सवाल होता है कि आपके पति कहां काम करते हैं? तमिलनाडु में महिला से पूछा जाता है कि आप कहां काम करती हैं? यह बदलाव रातों-रात नहीं आया है। इसमें 100 साल लग गए।
-टीआरबी राजा, मंत्री, तमिलनाडु

एक बार फिर डीएमके ने सीमा लांघी है। यूपी, बिहार और उत्तर भारत का अपमान किया है। कांग्रेस ने कहा, बिहार बीड़ी है। रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए को गाली दी। बिहार और यूपी की महिलाओं का ऐसा अपमान! तेजस्वी यादव चुप क्यों हैं?
-शहजाद पूनावाला
प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी

शक्ति का संचार करते मां के शक्ति पीठ

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

हिंदू धर्म के पुराणों के अनुसार जहां-जहां सती के अंग या शरीर के टुकड़े, धारण किए वस्त्र या आभूषण गिरे, वहां-वहां तीर्थ बन गए। यही तीर्थ शक्तिपीठ कहे जाते हैं। शक्तिपीठ शाक्त मत के अनुसार साधना के अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल हैं। ये तीर्थ पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में फैले हुए हैं। देवी पुराण में 51 शक्तिपीठों का वर्णन है। यद्यपि देवी भागवत में 108 तथा देवी गीता में 72 शक्तिपीठों की चर्चा मिलती है। तंत्र चूड़ामणि में शक्तिपीठों की संख्या 52 बताई गई है। भारत विभाजन के बाद इनमें से एक शक्ति पीठ पाकिस्तान में चला गया और चार बांग्लादेश में। इनके अतिरिक्त एक शक्तिपीठ श्रीलंका, एक तिब्बत तथा दो नेपाल में हैं। इस प्रकार आज के भारत में केवल 42 शक्तिपीठ हैं।

किरीट शक्तिपीठ : पश्चिम बंगाल में हुगली नदी के तट पर लालबाग कोट पर स्थित है किरीट शक्तिपीठ। यहां सती माता का किरीट अर्थात् मुकुट गिरा था। कात्यायनी पीठ वृंदावन : उत्तर प्रदेश मथुरा जनपद स्थित वृंदावन में स्थित है कात्यायनी वृंदावन शक्तिपीठ। यहां सती का केशपाश गिरा था। करवीर शक्तिपीठ : महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित 'महालक्ष्मी' अथवा 'अंबाई का मंदिर' ही यह शक्तिपीठ है। यहां माता का त्रिनेत्र गिरा था। श्रीपर्वत शक्तिपीठः यहां की शक्ति श्रीसुंदरी एवं भैरव सुंदरानंद हैं। कुछ विद्वान इसे लद्दाख (जम्मू-कश्मीर) में मानते हैं, तो कुछ असम के सिलहट से चार किमी दक्षिण-पश्चिम स्थित जौनपुर में मानते हैं। यहां सती के 'दक्षिण तल्प' (निपटी) का निपात हुआ था।

> जहां-जहां सती के अंग या शरीर के टुकड़े, धारण किए वस्त्र या आभूषण गिरे, वहां-वहां तीर्थ बन गए। यही तीर्थ शक्तिपीठ कहे जाते हैं।

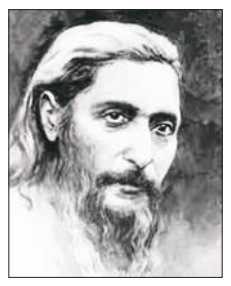

विशालाक्षी शक्तिपीठ : उत्तर प्रदेश, वाराणसी के मीरघाट पर स्थित है। यहां माता सती के दाहिने कान की मणि गिरी थी। गोदावरी तट शक्तिपीठ : यह शक्तिपीठ आंध्र प्रदेश के राजमुंद्री जिले में गोदावरी नदी के तट पर अवस्थित है। यहां माता का बायां कपोल गिरा था। शुचींद्रम शक्तिपीठ : तमिलनाडु में तीन महासागर के संगम-स्थल कन्याकुमारी से 13 किमी दूर शुचींद्रम में स्थायु शिव का मंदिर है। उसी मंदिर परिसर में यह शक्तिपीठ है। यहां माता सती के ऊपरी दांत गिरे थे। पंचसागर शक्तिपीठ : यह शक्तिपीठ वाराणसी के निकट स्थित है। यहां माता के निचले दांत गिरे थे। ज्वालामुखी शक्तिपीठ : हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में स्थित है यह शक्तिपीठ। यहां सती की जिह्वा गिरी थी।

उज्जयिनी शक्तिपीठः कुछ उज्जैन के निकट शिप्रा नदी के तट पर स्थित भैरव पर्वत को, तो कुछ गुजरात के गिरनार पर्वत के सन्निकट भैरव पर्वत को वास्तविक शक्तिपीठ मानते हैं। इस स्थान पर सती की कोहनी गिरी थी। अट्टहास शक्तिपीठः अट्टहास शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल में कटवा-अहमदपुर रेलवे लाइन पर है। यहां सती का निचला होंठ गिरा था। जनस्थान शक्तिपीठः ये महाराष्ट्र के नासिक में पंचवटी में स्थित है। यहां माता की ठुड्डी गिरी थी।

कश्मीर शक्तिपीठः कश्मीर में अमरनाथ गुफा के भीतर हिम शक्तिपीठ है। माना जाता है कि यहां माता सती का कंठ गिरा था। नंदीपुर शक्तिपीठः पश्चिम बंगाल के बोलपुर के पास वटवृक्ष के नीचे एक देवी मंदिर है। यहां देवी का कंठ हार गिरा था। श्रीशैल शक्तिपीठः आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद के कुर्नूल के पास श्रीशैलम है। यहां पर माता सती की 'ग्रीवा' गिरी थी।

नलहाटी शक्तिपीठः पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में है यह शक्तिपीठ। यहां माता की उदरनली गिरी थी। मिथिला शक्तिपीठः यहां माता सती का बायां कंधा गिरा था। रत्नावली शक्तिपीठः रत्नावली शक्तिपीठ का निश्चित स्थान अज्ञात है, किंतु बंगाल पंजिका के अनुसार यह तमिलनाडु के मद्रास (चेन्नई) में कहीं है। यहां सती का दायां कंधा गिरा था। अंबाजी शक्तिपीठः यहां माता सती का उदर गिरा था। गुजरात में जूनागढ़ के गिरनार पर्वत पर स्थित मां अंबाजी का मंदिर ही शक्तिपीठ है। मान्यता है कि इसी स्थान पर माता सती का ऊपरी होंठ गिरा था। जालंधर शक्तिपीठः यह शक्तिपीठ पंजाब के जालंधर में स्थित है। यहां माता सती का बायां स्तन गिरा था।

रामगिरि शक्तिपीठः रामगिरि शक्तिपीठ की स्थिति को लेकर मतांतर हैं। कुछ विद्वान मैहर स्थित शारदा मंदिर को शक्तिपीठ मानते हैं तो कुछ चित्रकूट के शारदा मंदिर को। यहां देवी के दाएं स्तन का निपात हुआ था। वैद्यनाथ का हार्द शक्तिपीठः झारखंड के गिरिडीह जनपद में स्थित वैद्यनाथ का हार्द या हृदय पीठ शिव तथा सती के ऐक्य का प्रतीक है। यहां सती का हृदय गिरा था। बकरेश्वर शक्तिपीठः माता का यह शक्तिपीठ पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित है, जहां माता का त्रिकूट (दोनों भौंहों के मध्य का स्थान) गिरा था।

कन्याकुमारी शक्तिपीठः तमिलनाडु में तीन सागरों-हिंद महासागर, अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी के संगम स्थल पर कन्याकुमारी का मंदिर है। यहीं भद्रकाली का शक्तिपीठ है। यहां माता सती की पीठ गिरी थी। बहुला शक्तिपीठः पश्चिम बंगाल के बर्दवान जनपद में स्थित है बहुला शक्तिपीठ, जहां सती के वाम बाहु का पतन हुआ था।

इसके अलावा भैरव पर्वत शक्तिपीठ, भैरव पर्वत शक्तिपीठ, मणिवेदिका शक्तिपीठ, प्रयाग शक्तिपीठ, विरजा शक्तिपीठ, कांची शक्तिपीठ, कालमाधव शक्तिपीठ, शोण शक्तिपीठ, कामाख्या शक्तिपीठ, जयंती शक्तिपीठ, मगध शक्तिपीठ, त्रिस्तोता शक्तिपीठ, त्रिपुरसुंदरी शक्तिपीठ, विभाष शक्तिपीठ, देवीकूप शक्तिपीठ, युगाद्या शक्तिपीठ, विराट शक्तिपीठ, कालीघाट काली मंदिर, मानस शक्तिपीठ, लंका शक्तिपीठ, गंडकी शक्तिपीठ, गुह्येश्वरी शक्तिपीठ, हिंगलाज शक्तिपीठ, सुगंधा शक्तिपीठ, करतोया घाट शक्तिपीठ, चट्टल शक्तिपीठ, यशोर शक्तिपीठ भी इनमें शामिल हैं।

सोशल फोरम

निराला की रायलटी और भिखारी बुढ़िया का किस्सा

मधु सिंह
ब्लॉगर

एक बार हिंदी के महान साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' रॉयल्टी के एक हजार रुपये लेकर, इक्के में बैठकर, इलाहाबाद की एक सड़क पर चले जा रहे थे। रास्ते में सड़क के किनारे एक बूढ़ी भिखारिन बैठी हुई थी। ढलती उम्र में भी वह हाथ पसार कर भीख मांग रही थी। उसे देखकर निराला जी ने इक्का रुकवाया और उनके पास गए और पूछा, "माई! आज कितनी भीख मिली?"

बुढ़िया ने जवाब दिया, "सुबह से आज कुछ नहीं मिला बेटा!"

बुढ़िया के इस उत्तर को सुनकर निराला जी सोच में पड़ गए कि बेटे के रहते मां भीख मांग रही है।

एक रुपये बुढ़िया के हाथ पर रख कर बोले, "मां अब कितने दिन भीख नहीं मांगोगी?"

बुढ़िया ने सोचते हुए जवाब दिया, "तीन दिन बेटा!"

निराला ने फिर पूछा, "दस रुपये दे दूं तो?"

बुढ़िया ने हिसाब लगाते हुए कहा, "बीस या पच्चीस दिन।"

निराला फिर बोले, "सौ रुपये दे दूं तो?"

"चार-पांच महीने तक!" बुढ़िया ने जवाब दिया।

चिलचिलाती धूप में सड़क के किनारे मां मांगती गई और बेटा देता गया।

इक्के वाला हक्का-बक्का देखता रहा।

बेटे की जेब हल्की होती गई और मां के भीख न मांगने की अवधि बढ़ती चली गई।

जब निराला जी ने रुपयों की अंतिम ढेरी भी बुढ़िया की झोली में डाल दी तो बुढ़िया खुशी से चीख उठी और कहने लगी, "अब कभी भी नहीं मांगूंगी बेटा, कभी नहीं।"

निराला जी ने संतोष की सांस ली। बुढ़िया के पैर छुए। बुढ़िया ने उन्हें ढेरों आशीष और दुआएं दीं।

निराला जी इक्के में बैठकर घर की राह चल दिए। उनके चेहरे पर एक अजीब संतोष का भाव था।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

नेपालः युवाओं ने अपनी ही संपत्ति तबाह कर दी

नेपाल हाल ही में एक असाधारण राजनीतिक उथल-पुथल का गवाह बना। जेन जी आंदोलन के बाद वहां सत्ता परिवर्तन बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है, लेकिन इस क्रांति से उभरे हालात से दुनिया भर के युवाओं को सीख लेने की भी जरूरत है। देश के कई हिस्सों में आगजनी, तोड़फोड़ और सरकारी संपत्तियों का नुकसान देखने को मिला। ये घटनाएं यह सोचने पर विवश करती हैं कि क्या यह आक्रोश सही दिशा में जा रहा था? आखिर क्यों अपने ही देश की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाकर खत्म करने पर तुले हुए थे। आज नेपाल के लोग भी संभवतः इस पर मंथन और पछतावा कर रहे होंगे।

हरीश उप्रेती करन
लेखक

हम अक्सर भूल जाते हैं कि सरकारी संपत्ति, चाहे वह कार्यालय, पुल, बस हो या कोई अन्य इमारत, वह सब हमारे ही टैक्स के पैसों से आकार लेती है। यह हमारी ही मेहनत की कमाई का रूप है। जब गुस्से में हम इन्हें आग के हवाले कर देते हैं, तो हम दरअसल अपने ही भविष्य को राख में बदल रहे होते हैं। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि इन चीजों को दोबारा बनाने में भी हमारा ही पैसा खर्च होगा। सरकारी खजाना कोई अलग इकाई नहीं है, वह जनता की जेब से ही आता है, इसलिए यदि हम अपने गुस्से का इजहार इस प्रकार करेंगे, तो यह आत्मघाती ही नहीं, मूर्खता भी है।

युवाओं का आक्रोश समझ में आता है। वे परिवर्तन चाहते हैं, वे साफ-सुथरी राजनीति चाहते हैं और वे अपने भविष्य को संवारना चाहते हैं। यह बिल्कुल जायज है, लेकिन जब यह आंदोलन इमारतों को जलाने और वाहनों को तोड़ने की शक्ल ले लेता है, तब इसका असली उद्देश्य खो जाता है। आंदोलन की शक्ति दिशा में होती है, केवल जोश में नहीं। जब युवा जोश में होश खो बैठते हैं, तो नुकसान तय होता है। यही हाल इन प्रदर्शनों का रहा है।

हमारे समाज में हर बड़े आयोजन चाहे वह शादी हो, तीर्थ यात्रा हो या कोई सामाजिक सभा, वरिष्ठ जनों की उपस्थिति को अनिवार्य माना जाता है। उत्तराखंड से लेकर नेपाल तक की सांस्कृतिक परंपराओं में यह बात रची-बसी है। कारण स्पष्ट है कि युवाओं में जोश होता है, पर अनुभव नहीं। वहीं, बुजुर्गों में वह दृष्टि होती है जो किसी भी उथल-पुथल को समझदारी से संभाल सकती है। इस आंदोलन में भी यही कमी दिखाई दी। युवाओं का समूह, दिशा विहीन, बिना किसी रणनीति के, केवल आक्रोश के सहारे मैदान में उतर गया। यदि इनके साथ कुछ अनुभवी और विचारशील नेतृत्व होता, तो शायद यह आंदोलन इतिहास में केवल और केवल एक सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बन जाता, न कि विनाश और क्षति का। उनका आक्रोश अगर कथित तौर पर भ्रष्टाचारियों के प्रति था, तो गुस्सा भी उन पर और उनकी अकूत संपत्तियों पर निकलना चाहिए था न कि सरकारी संपत्ति पर।

अब वक्त संभलने का है, युवा अपने आक्रोश को संकल्प में बदलें। नेपाल की जनता ने अपनी ताकत दिखाई है। सरकार गिर गई, मंत्री भाग गए। यह दर्शाता है कि जनता की आवाज में दम है, लेकिन अब समय है कि इस आक्रोश को संकल्प में बदला जाए। सरकारी संपत्तियों को नष्ट करना, अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। अब जरूरत है स्थिरता की, विवेक की और निर्माण की। युवा अगर सचमुच बदलाव चाहते हैं, तो उन्हें नेताओं को जवाबदेह बनाने, नीतियों पर सवाल उठाने, और लोकतांत्रिक तरीकों से दबाव बनाने की दिशा में कदम उठाने चाहिए, तभी उनका आंदोलन सफल और सार्थक कहा जाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

गांव अब खोते जा रहे हैं अपनी पहचान

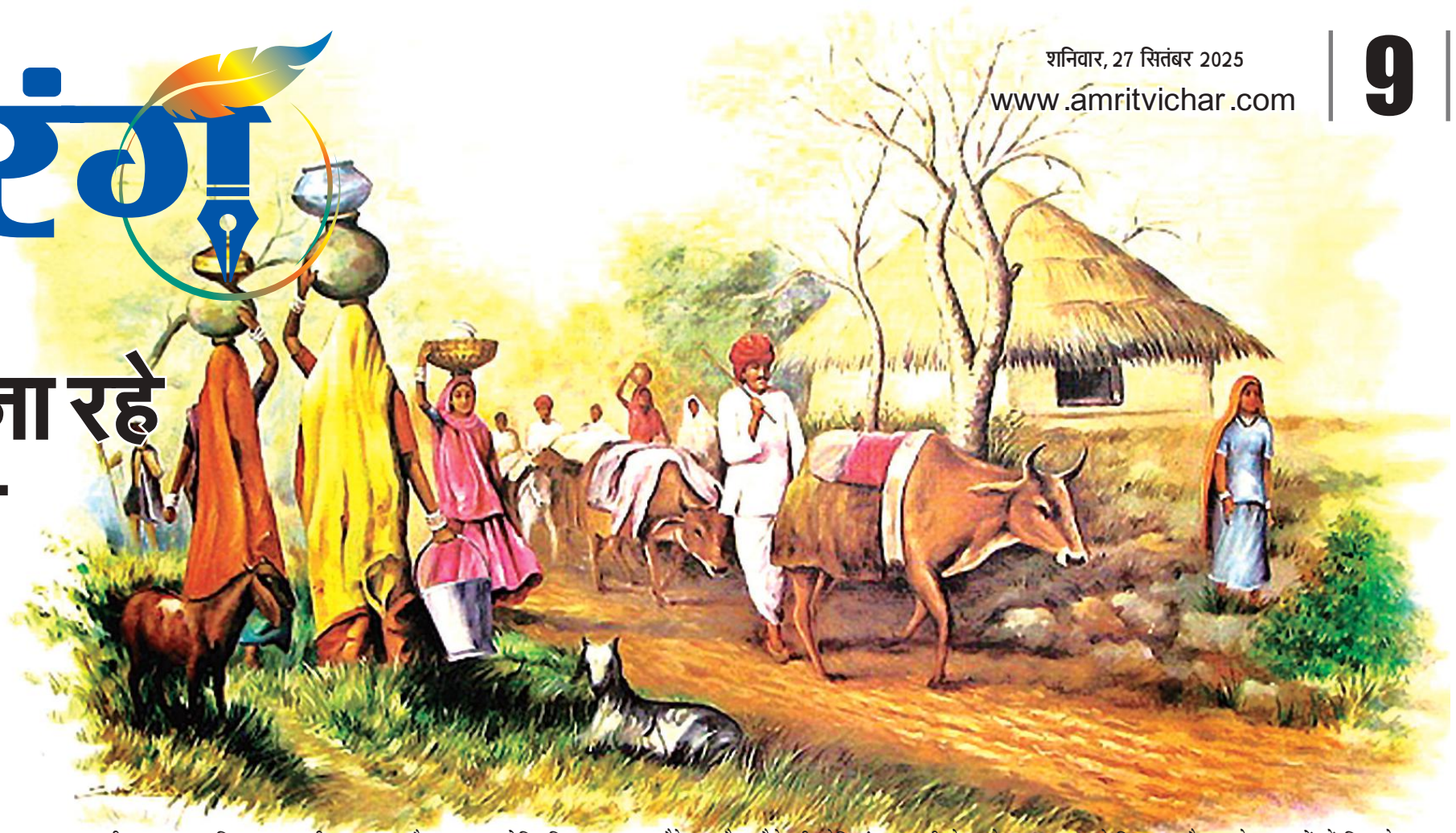

प्राचीन काल से लेकर अंग्रेजों के आगमन तक अपनी सादगी, साफगोई, भोलापन और अपनी भलमनसाहत के लिए साहित्यिक कृतियों में बहुचर्चित और सुविख्यात हमारे गांव हमारे देश की हर शासन व्यवस्था की मौलिक, प्राथमिक तथा आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर इकाई रहे हैं। इसका अपवाद पश्चिमोत्तर भारत में सिंधु और रावी नदी के तट पर सुविकसित अबसे साढ़े चार हजार साल पुरानी कांस्ययुगीन सिंधु घाटी सभ्यता रही हैं, जो पूर्णतः नगरीय सभ्यता थी। हालांकि इसकी उत्तरवर्ती वैदिक सभ्यता पूरी तरह से ग्रामीण सभ्यता थी। ध्यातव्य हो कि पूर्णतः ग्रामीण सभ्यता और संस्कृति के रूप विख्यात वैदिक काल में ही भारतीय ज्ञन-विज्ञन और आध्यात्म के महान ग्रंथों वेदों, अरण्यको और भारतीय आध्यात्मिकता, तार्किकता, दार्शनिकता और बौद्धिकता की पराकाष्ठा को स्पर्श करने वाले उपनिषदों की रचना की गई। यह तथ्य उन शहरी और कस्बाई मानसिकता से ग्रसित और बुरी तरह कुंठित लोगों के लिए चिंतनीय और विचारणीय है, जो गांवों में गुजर बसर करने वालों को अनपढ़, असभ्य, गंवार, अशिक्षित और जाहिल समझते हैं। वैदिक काल से लेकर मुगलों के शासनकाल तक लगभग संपूर्ण उत्तर भारतीय शासकों के समय लगभग समस्त भारतीय गांव शासन व्यवस्था की प्राथमिक मौलिक और अक्क्षुण ईकाई रहे हैं।

उत्तर भारत की तरह सुदूर दक्षिण भारत में चोल, चालुक्य, सातवाहन और चेर राजाओं ने अपनी शासन व्यवस्था में आम लोगों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने एवं ग्रामीण जन-जीवन में उन्नति और समृद्धि लाने के लिए उत्तम ग्रामीण शासन व्यवस्था का प्रबंधन किया था। वर्तमान दौर के मंत्रिपरिषदों की तर्ज पर ग्रामीण स्तर पर विभिन्न कार्यों को सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से संपन्न और संचालित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया था। समितियों के माध्यम से दक्षिण भारतीय शासकों ने सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास किया था। इतिहासकार मेगस्थनीज की प्रसिद्ध पुस्तक इंडिका में उत्तर भारत के विशेष रूप से मगध साम्राज्य के गांवों में पाई जाने वाली उत्तम ग्रामीण शासन व्यवस्था के साथ-साथ उत्तम उन्नत और समृद्ध ग्रामींण जन-जीवन का उल्लेख मिलता है। इंडिका में मगध साम्राज्य की उन्नति और समृद्धि के साथ-साथ उत्कृष्ट साहित्यिक और सांस्कृतिक हलचलों का भी पता चलता है। इस प्रकार ऐतिहासिक अवलोकन से पता चलता है कि संपूर्ण भारत में हर प्रकार की शासन प्रणालियों में उत्तम ग्रामीण शासन व्यवस्था पाई जाती रही है। हमारी शासन व्यवस्था की मौलिक स्वाभाविक और प्राथमिक ईकाई रहे गांव पहचान खोते जा रहे हैं। आपसी सहयोग, सहकार, समन्वय, साहचर्य, सामंजस्य और सदियों से हमारे चलन का हिस्सा रही है। संयुक्त परिवार प्रणाली के माध्यम जीवन जीने के आदती ग्रामीण लोकजीवन में अब एकाकी परिवार प्रणाली और एकाकी जीवनशैली तेजी से आगे बढ़ने लगी है। गावों में सदियों से प्रचलित समूहगत और सामूहिक जीवन पद्धति विलुप्त होती जा रही है। आधुनिकीकरण, तकनीकीकरण, शहरीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों के दुरूपयोग ने गांवों की आपसदारी को न केवल तहस-नहस किया हैं, बल्कि आधुनिकता की इस अंधी दौड़-भाग ने गांवों को आर्थिक सामाजिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक रूप से प्रदूषित व कुपोषित किया है। तोता, मैना, कोयल, बुलबुल गौरेय्या और कौवे की बोलियां सुनने के लिए आज हमारे कान तरस जाते हैं। इसके साथ ही साथ गांवों के पर्यावरण और आबो-हवा में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल सकता हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों का बुलेट ट्रेन की रफ्तार से बढ़ता प्रयोग और हाईटेक होते जन-जीवन ने गांवों में मोबाइल कंपनियों के टावरों की संख्या बढ़ा दी है। इन टावरों की तरंगों ने तमाम चहचहाती पक्षियों की जान ले ली। अंग्रेजों के आगमन के पूर्व भारतीय गांव अपनी सहज-सरल आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह आत्मनिर्भर थे। अंग्रेजों ने अपनी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं और संपूर्ण भारत को बाजार बनाने की मंशा से गांवों की सदियों पुरानी आत्मनिर्भरता के साथ-साथ गांवों की स्वाभाविक सहजता भोलापन, भलमनसाहत और मौलिकता को तहस-नहस कर दिया। अग्रेंजों ने भारतीय ग्रामीण अर्थतंत्र और अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ रहे भारतीय लोगों की बहुविविध हुनरमंद दस्तकारी, परंपरागत कुशल शिल्पकारी, हुनर और हाथों की जादूगरी से लबरेज हस्तकला को छिन्न-भिन्न कर दिया। स्वाधीनता उपरांत भारतीय गांवों को फिर से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर अनगिनत प्रयास किए गए, परंतु तमाम प्रयासों और प्रयत्नों के बावजूद आज भी हमारे गांव राजधानियों और चमचमाते शहरों की अनुषंगी पूरक और पराश्रित अर्थव्यवस्था के रूप में जीने के लिए अभिशप्त हैं। शहरों और राजधानियों को चमकाने के लिए सारा संसाधन उपलब्ध कराने वाले गांव आज बदहाली और बदत्तरी के शिकार हैं। गावों में गुजर-बसर करने वाले लोगों की आजीविका का साधन आज भी खेती-किसानी और खेती-किसानी पर आधारित लघु कुटीर उद्योग हैं। इसलिए खेती-किसानी को लाभकारी स्थिति में पहुंचाने के लिए व्यावसायिक स्वरूप प्रदान किया जाए तो आज फिर से गांव आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकते हैं।

गांवों को फिर से सुसज्जित करने के लिए गांवों की प्राकृतिक और स्वाभाविक बुनावट व सजावट की तरफ लौटना होगा। गावों में फिर से साक्षात सहकारी और जिंदा संवाद कायम कर गांवों की मौलिक पहचान फिर से वापस लाई जा सकती है। बाजारवादी चकाचौंध और लगातार विज्ञापनों के शोर ने गंवई व्यंजनों की सुगंध और स्वाद को न केवल क्रूरता से कुचल दिया है, बल्कि हमारे खान-पान की पौष्टिक और प्रचलित परंपरा से हमको बहुत दूर कर दिया हैं। गुड़ भेली से तरह-तरह की बनी मिठाइयों खाद्य और पेय पदार्थों का स्थान पेप्सी, कोका-कोला जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पेय और खाद्य पदार्थों ने ले लिया है। भारतीय गांवों की मौलिक पहचान पर फिर से विचार करने की आवश्यकता है। जनमानस में गंगा को बचाने के लिए जो तड़प और बेचैनी पाई जाती है उसी तरह की तड़प और बेचैनी गांवों को बचाने के लिए जनमानस के हृदय में पैदा करने की आवश्यकता है।

लेखक
मनोज कुमार सिंह

स्वर्ग के करीब की एक जगह : त्रियुंड

दूर किसी मैदानी शहर से किसी पहाड़ी शहर तक आना, आरामदायक होटल में रुकना, कुछ खास जगहों को देखना और फिर वापस लौट जाना। हम में से अधिकतर लोगों का घूमने का प्लान यही होता है, लेकिन कुछ हम जैसे भी होते हैं, जिनके लिए घूमने का मतलब है हर पल को जीना, उस जगह के जर्रे-जर्रे को महसूस करना और एडवेंचर ही जिंदगी है। आप भी एडवेंचर के शौकीन हैं और प्रकृति को करीब से महसूस करना चाहते हैं तो बस बैग पैक करिए और निकल पड़िए त्रियुंड ट्रैकिंग के लिए।

मार्च से जून और सितंबर से नवंबर तक त्रियुंड यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त समय है। मैं अपने मित्र के साथ जब हिमाचल के खूबसूरत शहर मैक्लोडगंज पहुंचा तो चारों तरफ मनमोहक नजारे थे। आप इस यात्रा में मैक्लोडगंज को बेस कैंप की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। हमने शाम को वहीं एक ट्रैवल एजेंट से त्रियुंड में रहने के लिए टेंट बुक कर लिया। टेंट का किराया एक हजार रुपये प्रति व्यक्ति था, जिसमें रात का खाना और सुबह का नाश्ता भी शामिल था। मैक्लोडगंज से करीब चार किलोमीटर ऊपर है गोलू मंदिर यानी वो जगह, जहां से कोई वाहन आगे नहीं जा सकता। त्रियुंड की असली यात्रा यहीं से शुरू होती है। यहीं पुलिस का एक पिकेट है, जहां ऊपर चढ़ने से पहले आपको रजिस्ट्रेशन करवाना होता है। यह औपचारिकता पूरी करके हमने त्रियुंड की तरफ कदम बढ़ाए।

घड़ी बता रही थी कि दोपहर के ग्यारह बजने वाले हैं। सामने था पथरीला और जोखिम भरा रास्ता न कोई सड़क, बस दोनों तरफ पेड़ों से ढकी पगडंडी। शुरुआत में भरपूर जोश था इसलिए कदम तेजी से चल रहे थे, लेकिन कुछ ही मिनटों में हकीकत समझ आ गई। तेज धूप, बिना अभ्यास की चढ़ाई और तेज रफ्तार का असर। नतीजा, हमें पांच मिनट में ही पहला स्टॉप लेना पड़ा। फिर तय किया कि अब धीरे-धीरे चलेंगे। करीब एक घंटे बाद लगा जैसे पहाड़ ने हमसे दोस्ती कर ली हो। तेज धूप ठंडी हवा में बदल गई। नीचे मठों से आती घंटियों की आवाज एक प्यारी धुन-सी बन गई। हमारा बदन अब हमारे इरादों का साथ देने लगा। धीरे-धीरे प्रकृति का घूंघट उठने लगा और हम महसूस करने लगे एक नई और अनदेखी दुनिया को।

कहीं रास्ते का नामोनिशान नहीं था तो कहीं चट्टानों के बीच से राह खोजनी पड़ी। कहीं जंगली फूलों की खुशबू हमें अपनी ओर बुला रही थी तो कहीं डरावनी खाई थी। हरे-भरे मैदान मिले तो कुछ सहमी-सफेद भेड़ें हमारा स्वागत करती दिखीं। कभी सहयात्रियों का कोई झुंड दोस्त बन रहा था। इस बीच हम पहुंच गए "मैजिक व्यू कैफे" त्रियुंड ट्रैक का एक अहम पड़ाव।

थोड़ा आगे बढ़ते ही मौसम खुशगवार हो गया, लेकिन कुछ कदमों बाद बारिश ने हमें तरबतर कर दिया। ठंड काफी बढ़ गई थी। अब मुझे अपनी ऊनी टी-शर्ट का महत्व समझ आने लगा। कुछ दूरी पर आसमान से ओले गिरने लगे। हाथ-पांव ठंड से कांप रहे थे। तभी एक छोटी-सी दुकान दिखी और हम वहां जाकर छिप गए। त्रियुंड का अंतिम एक किलोमीटर ट्रैकिंग सबसे थकाने वाला है। इसमें करीब 22 खतरनाक मोड़ हैं। यहां तक पहुंचते-पहुंचते ऑक्सीजन भी कम होने लगती है, जिससे सांसें तेजी से फूलने लगती हैं। मैंने अपनी बोतल में बचे पानी का आखिरी घूंट पिया और साथी का हाथ पकड़कर सामने की चट्टान पार की। हमारे सामने हरा-भरा मैदान था, जो जैसे हमारा स्वागत कर रहा हो। यही तो हमारी मंजिल थी, हम त्रियुंड पहुंच चुके थे।

इस पड़ाव को पार करने के बाद जो दृश्य सामने था, वो बेमिसाल था। हमारे सामने फैला था बड़ा मैदान, जिस पर मानो हरी घास की कालीन बिछी हो। यहां-वहां रंग-बिरंगे टेंट चमक रहे थे। सामने खड़ा था धवल सफेद बर्फ से ढका हिमालय (धौलाधार पर्वत श्रृंखला)। हमारी सारी थकान न जाने कहां गुम हो गई थी। मैं अपनी जिंदगी की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक का दीदार कर रहा था। जल्द ही हमने अपने लिए एक टेंट लगवा लिया। मैदान के अंतिम छोर पर, ताकि हिमालय का दृश्य बिना किसी रुकावट के सामने हो। टेंट छोटा था, लेकिन काम चल सकता था। कभी चारागाह रहा त्रियुंड अब बेहद रौनक से भरा था। सूरज ढलने ही वाला था और मौसम में काफी ठंडक थी। कई एकड़ में फैले मैदान में हर तरफ बस और बस प्रकृति थी।

मैदान के अंतिम सिरे पर पड़ी एक शिला पर बैठकर मैं विराट हिमालय को निहार रहा था। ठंडी घास पर रखे मेरे पैर जैसे हिमालय को छूने को मचल रहे थे। धीरे-धीरे हिमालय सूरज को अपनी गोद में ले रहा था और कुछ देर के लिए सफेद हिमालय के रंग बदलते रहे। सचमुच यह अद्भुत नज़ारा था। इतना कि मुझे तस्वीर लेना भी याद नहीं रहा। यह वो खूबसूरती थी, जिसके बारे में शायद ही आपने कभी कल्पना की हो। हल्की-हल्की ठंडी हवा बालों और चेहरे को जैसे किसी अपने की तरह सहला रही थी। मुझे लग रहा था कुछ जगहें देखने से ज्यादा महसूस करने के लिए होती हैं, जैसे त्रियुंड।

शाम के सात बज चुके थे। त्रियुंड में घिरते अंधेरे ने रात होने की दस्तक दी। दुनियादारी से परे एक खामोश और सुनहरी-सी रात थी। यहां की कुछ दुकानों में लालटेनें जल रही थीं या कहीं-कहीं टेंट में हल्की-सी टॉर्च की रोशनी थी बस। अंधेरा गहरा चुका था। जल्द ही अलग-अलग देशों और कोनों से आए लोग दोस्त बन गए। हमने साथ में ही डिनर किया। भूख इतनी ज्यादा थी कि उस वक्त मिला दाल-चावल-राजमा बेहद स्वादिष्ट लगा। थोड़ी देर बाद हम अपने कैंप की तरफ लौट आए।

मैं सुबह साढ़े चार बजे ही टेंट से बाहर निकल आया। एक मासूम सी सुबह हमारा स्वागत कर रही थी। सूरज धीरे-धीरे ऊपर आ रहा था। चारों तरफ खामोशी थी। बर्फीले बादल पास से गुजर रहे थे। ठंड और बढ़ गई थी। शायद मैं उस मैदान में पहला इंसान था जो उस समय टेंट से बाहर खड़ा था। मैं उस पल के हर लम्हे को अपने अंदर समेट लेना चाहता था। दिल कह रहा था- काश, वक्त थोड़ा और रुक जाए, लेकिन 'काश' हमेशा एक खतरनाक शब्द होता है। वापस लौटते समय मेरे पास थे, उस खूबसूरत जगह पर बिताए गए शानदार पल।

लेखक
मृदुल कपिल

किस्सा रहस्य

कैनवास की मोनालिसा

मनीष को अपनी दुकान में समय से पहुंचना होता था। आज सुबह से बारिश होने के कारण उसे दुकान के लिए निकलने में देर हो गई। वह सोच रहा था कि दुकान अभी तक बंद होगी। रामप्रसाद तो अभी पहुंचा ही नहीं होगा। अतः उसने मोबाइल से रामप्रसाद से संपर्क किया तो पता चला कि वह दुकान में मौजूद है। यह सुनकर उसे घोर ताज्जुब हुआ कि इतनी बरसात में वह समय पर कैसे पहुंच गया? वह काम पर सदा देर से आता था, जिसके लिए वह कई बार झिड़कियां सुन चुका था और मनीष उसे हटाने का भी निर्णय ले चुका था। वह दुकान में पहुंचा तो उसने देखा कि दुकान की अच्छी तरह सफाई हो चुकी थी। दुकान में कोई ग्राहक नहीं था और रामप्रसाद स्टूल पर बैठा ऊंघ रहा था। अपनी कुर्सी पर बैठते हुए मनीष ने उससे पूछा, "रामप्रसाद! मुझे यह बताओ कि पहले तो तुम हमेशा लेट से आते थे, लेकिन आजकल इतनी जल्दी कैसे आ रहे हो? बरसात में प्रायः लोगों को अपने कार्यस्थल पर पहुंचने में देर हो जाती है। तुम्हारे सवेरे पहुंचने का क्या कारण है?" यह सुनकर रामप्रसाद ने कहा , "मालिक! क्या बताऊं? जब बारिश होती है तो मेरी छत टपकने लगती है और मैं रात-भर बैठकर सवेरा करता हूं। कमरे में चारों ओर सीलन भरी हुई है। इसीलिए सवेरे उठकर चल देता हूं। यहां रहता हूं ,तो कम-से-कम भींगता तो नहीं हूं।"

अंजना वर्मा

यूं तो गाहे-बगाहे अपने अगल-बगल मैंने रेल से कई यात्राएं की है, लेकिन उन यात्राओं की दूरी ज्यादा से ज्यादा बीस से तीस किलोमीटर तक ही रही है। कभी कोई लंबी रेलयात्रा नहीं की। इसलिए इन छोटी रेल यात्राओं को मैं अपनी मुकम्मल रेलयात्रा नहीं कह सकता। हां! सन 2018 की गंभीर बीमारी की परिस्थितियों ने मुझे पहली बार एक मुकम्मल और पूर्ण रेलयात्रा कराई। इस रेलयात्रा को ही मैं अपनी सार्वकालिक व पूर्ण रेलयात्रा मानता हूं। मुंबई से लौटते समय ज्योहीं रेल ने पटरियों पे चलना और दौड़ना शुरू किया तो मुझे ऐसा लगा कि जैसे मुझे दुनिया जहान की सारी खुशियां मिल गईं हों। ऐसा नहीं की मुंबई जैसे महानगर और अर्थ की राजधानी में हमारे वृहद उत्तर प्रदेश जैसे राज्य का जौनपुर जैसा जिला अनुपस्थित हो। यह सच है कि मेरे बीमार होने की दशा में इलाज के मामले में मुंबई जौनपुर से कहीं ज्यादा बेहतर और सर्वोत्कृष्ट रहा, लेकिन हम संवेदनशील कलम वाले न जाने क्यों जीवन की मशीनी आपाधापी और इतने बड़े-बड़े कंक्रीट के जंगल से अपनी संवेदना बैठा नहीं पाते। वैसे भी मुंबई प्रवास के समय लगा कि इस महानगर में हमारे जनपद जौनपुर के हर घर से कोई न कोई अपने घर की रोटियां अपने प्रयास से चला पा रहे हैं। इतना ही नहीं, यहां पर हमारे जौनपुर के चंद लोग तो आर्थिक, राजनैतिक व सामाजिक कड़ी के वे मील के पत्थर है, जिसे मुंबई नकार नहीं सकती।

मेरी दवा व इलाज करवाने के बाद की वापसी केवल एक मरीज की वापसी नहीं थी, बल्कि मेरे अंदर के एक साहित्यकार की भी वापसी थी। जिसे मैंने अपने रेल

के डिब्बे में बखूबी महसूस किया, जो रेल का डिब्बा जाते वक्त नीरस व बेजान सा लगा था, वही रेल का डिब्बा घर वापसी के समय महज एक रेल का डिब्बा भर नहीं अपितु वह रेल का डिब्बा हमारे यहां का पूरा गांव सा लग रहा था। रेल के डिब्बे का गांव अपने में सब कुछ समेटे था। इसमें गांव की सरलता के साथ ही वह सोंधापन पन था, जिसके चलते हमारे जौनपुर का हर गांव जाना जाता है। इस रेल के डिब्बे से बातकर कुछ लोगों का खिलखिलाना जीवन की आयुर्वेदिक ऊर्जा का आभास करा रहा था। बीच में ग्रामीण तंज के अंदाज में कुछ राजनैतिक चर्चा-परिचर्चा इस यात्रा को और यादगार बना रहे थे। मैं खुद इस रेलयात्रा को किसी लेखक के यात्रा-वृत्तांत को जी रहा था।

हां इस रेलयात्रा में मेरे अंदर के लेखक को एक बात कचोट जरूर रही थी कि इस रेलयात्रा के कचोटपन की पात्र उस डिब्बे की खुली खिड़की के पास बैठी बिल्कुल शांत सी अपने अपने में खोई हुई सी लड़की, जिसके अंदर इस यात्रा का कहीं दूर-दूर तक कोई उल्लास नहीं दिख रहा था। वह जैसे अपनी किसी असहाय पीड़ा के आकंठ में डुबी बस बाहर देख रही थी। मुझे लगा कि शायद इसने रेलयात्रा नहीं कि, बल्कि इस पूरी रेलयात्रा में वह केवल अपने प्रश्नों का आत्ममंथन कर रही थी या उनके उत्तर को तलाश रही थी। मेरे इस प्रथम पूर्ण रेलयात्रा में वह नीली सलवार पहनी हुई लड़की चुभ रही थी और मुझे लगा कि यह अपने प्रेम के विश्वास की कस्तुरी किसी धोखेबाज को दे बैठी है। सच मैं कवि तो था, लेखक भी था, लेकिन किसी कैनवास का चित्रकार न था, लेकिन फिर भी ये लड़की मेरे रेलयात्रा के कैनवास की एक मोनालिसा बनके रह गई है।

लेखक
रंगनाथ द्विवेदी

बतकही

लेखक
शिवालिक अवस्थी

आज यदि कोई सबसे ज्यादा खुश है तो वह है कुमार साहब का बेटा रोहन। आखिर रोहन के चचेरे भाई की शादी जो है। रोहन को पहले दिन से ही उसके चाचा राजेश ने शादी का सारा तय कार्यक्रम कह सुनाया था ताकि रोहन को किसी भी कार्य में परेशानी न हो। रोहन भी पूरी जिम्मेदारी के साथ हर कार्य को पूरी तरह निभाने में मशगूल था। शाम को बारात जाने का समय हो गया। रोहन जल्दी तैयार हुआ और अपने ताया के लड़के योगेश के साथ अलग गाड़ी पर बारात के साथ चल पड़ा। बीच रास्ते में योगेश ने गाड़ी को कहीं ओर घुमा दिया और थोड़ी देर गाड़ी रोकने के बाद वह दुकान से शराब की बोतल ले आया। रोहन ने शराब पीने से इनकार किया और बोला कि चाचा जी ने मुझे बहुत काम सौंपे हैं मुझे उन्हें पूरा करना है, यह काम नहीं करना है, लेकिन योगेश ने रोहन को भी शराब पिलाई और खुद भी शराब का खूब सेवन किया। उन दोनों ने इतनी शराब पी कि कुछ भी होश न रहा। वे दोनों शादी की रस्में तक नहीं देख सके। उधर रोहन के पिता समझ चुके थे कि असली माजरा क्या है? लेकिन शादी के बीच में उन्होंने माहौल को संभाले रखा। रोहन को सुझाए गए सारे काम, उन्होंने ही किए। अगले दिन रोहन घर आ पहुंचा। उसके बाल बिखरे थे और कपड़े भी गंदे हो चुके थे। यह देखकर रोहन के पिता ने सबके सामने उसकी पिटाई की। रोहन, जो पहले पूरी जिम्मेदारी के साथ हर कार्य करने में मशगूल था, एक शराब ने उसका खूब मजाक बनाया। रोहन की तरह ऐसे कई लोग हैं, जो किसी भी समारोह का आनंद तो उठाना चाहते हैं, लेकिन शराब पीने की लत उन्हें सब कुछ भुला देती है। उन्हें यह ज्ञात नहीं रहता कि समारोह की स्मृतियां कितनी महत्वपूर्ण होती हैं, जो असल आनंद देती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,426.46	24,654.70
गिरावट	733.22	236.15
प्रतिशत में	0.90	0.95

सोना : 1,17,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,41,900 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 27 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2575, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13केजी 1950, जय जवान 1960, सचिन 2020, सूरज 1960, अवसर 1880, उजाला 1920, गृहणी 13 केजी 1880, क्लासिक (केजी) 2095, मोर 2160, चक्र टिन 2330, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2455, स्वास्तिक 2530

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सौंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रतिकु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1केजी,5केजी) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छोंटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4500, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4500

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती-5200, मसूरी- 2800 बासमती- 9200, परमल- 3400

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7200, मूंग साबुत- 9000 राजमा- 12100-14300, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7100, मसूर दाल- 7000, उड़द साबुत- 8200, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 11400, लोबिया/करमानी- 9100

भारत-रूस के कारोबारी रिश्तों को उड़ान, यूपी अहम किरदार

ग्रेटर नोएडा में चल रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे दिन हुआ भारत-रूस बिजनेस डायलॉग

- 30 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य में उत्तर प्रदेश निभाएगा अहम भूमिका : राकेश सचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 के दूसरे दिन शुक्रवार को आयोजित भारत-रूस बिजनेस डायलॉग में प्रदेश के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने वर्ष 2025 तक रूस के साथ व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है, और इसमें उत्तर प्रदेश अहम भूमिका निभाएगा।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सचान ने कहा कि यूपी में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जो 15 प्रतिशत आबादी को रोजगार देती हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में रूस के साथ बिजनेस डॉयलॉग बैठक में विदेशी निवेशकों का स्वागत करते मंत्री राकेश सचान।

'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' योजना ने प्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई है।

सचान ने कहा कि भारत-रूस संबंध दशकों पुराने हैं। कभी भारत के औद्योगिकीकरण में मदद करने वाले रूस के साथ आज हमारी साझेदारी रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष सहित अनेक क्षेत्रों में रणनीतिक स्तर तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि भारत ने 2025 तक रूस के साथ द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है और यह लक्ष्य अवश्य हासिल होगा।

निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर : सचान ने कहा कि 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश विशाल बाजार है। यहां निवेशकों को उत्पादन और उपभोग दोनों स्तर पर मजबूत अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने रूस से आग्रह किया कि वह अपनी उन्नत तकनीक से प्रदेश की औद्योगिक प्रगति में सहयोग करे। इसके पहले कार्यक्रम की शुरूआत अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने किया। इस मौके पर इनवेस्ट यूपी पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। संचालन रूस की उपप्रमुख (आर्थिक विभाग) ज्लाटा अंटुशेवा ने किया और स्वागत भाषण उप व्यापार आयुक्त डॉ. इवगेनी जेंचेंको ने दिया।

कारोबारी रिश्तों को नया आयाम : रूस

रूस की प्रतिनिधि ज्लाटा अंटुशेवा ने कहा कि भविष्य में दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के महानिदेशक डॉ. अजय सहाय ने कहा कि व्यापार के साथ-साथ शिपिंग रूट और बीमा जैसे क्षेत्रों में भी दोनों देशों के सहयोग की संभावनाएं हैं। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी विवेक अग्रवाल ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो भारत-रूस रिश्तों के लिहाज से एक महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब 'उत्तम प्रदेश' बन चुका है और यहां निवेश की अपार संभावनाएं हैं। पैरामाउंट कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक संदीप अग्रवाल ने कहा कि भारत और रूस एक-दूसरे के भरोसेमंद साथी हैं। ऊर्जा, रक्षा, दूरसंचार और औषधि क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी और आगे बढ़ेगी। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के विशाल ढींगरा ने एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग की उम्मीद जताई।

युवाओं में दिखा जोश, उद्यमिता से जुड़े विचारों को जाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (यूपीआईटीएस-2025) का दूसरा दिन युवाओं की उमंग और नए अवसरों की तलाश का गवाह बना। मुख्यमंत्री युवा संवाद के तहत हजारों छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी में पहुंचकर न केवल नवीन उद्योगों और उद्यमिता से जुड़े विचारों को जाना, बल्कि बड़ी संख्या में व्यापारिक पूछताछ भी दर्ज कराई। मुख्यमंत्री युवा संवाद का दूसरा दिन इस बात का प्रतीक बना कि प्रदेश का युवा अब अवसरों को पहचानकर उन्हें साधने के लिए तैयार है। उत्साह, जिज्ञासा और नवाचार से भरी यह भीड़ आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की दिशा में एक ठोस कदम है। आयोजन ने साबित कर दिया है कि योगी सरकार की पहल युवाओं के आत्मविश्वास को नई दिशा दे रही है। लखनऊ, बरेली, कानपुर, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, गौतमबुद्ध नगर, मैनपुरी और मथुरा से आए करीब 700 और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से 1500 युवा प्रदर्शनी में आए। सभी स्टॉलों पर मिलाकर युवाओं ने दो हजार से अधिक व्यापारिक पूछताछ की। खासकर ओसियान इंटरप्राइजेज के उपहार सामग्री वाले स्टॉल पर 125 से अधिक छात्रों ने गहरी रुचि दिखाई। वहीं क्यूटीएम, ग्रिप इंटरनेशनल, प्रॉस्पर समूह और कोशिश सस्टेनेबल समाधान जैसे मशीनरी आपूर्तिकर्ता स्टॉलों पर भी जबरदस्त भीड़ रही। कॉनक्लेव के दौरान 20 से अधिक बी-टू-बी मीटिंग्स आयोजित हुईं। इसके साथ ही डॉ. गैराज, मिस्टर सैंडविच, धोबीलाइट, अर्द्धसैनिक कैंटीन और अमूल इंडिया जैसे स्टार्टअप्स व ब्रांड्स ने छात्रों को अपने बिजनेस मॉडल प्रस्तुत किए।

- युवाओं की संख्या : 1500
- व्यापारिक पूछताछ : 2000 से अधिक
- आकर्षण : ओसियान इंटरप्राइजेज (125 से अधिक युवाओं की रुचि)
- मेन स्टॉल : क्यूटीएम, ग्रिप इंटरनेशनल, प्रॉस्पर समूह, कोशिश समाधान
- नव उद्यम : डॉ. गैराज, मिस्टर सैंडविच, धोबीलाइट, अर्द्धसैनिक कैंटीन

भारत-ईयू के बीच एफटीए को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है इटली

न्यूयॉर्क, एजेंसी

इटली के उप प्रधानमंत्री एंतोनियो तजानी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और भारत तथा यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के प्रति उनके देश की प्रतिबद्धता दोहराई। तजानी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस बैठक को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि वह आने वाले महीनों में भारत की यात्रा करेंगे।

उन्होंने लिखा, न्यूयॉर्क में मैंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इटली व भारत के बीच रणनीतिक, राजनीतिक एवं आर्थिक साझेदारी है। हम आगामी महीनों में मेरी भारत यात्रा के साथ इसे और मजबूत करना चाहते हैं। कहा, मैंने मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने के लिए इटली के समर्थन की पुष्टि भी की। ईयू भारत का दूसरा सबसे बड़ा साझेदार है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ इटली के उपप्रधानमंत्री एंतोनियो तजानी।

आरबीआई ने मृत ग्राहकों से संबंधित दावों के निपटान को बनाया सरल

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को बैंकों के मृत ग्राहकों के खातों और लॉकर से संबंधित दावों का 15 दिनों के भीतर निपटान करने के लिए संशोधित मानदंड जारी किए। रिजर्व बैंक ने कहा कि निपटान में देरी होने पर नॉमिनी यानी नामित व्यक्तियों को मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। संशोधित निर्देशों का उद्देश्य मृत ग्राहकों से संबंधित दावों के निपटान में बैंकों की गतिविधियों को सरल बनाना है। इसमें ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए दस्तावेजीकरण को भी मानकीकृत किया गया है।

दवाओं पर अमेरिकी शुल्क लगने से सहमा बाजार

मुंबई, एजेंसी

अगले महीने से दवाओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद शुक्रवार को फार्मा एवं आईटी शेयरों में भारी बिकवाली होने से स्थानीय शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स में 733 अंक व निफ्टी में 236 अंक का नुकसान रहा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 733.22 अंक यानी 0.90 प्रतिशत टूटकर तीन सप्ताह के निचले स्तर 80,426.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 827.27 अंक

गिरकर 80,332.41 पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी भी 236.15 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ तीन सप्ताह के निचले स्तर 24,654.70 अंक पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का यह लगातार छठा कारोबारी सत्र रहा। इस दौरान सेंसेक्स में कुल 2,587.50 अंक यानी 3.16 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

समझौते को जल्द पूरा करने के लिए वार्ता जारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई है। इस दौरान दोनों पक्षों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने के लिए वार्ता जारी रखने का फैसला किया। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में अमेरिका गया भारतीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिनों के दौरे के बाद 24 सितंबर को स्वदेश लौट आया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी सरकार के अधिकारियों के साथ समझौते के संभावित स्वरूप को लेकर रचनात्मक बातचीत की। मंत्रालय ने कहा, "दोनों पक्षों ने समझौते की संभावित रूपरेखा पर विचारों का आदान-प्रदान किया और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने के लिए बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया गया। बयान के मुताबिक, अपनी यात्रा में गोयल ने अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीयर और भारत के लिए अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर से भी मुलाकात की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के प्रमुख उद्योगपतियों एवं निवेशकों से भी दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा की।

राष्ट्रीय

महिलाएं तय करें कि राजद व उसके सहयोगी सत्ता में न लौटें

प्रधानमंत्री ने बिहार की महिलाओं को किया संबोधित, कहा- इनके शासनकाल में भारी तकलीफें झेलनी पड़ीं

पटना, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसके शासनकाल में बिहार की महिलाओं को भारी तकलीफें झेलनी पड़ीं। साथ ही उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली पार्टी और उसके सहयोगी दल राज्य में दोबारा सत्ता में न लौट सकें।

प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत के अवसर पर बिहार की महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। इस योजना के तहत राज्य की 75 लाख महिलाओं को आजीविका गतिविधियों के लिए 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री ने कहा, नवरात्रि के पावन अवसर पर महिलाओं का आशीर्वाद मेरे लिए बड़ी शक्ति है। आज से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत हुई है। अब तक 75 लाख बहनें इस योजना से जुड़ चुकी हैं और सभी के खातों में 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं। उन्होंने कहा, जब कोई बहन या बेटी रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ती है, तो उसके सपनों को पंख लगते हैं और समाज में उसका सम्मान भी बढ़ता है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जनधन योजना का भी उल्लेख किया और कहा कि यदि महिलाओं के बैंक खाते न खोले गए होते, तो यह राशि सीधे उनके खातों में नहीं पहुंच पाती। पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, पहले एक प्रधानमंत्री कहा करते थे कि दिल्ली से एक रुपया भेजा जाता है, तो जमीन पर सिर्फ 15 पैसे पहुंचते हैं और 85 पैसे कोई पंजा मार लेता है। लेकिन आज जो 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं, उन्हें कोई लूट नहीं सकता। उन्होंने कहा, इस योजना से केंद्र सरकार के 'लखपति दीदी अभियान' को भी नई ताकत मिली है। अब तक दो करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और हमारा लक्ष्य तीन करोड़ तक पहुंचने का है। मुझे उम्मीद है कि सबसे अधिक 'लखपति दीदी' बिहार से बनेंगी। महिला सशक्तीकरण पर प्रधानमंत्री ने कहा, आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में सेना और पुलिस बलों में शामिल हो रही हैं। वे लड़ाकू विमान भी उड़ा रही हैं- यह हर महिला के लिए गर्व की बात है।

दो लाख तक की अतिरिक्त सहायता और उद्यमिता कौशल का प्रशिक्षण देंगे

प्रधानमंत्री ने राजद सरकार के कार्यकाल की आलोचना करते हुए कहा, लेकिन हमें वे दिन भी नहीं भूलने हैं, जब बिहार में राजद का शासन था। लाल टेन (राजद का चुनाव चिह्न) का राज था, उस दौरान अराजकता और भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं-बहनों ने झेली। वो दिन जब बिहार की बड़ी-बड़ी सड़कें टूटी-फूटी होती थीं, पुल-पुलिया का नाम नहीं था। इन हालातों में सबसे अधिक तकलीफ हमारी माताओं-बहनों को ही उठानी पड़ी। मोदी ने महिलाओं से आग्रह किया, ये प्रण भी करना है कि माताएं-बहने अब बिहार को फिर कभी, उस अंधेरे में नहीं जाने देंगी, अपने बच्चों को बर्बाद होने से बचाने का यही रास्ता है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने महिलाओं को कठिन परिस्थितियों से निकालने के लिए दिन-रात मेहनत की है। उन्होंने यह भी बताया कि योजना के तहत लाभार्थियों को भविष्य में दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता और उद्यमिता कौशल का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा, आज आपके दो भाई, नीतीश और मोदी मिलकर आपकी समृद्धि और स्वाभिमान के लिए लगातार काम कर रहे हैं। आज का यह कार्यक्रम भी इसी का उदाहरण है।

हिंदी दिवस कार्यक्रम के विरोध में होटल में घुसे कन्नड़ समर्थक संगठन के 41 सदस्य गिरफ्तार

- गृह मंत्रालय की राजभाषा समिति ने हिंदी प्रचार सभा की थी आयोजित

बेंगलुरु, एजेंसी

बेंगलुरु में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के विरोध में एक पांच-सितारा होटल में जबरन घुसने और हंगामा करने के आरोप में एक कन्नड़ समर्थक संगठन के 41 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके बाद कर्नाटक रक्षण वेदिके (केआरवी) ने शनिवार से राज्य के सभी 31 जिलों में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसमें मांग की गई है कि उनके कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मामले वापस लिए जाएं और उन्हें रिहा किया जाए।

सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय की राजभाषा समिति ने होटल में एक हिंदी प्रचार सभा आयोजित की थी, जिसमें छह संसद सदस्यों ने भाग लिया था, तभी बृहस्पतिवार को कन्नड़ समर्थक संगठन के सदस्य होटल में घुस आए। कार्यक्रम के खिलाफ नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह बैठक गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने का प्रयास है। पुलिस के एक बयान के अनुसार, संसदीय राजभाषा समिति ने 23 से 25 सितंबर तक यहां रेसकोर्स रोड स्थित होटल में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। इसके अंतिम दिन कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ बजे शुरू हुआ। बैठक के अंतिम दिन सत्र सुबह 9.30 बजे शुरू हुआ। इसमें कहा गया है, सुबह लगभग 10:45 से 11 बजे के बीच एक संगठन के लगभग 30 से 40 सदस्य बैठक के एजेंडे के विरोध में अवैध रूप से आयोजन स्थल में घुस आए और उन्होंने उपस्थित सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा डाली तथा हंगामा किया।

हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का विरोध करते कन्नड़ समर्थक।

आर्यन के खिलाफ समीर वानखेड़े की याचिका पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरएस अधिकारी एवं एनसीबी के पूर्व जोनल निदेशक समीर वानखेड़े से शुक्रवार को सवाल किया कि अभिनेता शाहरुख खान व उनकी पत्नी गौरी खान के स्वामित्व वाली 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' और 'नेटफ्लिक्स' के खिलाफ मानहानि याचिका कैसे विचारणीय है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर सवाल भी खड़े किए।

- दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरएस अधिकारी से पूछे सवाल

वानखेड़े ने इन कंपनियों पर वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिये उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया है। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव नेवानखेड़े के वकील से पूछा कि दिल्ली में यह याचिका कैसे विचारणीय है। अदालत ने कहा, 'आपकी याचिका दिल्ली में विचारणीय नहीं है। यदि आपका मामला यह होता कि दिल्ली समेत विभिन्न स्थानों पर आपकी मानहानि हुई है और सबसे अधिक नुकसान दिल्ली में हुआ है, तो भी हम इस मामले पर दिल्ली में ही विचार करते। वानखेड़े का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने कहा कि वेब सीरीज दिल्ली समेत विभिन्न शहरों में प्रसारित की जा रही है और इसमें अधिकारी को बदनाम किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह याचिका में तदनुसार संशोधन करेंगे।

चेक बाउंस के लंबित मामलों में कमी लाने को बदले नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्चतम न्यायालय ने लंबित मामलों पर व्यक्त की चिंता

प्रमुख शहरों की जिला अदालतों में बहुत अधिक संख्या में चेक बाउंस के मामलों के लंबित रहने पर चिंता व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कम करने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें स्वैच्छिक समझौता और आरोपियों की परिवीक्षा (प्रोबेशन) पर रिहाई शामिल है।

न्यायमूर्ति मनमोहन और एनवी अंजारिया की पीठ ने, चेक बाउंस मामलों की सुनवाई करते हुए जहां मुंबई हाईकोर्ट ने जिला अदालतों के समान निष्कर्ष को पलटते हुए आरोपियों को रिहा कर दिया था परक्राम्य लिखत (एनआई) अधिनियम के तहत अपराधों के शमन/समझौते से संबंधित 15 साल पुराने दिशा-निर्देशों में बदलाव किया। खंडपीठ ने कहा कि यह न्यायालय इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेता है कि विभिन्न निर्णयों में इस अदालत द्वारा बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद भारत के प्रमुख महानगरों के जिला न्यायालयों में एनआई अधिनियम के तहत चेक बाउंस के लंबित मामलों की संख्या अब भी बहुत अधिक बनी हुई है। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड के आंकड़ों का हवाला देते हुए खंडपीठ ने कहा कि एक सितंबर तक दिल्ली की जिला अदालतों में एनआई अधिनियम की धारा 138 के तहत लंबित मामले 6,50,283 थे, मुंबई जिला अदालतों में 1,17,190 और कलकत्ता जिला अदालतों में 2,65,985 थे।

तिरुपति लड्डू विवादः हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें सीबीआई के निदेशक द्वारा शीर्ष अदालत द्वारा गठित एसआईटी से बाहर के एक अधिकारी को प्रसिद्ध तिरुमला तिरुपति मंदिर के 'लड्डू प्रसादम' में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट की जांच करने की अनुमति देने को न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन बताया गया था। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा था कि प्रसादम तैयार करने में इस्तेमाल किये जा रहे 'मिलावटी घी' की जांच करते समय सीबीआई निदेशक ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का उल्लंघन किया। निदेशक की याचिका पर राहत प्रदान करते हुए सीजेआई गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि इस जांच की निगरानी जांच एजेंसी के प्रमुख स्वयं कर रहे हैं, ऐसे में अगर विशेष अधिकारी को जांच में सहयोग को कहा जाता है, तो उसमें कुछ गलत नहीं है।

रुश्दी की किताब पर प्रतिबंध के लिए दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने सलमान रुश्दी के विवादास्पद उपन्यास द सैटेनिक वर्सेज पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। यह याचिका न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पिछले साल नवंबर के आदेश का हवाला दिया। उच्च न्यायालय ने 1988 में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार द्वारा 'द सैटेनिक वर्सेज' के आयात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई बंद कर दी थी और कहा था कि चूंकि अधिकारी संबंधित अधिसूचना पेश करने में विफल रहे हैं, इसलिए यह मान लेना चाहिए कि वह (अधिसूचना) है ही नहीं।

बाढ़ प्रभावित राज्यों के 27 लाख किसानों को 540 करोड़ रुपये दिए

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को तीन बाढ़ प्रभावित राज्यों - हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के 27 लाख किसानों को पीएम-किसान योजना के तहत 540 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की। पीएम-किसान योजना एक केंद्रीय योजना है, जिसे प्रधानमंत्री ने फरवरी 2019 में भूमिधारक किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए शुरू किया था। इस योजना के तहत, डीबीटी से किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में तीन समान किस्तों में हर साल 6,000 रुपये दिए जाते हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी करने की घोषणा की। यह किस्त विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के किसानों के लिए प्राथमिकता पर जारी की गई, जो हाल में आई बाढ़ और भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। तीनों राज्यों के लगभग 2.7 लाख महिला किसानों सहित 27 लाख से ज्यादा किसानों के बैंक खातों में कुल 540 करोड़ से ज्यादा की राशि सीधे हस्तांतरित की गई है। केंद्र ने हिमाचल के 8,01,045 किसानों को 160.21 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए। पंजाब के 11,09,895 किसानों को 221.98 करोड़ रुपये मिले, जबकि उत्तराखंड के 7,89,128 किसानों को 157.83 करोड़ रुपये मिले।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल में आया मध्यम तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। पूर्वी नेपाल के रामेछाप जिले में शुक्रवार को रिक्टर पैमाने पर चार तीव्रता वाला भूकंप महसूस आया। भूकंप से हालांकि किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, अपराह्न दो बजकर 14 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र काठमांडू से लगभग 150 किलोमीटर पूर्व में रामेछाप जिले के वटैली क्षेत्र में स्थित था। इससे पहले 17 अगस्त को भी इसी जिले में रिक्टर पैमाने पर चार की तीव्रता वाला भूकंप आया था।

पाकिस्तान : हादसे में एक ही परिवार के 11 की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में देर रात हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के 11 सदस्यों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा बृहस्पतिवार देर रात डेरा इस्माइल खान जिले में उस समय हुआ, जब वाहन ब्रेक फेल हो जाने के कारण खाई में गिर गया। वाहन झोब जिले से डेरा इस्माइल खान को ओर जा रहा था। बचाव अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से पांच महिला, एक पुरुष और एक बच्चे के शव समेत सात शव बरामद किए गए। तीन घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया।

टिकटॉक को अमेरिकी स्वामित्व की मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके अनुसार सोशल मीडिया मंच 'टिकटॉक' को अमेरिका में, यहां के कानूनों द्वारा तय की गई राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को पूरा करते हुए संचालन जारी रखने की अनुमति होगी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले साल एक कानून पारित किया था, जिसमें चीनी कंपनी 'बाइटडांस' को निर्देश दिया गया था कि वह 'टिकटॉक' की संपत्तियां अमेरिकी कंपनी को बेच दे नहीं तो ऐप पर पूरे देश में प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इसे मंजूरी दे दी है।

मिस्र में आग लगने से आठ लोगों की मौत

काहिरा। मिस्र के नील डेल्टा क्षेत्र में शुक्रवार तड़के आग लगने से एक इमारत आंशिक रूप से ढह गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। गवर्नर के मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि गरबिया प्रांत के कपड़ा निर्माण के लिए प्रसिद्ध एल-महल्ला शहर में एक रंगाई इकाई की दूसरी मंजिल पर बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण बॉयलर फट गया और आग लग गई। इस वजह से इमारत आंशिक रूप से ढह गई।

ब्रिटेन में काम पाने के लिए लोगों को दिखाना होगा डिजिटल पहचान पत्र

लंदन, एजेंसी

- अवैध आव्रजन रोकने के लिए नई व्यवस्था लागू करेगी सरकार

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने देश में अवैध रूप से काम करने वाले लोगों पर नकेल कसने के उद्देश्य से डिजिटल पहचान पत्र को अनिवार्य बनाने की अपनी योजना से शुक्रवार को पर्दा उठाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिजिटल पहचान पत्र के बिना कोई भी व्यक्ति ब्रिटेन में रोजगार हासिल नहीं कर सकेगा।

ब्रिटिश सरकार ने कहा कि यह पहचान पत्र ब्रिटेन के सभी नागरिकों और वैध निवासियों के लिए उपलब्ध होगा। उसने दावा किया कि इससे पहचान की पुष्टि के लिए दस्तावेजों के सत्यापन की जटिल प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी, समय की बचत होगी और कल्याणकारी योजनाओं का अधिक प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

दस डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटिश प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास और कार्यालय) ने दुनिया के अन्य देशों में लागू इसी तरह की योजनाओं का जिक्र करते हुए भारत का उदाहरण दिया। उसने बताया कि भारत में किस तरह आधार कार्ड ने कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में धोखाधड़ी और विसंगतियों को कम करके हर साल लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर की बचत करने में सरकार की मदद की है।

भारतीय कंपनियों पर होगा सर्वाधिक असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अक्टूबर से सभी ब्रांडेड और पेटेंट प्राप्त दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है जिससे सबसे अधिक भारतीय कंपनियों के प्रभावित होने की आशंका है। ट्रंप ने गुरुवार को एक पोस्ट में लिखा कि 1 अक्टूबर से सभी ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। इससे सिर्फ उन्हीं कंपनियों को छूट मिलेगी जो अमेरिका में अपनी फैक्टरी लगा रही हैं। ट्रंप ने यह भी साफ किया है कि फैक्टरी लगाने से उनका आशय यह है कि यह है कि उन्होंने अमेरिका में अपनी फैक्टरी का शिलान्यास कर दिया है या फैक्टरी निर्माणाधीन है। ट्रंप के इस नए फैसले का सबसे ज्यादा असर भारतीय फार्मास्यूटिकल्स कंपनियों पर पड़ने की उम्मीद है, इससे बड़े पैमाने पर नौकरियां जाने की भी आशंका जताई जा रही है। भारत से फिलहाल अमेरिका को करीब एक हजार करोड़ डॉलर की दवाओं का निर्यात होता है।

दवाओं पर ट्रंप का टैरिफ

भारत से दवाओं का निर्यात

- भारतीय कंपनियां अमेरिका को जेनरिक दवाओं का बड़े पैमाने पर निर्यात करती हैं जो वहां सस्ती दवाओं का प्रमुख स्रोत है।
- वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से अमेरिका को निर्यात 21.09 प्रतिशत वृद्धि के साथ 978.39 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया था।
- पिछले साल फिक्की की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की जेनरिक दवाओं की 40 प्रतिशत आपूर्ति भारतीय कंपनियां करती हैं।
- भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 30.47 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया था। इसमें 31% अमेरिका को किया गया था।
- अमेरिका के अलावा ब्रिटेन की कुल दवाओं की मांग में से 25 प्रतिशत की आपूर्ति भारत कंपनियों की ओर से की जाती है।

क्या होगा भारतीय कंपनियों पर असर

- भारत में करीब 3,000 दवा निर्माता और 10,000 से अधिक छोटी-बड़ी फार्मा इकाई हैं।
- इनमें लगभग 600-650 कंपनियों के पास अमेरिका को निर्यात करने का लाइसेंस है।
- इन कंपनियों की कॉस्ट प्रतिस्पर्धा खत्म हो जाएगी क्योंकि उनकी काफी दवाएं सस्ती हैं।
- सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज, सिप्ला जैसी कपनियों की 35% तक अमेरिका से आय होती है।
- इसके अलावा छोटी और मझोली कंपनियों के दौड़ से पूरी तरह बाहर होने की आशंका है।

भारत में नौकरियों पर प्रभाव

- भारतीय फार्मा इंडस्ट्री में 3 लाख लोग सीधे और 27 लाख अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। 50 से 75 हजार सीधे और डेढ़ लाख तक अन्य रोजगार पर असर पड़ने का अनुमान।

अमेरिका पर असर

- अमेरिका में हेल्थ केयर का खर्च काफी ज्यादा है और दवाओं की कीमतें पहले से विवादित हैं।
- भारतीय दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ से जेनेरिक दवाओं की कीमतें दोगुनी तक हो जाएंगी।
- इससे मध्यमवर्गीय अमेरिकियों का खर्च असहनीय हो जाएगा, बीमा कंपनियों पर बोझ बढ़ेगा।
- राजनीतिक रूप से ट्रंप को आलोचना झेलनी पड़ेगी क्योंकि वहां जनता सस्ती दवाएं चाहती है।

यहां भी हमला

- भारी ट्रकों पर 25, किचन कैबिनेट, बाथरूम वैनिटी पर भी 50-50% टैरिफ लगाया है।
- अपहोल्सटर फर्नीचरों पर भी 30% आयात शुल्क लगाने की घोषणा की गई है।
- पहले भारतीय उत्पादों पर 25% टैरिफ लगाया था जिसे बाद में 50% कर दिया गया।

टैरिफ वार के कारण

- ट्रंप ने शुरू में भारत पर अमेरिकी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाने का आरोप लगाया था।
- रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाया गया।

यूएन में नेतन्याहू ने दिखाए तेवर, बोले- गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करके रहेंगे

हल्के शोर-शराबे के बीच दिया भाषण, कई देशों के प्रतिनिधियों ने किया सामूहिक रूप से बायकॉट

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि इजराइल को गाजा में हमास के खिलाफ काम खत्म करना ही होगा। उन्होंने गाजा में विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने से इन्कार पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद संयुक्त राष्ट्र में एक मुखर भाषण दिया। शुक्रवार को जब वह भाषण देने ही वाले थे, तब कई देशों के प्रतिनिधि संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल से सामूहिक रूप से बाहर चले गए।

जैसे ही इजराइली नेता ने बोलना शुरू किया, हॉल में हल्का शोर सुनाई दे रहा था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल वहीं रुका रहा, जिसने हमास के खिलाफ नेतन्याहू के अभियान में उनका समर्थन किया था। जैसे ही उन्होंने अपना भाषण शुरू किया, कुछ लोगों ने तालियां भी बजाईं। जैसा कि नेतन्याहू अक्सर अतीत में करते आए हैं, उन्होंने एक दृश्य दिखाया जिसमें क्षेत्र का एक नक्शा था जिसका शीर्षक था 'द कर्स' यानी अभिशाप। उन्होंने उस पर एक बड़े मार्कर से निशान लगा रखे थे। वह मंच पर चढ़ते समय विशेष पिन पहने हुए थे जिस पर क्यूआर कोड लगा था। प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों, मंत्रियों और उनके साथ आए लोगों ने भी वही पिन लगाए हुए थे।

नेतन्याहू ने क्षेत्र में अपने राजनीतिक और सैन्य दृष्टिकोण में अपने प्रमुख सहयोगी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी बार-बार प्रशंसा की। नेतन्याहू को अंतरराष्ट्रीय अलगाव, युद्ध अपराधों के आरोपों और उस संघर्ष को समाप्त करने के बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है जिसे उन्होंने लगातार बढ़ाया है। शुक्रवार का भाषण उनके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सबसे बड़े मंच पर अपनी प्रतिक्रिया देने का एक मौका था।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

सीमा पर लगा दिए लाउडस्पीकर ताकि गाजा के लोग भी सुन सकें नेतन्याहू का भाषण

पश्चिम एशिया में इजराइली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है कि गाजा वासी और अन्य लोग नेतन्याहू की बात सुनें। सेना ने इजराइल-गाजा सीमा पर लाउडस्पीकर लगा दिए थे ताकि नेतन्याहू का भाषण सुनाई दे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह भी कहा था कि एक अभूतपूर्व अभियान में इजराइली सेना गाजा के निवासियों और हमास सदस्यों के मोबाइल फोन अपने कब्जे में लेगी और उनके भाषण का इन मोबाइल के माध्यम से सीधा प्रसारण किया जाएगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि क्या ऐसा हो पाया और किस हद तक हो पाया।

ट्रंप का एलान- इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की अनुमति नहीं देंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा नहीं करने देंगे। उन्होंने बृहस्पतिवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा, मैं इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की इजाजत नहीं दूंगा। ऐसा नहीं होगा। हाल के वक्त में इजराइल का वेस्ट बैंक पर कब्जे की संभावना की बात सामने आई है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है और वह कब्जे की इजाजत नहीं देंगे। उन्होंने कहा, बस बहुत हो गया। गाजा पर समझौता जल्द होगा। गाजा की तरह वेस्ट बैंक पर भी फिलिस्तीनी प्राधिकारियों का शासन है। ट्रंप को गाजा में लंबे युद्ध के कारण अरब देशों के नेताओं के दबाव का सामना करना पड़ा है। संयुक्त अरब अमीरात ने चेतावनी दी है कि कब्जे संबंधी इजराइल का कोई भी कदम लक्ष्मण रेखा लांघने जैसा होगा। इजराइल का 1967 से वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी पर दखल है। फिलिस्तीनी चाहते हैं कि इन क्षेत्रों को मिलकर उनके देश का निर्माण हो।

- अरब नेताओं से वार्ता के बाद बदला रुख, बोले- गाजा पर समझौता जल्द

संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल की सहयोगी 68 कंपनियों को काली सूची में डाला

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों के साथ व्यापारिक संबंधों के जरिये फिलिस्तीनियों के मानवाधिकारों के उल्लंघन में संलिप्तता को लेकर 68 और कंपनियों को शुक्रवार को काली सूची में डाल दिया। काली सूची में उन कंपनियों को शामिल किया गया है, जो वेस्ट बैंक में ज्यादातर लोगों की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध मानी जानी वाली इजराइली बस्तियों को सहयोग एवं सहायता प्रदान करती हैं। इनमें निर्माण सामग्री और खुदाई मशीनों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों से लेकर सुरक्षा, यात्रा और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियां शामिल हैं। 'डेटाबेस ऑफ कंपनी' नाम की इस सूची में अब कुल 158 कंपनियां हैं, जिनमें से ज्यादातर इजराइल की हैं।

मोदी के खिलाफ नाटो महासचिव के आरोप को भारत ने बताया झूठ

नई दिल्ली, एजेंसी

- ट्रंप के टैरिफ को लेकर पुतिन से यूक्रेन पर योजना मांगने का किया था दावा

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को नाटो महासचिव मार्क रुट की इस टिप्पणी को पूरी तरह बेबुनियाद बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन कर रूसी तेल के आयात को लेकर भारत पर लगाए अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के मद्देनजर यूक्रेन पर उनकी रणनीति के बारे में पूछा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ऐसी अटकलें या लापरवाही भरी टिप्पणियां, जो प्रधानमंत्री मोदी को किसी भी तरह से गलत तरीके से पेश करती हैं या ऐसी बातचीत होने का दावा करती हैं, जो कभी हुई ही नहीं, अस्वीकार्य हैं। भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की निरंतर खरीद को उचित ठहराते हुए जायसवाल ने कहा कि इस मामले में कोई दोहरा मापदंड नहीं हो सकता। उन्होंने यह बात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में कही। ट्रंप ने रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर यूरोपीय संघ और नाटो देशों की आलोचना की थी।

रुट ने न्यूयॉर्क में सीएनएन को बताया था कि ट्रंप के भारत पर लगाए टैरिफ का रूस पर बड़ा प्रभाव पड़ रहा है और नई दिल्ली पुतिन से फोन पर बात कर रही है। नाटो प्रमुख ने दावा किया, मोदी पुतिन से यूक्रेन पर रणनीति बताने के लिए कह रहे हैं क्योंकि भारत पर टैरिफ का असर पड़ रहा है। जायसवाल ने कहा कि नाटो प्रमुख का बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और पूरी तरह से बेबुनियाद है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किए जा रहे तरीके से कभी राष्ट्रपति पुतिन से बात नहीं की।

एफबीआई के पूर्व निदेशक कॉमी पर संसद में झूठ बोलने और कार्यवाही बाधित करने के आरोप में मामला दर्ज

वाशिंगटन। एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कॉमी पर झूठा बयान देने और कांग्रेस की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अटॉर्नी जनरल से कॉमी और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर अभियोजन कार्रवाई शुरू करने का आग्रह के कुछ दिनों बाद यह मामला दर्ज किया गया है। एफबीआई के पूर्व निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज होने के कुछ ही मिनटों बाद उनके दामाद ट्रॉय एडवर्ड्स ने संघीय अभियोजक के पद से इस्तीफा दे दिया। एडवर्ड्स ने इस्तीफे में लिखा कि उन्होंने संविधान और देश के प्रति अपनी शपथ निभाने के लिए नौकरी छोड़ी है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे अमेरिका के लिए न्याय बताया।

ट्रंप की करीबी मानी जाने वाली अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी और एफबीआई निदेशक काश पटेल ने भी इस कार्रवाई का समर्थन किया। कॉमी ने आरोप लगने के बाद एक वीडियो में कहा, मुझे अदालतों पर पूरा भरोसा है, मैं बेगुनाह हूं। अब अदालत में ही बात करेंगे।

परमाणु क्षमता बढ़ाने की दिशा में भारत के काम की सराहना

मास्को, एजेंसी

- विश्व परमाणु संघ की महानिदेशक ने कहा- दुनिया भारत को देख रही

विश्व परमाणु संघ की महानिदेशक समा बिलबाओ लियोन ने विश्व परमाणु सप्ताह समारोह में कहा कि भारत स्वदेशी कार्यक्रम के साथ परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में शानदार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि चीन, भारत और एशियाई देशों में परमाणु ऊर्जा का अच्छा विकास हुआ है।

यह समारोह रूसी परमाणु उद्योग की 80वीं वर्षगांठ को समर्पित है। लियोन ने कहा कि कई देश आपूर्ति श्रृंखला के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। उन्होंने 2047 तक भारत के 100 गीगावाट के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के पास बहुत बड़ा काम है और सभी का ध्यान इसी पर है कि इसे कैसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने नीतिगत विकास पर कहा कि भारत को परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन करने की जरूरत है। लियोन ने परमाणु क्षेत्र में भारत-रूस संबंधों पर बातचीत करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक सहयोग हैं।

रूसी सेना में भर्ती 27 और भारतीयों को छोड़ने की अपील

नई दिल्ली। भारत ने रूस से 27 और भारतीय नागरिकों को सेवा मुक्त करने की अपील की है, जिन्हें हाल में रूसी सेना में भर्ती किया गया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली को पता चला है कि रूसी सेना में और भी भारतीय सेवा दे रहे हैं। हमारी जानकारी के अनुसार 27 भारतीय नागरिक रूसी सेना में सेवारत हैं। हम उनके परिवारों के साथ संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, हम एक बार फिर सभी भारतीय नागरिकों से रूसी सेना में सेवा देने के लिए मिलने वाले प्रस्तावों से दूर रहने का आग्रह करते हैं क्योंकि ये खतरों और जोखिम से भरे हैं।

व्हाइट हाउस में शहबाज और मुनीर से मिले ट्रंप

शहबाज ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का श्रेय देकर ट्रंप को शांति पुरुष बताया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की, जहां उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, छह साल में व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज ने ट्रंप को दुनिया भर में संघर्षों को समाप्त करने के उनके ईमानदार प्रयासों के लिए शांति पुरुष बताया और पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष विराम कराने में उनके साहसी और निर्णायक नेतृत्व की सराहना की। जुलाई 2019 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने वाशिंगटन की यात्रा की थी और राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी, जिन्होंने पाकिस्तान पर अरबों डॉलर की सहायता प्राप्त करते हुए अमेरिका से झूठ बोलने, धोखा देने आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया था। ट्रंप के उत्तराधिकारी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया था और व्हाइट हाउस में आमंत्रित करना तो दूर, किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से फोन पर बात तक नहीं की थी।

व्हाइट हाउस में शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के साथ ट्रंप।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा करते हुए, शहबाज ने विशेष रूप से गाजा और पश्चिमी तट में शांति बहाली के लिए विचारों के आदान-प्रदान के वास्ते मुस्लिम नेताओं को आमंत्रित करने की ट्रंप की पहल की सराहना की। विश्वास जताया कि ट्रंप के नेतृत्व में पाकिस्तान-अमेरिका साझेदारी पारस्परिक लाभ के लिए और मजबूत होगी।

आतंक पर समर्थन के लिए ट्रंप को धन्यवाद

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आतंकवाद-रोधी कार्रवाई में पाकिस्तान की भूमिका का सार्वजनिक समर्थन करने के लिए ट्रंप का आभार जताया और सुरक्षा एवं खुफिया क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी सुविधानुसार पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा करने का निमंत्रण भी दिया।

ट्रंप ने शहबाज शरीफ को बताया महान नेता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठक से पहले मीडिया को बताया कि व्हाइट हाउस में एक महान नेता आने वाले हैं। ट्रंप ने कहा, असल में हमारे पास एक महान नेता आ रहे हैं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल। फील्ड मार्शल एक शानदार इंसान हैं और प्रधानमंत्री भी। यह बैठक लगभग एक घंटे 20 मिनट तक चली।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 सितंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 12.03 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

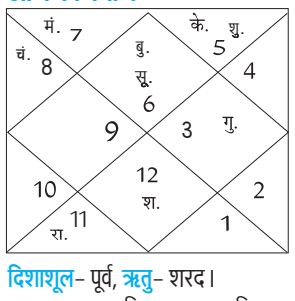

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 28 सितंबर 01.08 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज अति-आत्मविश्वास से आपको बचना चाहिए। व्यवसाय में अधिक बड़ा प्रयोग न करें। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। अनावश्यक यात्रा पर जाना पड़ सकता है। पुरानी गलतियों को दोहराने से बचना चाहिए।

वृष — आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। आपको अचानक धन-लाभ हो सकता है। बौद्धिक कार्यों में आप भाग लेंगे। शोध कार्य में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहने वाला है।

मिथुन — आज विरोधी आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे। धर्म-कर्म के प्रति आस्था कम हो सकती है। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य सरलता से प्राप्त कर लेंगे। आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

कर्क — आज तनाव का असर आपके काम पर भी पड़ सकता है, इसीलिए तनाव से बचें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या है तो चिकित्सीय परामर्श अवश्य लें। नए अनुबंध हो सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अपनी क्षमता पर अविश्वास न करें।

सिंह — आज व्यापार में आपकी लापरवाही अत्यधिक नुकसानदेह सिद्ध होगी। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। रुका हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। पारिवारिक वातावरण बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

कन्या — आज व्यापार में अचानक धन-लाभ हो सकता है। नौकरी में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। आपकी आय बहुत ही अच्छी रहेगी। आपकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है। करियर को लेकर शुभ-सूचना मिल सकती है।

तुला — आज लंबी दूरी की यात्रा से आपको धन लाभ होगा। धार्मिक कार्यों में आप व्यस्त रहेंगे। दांपत्य संबंध बहुत ही अच्छा रहेगा। आप अध्ययन के प्रति रुचि लेंगे। छोटे बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। व्यापार में आप बड़ा निवेश कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपको अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलेगा। आपकी दिनचर्या बहुत ही अच्छी रहेगी। महिलाएं शॉपिंग के लिए जा सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। पैतृक संपदा मिलने के योग बन रहे हैं।

धनु — आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग न करें। कानूनी मामलों में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। उच्च अधिकारियों के साथ आपको परेशानी हो सकती है। परिवार में कलह का वातावरण रहेगा।

मकर — आज नौकरी में उच्च पद मिलने की संभावना है। व्यवसाय में बड़ी साझेदारी करने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी की सलाह आपके लिए अत्यधिक सहायक सिद्ध होगी। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

कुंभ — आज आप लोगों की सहायता करना चाहेंगे। संतान की उन्नति से आप प्रसन्न रहेंगे। बच्चे पढ़ाई में विशेष रुचि लेंगे। आप नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों से आपके संबंध सुधरेंगे। पुराने अनुभवों का आपको लाभ मिलेगा।

मीन — आज आपकी योग्यता की लोग प्रशंसा करेंगे। परिजनों के साथ धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। व्यापार कर रहे लोगों को नए निवेशक मिल सकते हैं। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। माता की सेहत का ध्यान रखें।

सुडोकू -112

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	7	8						9
	1			6				4
9				8				
	4						6	
		1				4		
	9			5			1	
1				9		3		7
7				4	8		2	
						5		

सुडोकू - 111 का हल

8	3	9	1	7	6	4	2	5
7	5	4	9	2	8	1	3	6
2	1	6	4	5	3	7	9	8
6	2	1	3	4	7	5	8	9
4	8	5	6	9	1	3	7	2
3	9	7	2	8	5	6	4	1
9	7	2	5	6	4	8	1	3
5	4	3	8	1	2	9	6	7
1	6	8	7	3	9	2	5	4

इस बार, महिला क्रिकेट टीम विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। मेरे लिए, चाहे पुरुष टीम हो या महिला टीम, कोई फर्क नहीं है, हमेशा भारत खेलता है और हमेशा भारत जीतता है। मैं हमेशा टीम इंडिया के साथ खड़ा रहूंगा।
-टाइगर श्रॉफ

स्टेडियम

बरेली, शनिवार 27 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को हराया

लखनऊ : केएल राहुल (नाबाद 176) और साई सुदर्शन (100) की शतकीय पारियों की बदौलत भारत ए ने शुक्रवार को दूसरे अनाधिकृत टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ए को पांच विकेट से हरा दिया। आज यहां मैच के चौथे दिन भारत ए ने कल के दो विकेट पर 169 से आगे खेलना शुरु किया। भारत ए ने 93 .3 ओवरों में पांच विकेट पर 413 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। केएल राहुल ने 210 गेंदों में 16 चौके और चार छक्के लगाते हुए नाबाद 176 रनों की मैच विजयी पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ए ने पहली पारी में 420 रन का स्कोर बनाया जिसके जवाब में भारत ए टीम पहली पारी में 194 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 185 के स्कोर पर सिमट गई और भारत को जीत के लिए 412 रनों का लक्ष्य दिया था।

जमाल ने गोलकोंडा मास्टर्स खिताब जीता

हैदराबाद : बांग्लादेश के जमाल हुसैन को शुक्रवार को यहां भारी बारिश के कारण अंतिम दौर रद्द किए जाने के बाद एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स का विजेता घोषित किया गया। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा उपविजेता रहे। टूर्नामेंट का नतीजा 54 होल के बाद कुल स्कोर के आधार पर घोषित किया गया। हुसैन (61-62-64) तीसरे दौर के बाद 54 होल में 23 अंडर 187 के स्कोर की बदौलत चार शॉट से आगे चल रहे थे। इस तरह उन्होंने अपना छठा और पिछले साल नवंबर के बाद पहला खिताब जीता।

पैसिफिक बैडमिंटन में चार पदकों पर कब्जा

नई दिल्ली : भारत ने कुआलालंपुर में विशेष ओलंपिक एशिया पैसिफिक बैडमिंटन टूर्नामेंट में विभिन्न स्पर्धाओं में एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। विशेष ओलंपिक भारत की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार चनवी शर्मा ने 16 से 20 सितंबर तक आयोजित की गई चैंपियनशिप में महिला एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और अपनी जोड़ीदार सुजीता सुकुमारन के साथ मिलकर महिला युगल में रजत पदक हासिल किया। अंकित दलाल ने पुरुष एकल में रजत पदक और अमल बिजू के साथ मिलकर पुरुष युगल में एक और रजत पदक जीतकर अपने पदकों की संख्या दोगुनी कर दी।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम हारी

कैनबरा : भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को शुक्रवार को यहां नेशनल हॉकी सेंटर में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-21 टीम से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए लालथंतलुआंगी (47वें मिनट) और सोनम (54वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए बियांका जुरर (36वें मिनट), एवी स्नांसबी (45वें मिनट) और सैमी लव (59वें मिनट) ने गोल दागे। मैच के शुरुआती हाफ में दोनों टीम गोल करने में नाकाम रही। जुरर ने मध्यांतर के बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर ऑस्टेलिया का खाता खोला जबकि इसके नौ मिनट के बाद स्नांसबी के गोल से टीम ने 2-0 की बढ़त कायम कर ली।

दबाव लिए बिना खेल का लुत्फ उठाना चाहती हूं : हरमनप्रीत

बेंगलुरु, एजेंसी

आईसीसी के कप्तानों के संवाददाता सम्मेलन में भाग लेतीं भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली, इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन। एजेंसी

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप से पहले प्रशंसकों की उम्मीदों के बारे में पता है लेकिन वह पहली बार खिताब जीतने के दबाव में आए बिना इस पल का लुत्फ उठाना चाहती हैं। भारत टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 30 अक्टूबर को गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ मैच से करेगा।

हरमनप्रीत ने आईसीसी द्वारा आयोजित कप्तानों की संवाददाता सम्मेलन में कहा मुझे लगता है कि अपने देश की कप्तानी करना किसी भी खिलाड़ी के लिए हमेशा एक खास पल होता है। वनडे विश्व कप में अपने देश की कप्तानी करना और भी खास होता है और उससे भी बढ़कर यह घरेलू विश्व कप है इसलिए यह और भी विशेष है। उन्होंने कहा मेरा मतलब है, यह अविश्वसनीय है। जब मैंने खेलना शुरू किया था तो मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मुझे अपने देश की कप्तानी करने का मौका मिलेगा, यह बस एक सपना ही था।

उन्होंने कहा वनडे विश्व कप 12 साल बाद भारत में हो रहा है और मुझे लगता है कि यह हम सभी के लिए बेहद शानदार होने वाला है। हम दबाव लिए बिना इस पल का लुत्फ उठाना चाहते है। भारत पांच अक्टूबर को कोलंबो में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा, लेकिन हरमनप्रीत इस मैच से जुड़ी राजनीतिक बातों की चिंता करने के बजाय क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है।

भारत को हराना मुश्किल होगा : हीली

गत विजेता ऑस्ट्रेलिया की टीम सात बार चैंपियन रही है। कप्तान एलिसा हीली से जब पूछा गया कि क्या यह रिकॉर्ड उनके लिए एक बड़ी मुसीबत है? तो उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि किसी भी समय चीजों को लेकर बहुत ज्यादा आत्ममुग्ध होना ऑस्ट्रेलिया की संस्कृति में है। मुझे नहीं लगता कि यह इससे आसान हो सकता है। मुझे लगता है कि भारत को उसके घरेलू मैदान पर हराना वाकई बहुत मुश्किल होगा। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में भारत को उसके घरेलू मैदान पर एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराकर अपनी तैयारियों को मजबूत किया।

- कप्तानों के संवाददाता सम्मेलन में हरमनप्रीत ने कहा- देश के लिए खेलना हमेशा होता है खास

इन कप्तानों की रही ऑनलाइन मौजूदगी

पाकिस्तान (फातिमा सना), श्रीलंका (चामरी अटापट्टू), दक्षिण अफ्रीका (लौरा वोल्वार्ड्ट) और बांग्लादेश (निगार सुल्ताना जोती) की कप्तानों ने ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया।

भारत के खिलाफ श्रीलंका दबाव में नहीं : अटापट्टू

अटापट्टू ने कहा कि गुवाहाटी में टूर्नामेंट के पहले मैच में प्रबल दावेदार भारत से भिड़ने से पहले श्रीलंका की टीम किसी दबाव में नहीं है।

बेखौफ खेलने का मौका मिलेगा : सोफी

न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि उनकी टीम के लिए यह अच्छा है कि सब का ध्यान भारत और ऑस्ट्रेलिया पर है। ऐसे में उनकी टीम को बेखौफ क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। मुझे लगता है कि लोगों ने इसका जिक्र किया है और आप इस बारे में बात करते रह सकते हैं कि हमने पिछले साल (टी20) विश्व कप कैसे जीता था, लेकिन यह बिल्कुल अलग प्रारूप है। हमें पिछले साल दुबई से मिली सीख को अपनाना होगा। नैट-साइवर ब्रंट को इंग्लैंड की कप्तान और उनकी मुख्य बल्लेबाज होने की दोहरी ज़िम्मेदारी निभानी होगी। दायें हाथ की यह बल्लेबाज इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

एशिया कप के आखिरी सुपर 4 में भारत ने श्रीलंका को दिया 203 रनों का लक्ष्य

अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने खेलीं ताबड़तोड़ पारियां

दुबई, एजेंसी

भारत के अभिषेक शर्मा श्रीलंका के खिलाफ शॉट लगाते हुए। एजेंसी

अभिषेक शर्मा ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अर्धशतक लगाया जबकि संजू सैमसन ने 39 रन की उपयोगी पारी खेलकर श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप के आखिरी सुपर 4 मैच में शुक्रवार को भारत को पांच विकेट पर 202 रन तक पहुंचाया।

यह इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है। इससे पहले भारत ने ओमान के खिलाफ और अफगानिस्तान ने हांगकांग के खिलाफ 188 रन बनाये थे। अभिषेक ने 31 गेंद में 61 रन बनाये जबकि पांचवें नंबर पर सैमसन ने 22 गेंद में 39 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा ने 34 गेंद में नाबाद 49 रन बनाये। पूरे टूर्नामेंट की तरह अभिषेक ने पावरप्ले में गेंदबाजों को खासी नसीहत दी और अर्धशतकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने इस पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाये जबकि शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव सस्ते में आउट हो गए। अभिषेक हालांकि तीसरी बार शतक से चूक गए और श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका की गेंद पर डीप मिडविकेट सीमा पर कैच दे बैठे। गिल चार रन बनाकर महीष तीक्षणा का शिकार हुए। कप्तान सूर्यकुमार (12) को वानिंदु हसरंगा ने पगबाधा आउट किया। नये बल्लेबाजी क्रम में अपनी लय तलाश रहे सैमसन टूर्नामेंट में पहली बार शानदार फॉर्म में दिखे। उन्होंने तीन छक्के लगाये जिनमें हसरंगा को लगाया गया छक्का शानदार था। उन्होंने जगह बनाने के लिए अपने फ्रंटफुट को लेग स्टंप के बाहर रखा और साइट स्क्रीन पर तूफानी छक्का लगाया। अगले ओवर में उन्होंने दासुन शनाका को छक्का लगाया। उन्होंने तिलक के साथ 66 रन की साझेदारी की। अक्षर पटेल ने पारी का अंत छक्के से किया।

यॉर्कशायर के लिए मयंक अग्रवाल ने जड़ा बड़ा शतक

हेडिंग्ले : भारतीय बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (175) ने डरहम के ख़िलाफ यॉर्कशायर के लिए हेडिंग्ले में एक बेहतरीन शतक लगाया। इस शतक की मदद से उनकी टीम पहली पारी की बढ़त लेने की कगार पर है, ताकि वे रेलिगेशन से बचने की उम्मीद कर सके। यह यॉर्कशायर का इस काउंटी सीजन आख़िरी मैच है। धूप भरे लीड्स के मैदान में यह बल्लेबाजों का दिन था, जहां दो खिलाड़ियों ने शतक लगाए।

भारत-पाक झड़पों पर आईसीसी ने की कार्रवाई

दुबई,एजेंसी

- सूर्यकुमार यादव पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया
- सजा के खिलाफ बीसीसीआई ने की अपील
- हारिस रऊफ पर भी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना
- साहिबजादा फरहान को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमों में बढ़ते तनाव के बीच आईसीसी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले पर टिप्पणी के लिए भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है जिसके खिलाफ बीसीसीआई ने अपील की है। जबकि भड़काऊ इशारे करने वाले पाकिस्तान के हारिस रऊफ को भी समान सजा सुनाई गई है। वहीं रविवार को भारत के खिलाफ मैच के दौरान बंदूक चलाने के अंदाज में जश्न मनाने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है। मैच रैफरी रिची रिचर्डसन ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की।

टूर्नामेंट के एक सूत्र ने कहा आईसीसी मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए टूर्नामेंट खत्म होने तक कोई आधिकारिक विज्ञप्ति जारी नहीं करेगी। यह विज्ञप्ति सोमवार को आ सकती है चूंकि भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल रविवार को खेला जाना है। दोनों टीमों के बीच अभी तक दो मैच हुए और दोनों भारत ने जीते हैं। आईसीसी को सजा के बारे में प्रेस विज्ञप्ति जारी करनी थी लेकिन बाद में तय किया गया कि टूर्नामेंट खत्म होने के बाद ऐसा किया जाएगा।

बीसीसीआई फैसले से सहमत नहीं

समझा जाता है कि बीसीसीआई रिचर्डसन की इस राय से सहमत नहीं है कि सूर्यकुमार ने आतंकवादी हमले के पीड़ितों और अपने देश की सेना के प्रति एकजुटता दिखाकर आचार संहिता का उल्लंघन किया है। जानकार सूत्र ने कहा अगर भारतीय सेना के लिए खड़े होने वाले अपने कप्तान को बीसीसीआई सजा से बचा नहीं पाती तो इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। बीसीसीआई को कप्तान के लिए फटकार भी स्वीकार नहीं करनी चाहिए क्योंकि इसके भी मायने होंगे कि कप्तान सूर्यकुमार यादव दोषी है।

सिर्फ फाइनल का नतीजा रखेगा मायने : हेसन

दुबई, एजेंसी

एशिया कप में भारत के हाथों दो शर्मनाक पराजय झेलने के बावजूद पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन का मानना है कि अब सब सिर्फ फाइनल का नतीजा मायने रखता है। जिसमें टूर्नामेंट में 41 साल में पहली बार चिर प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने होंगे।

भारत ने ग्रुप लीग मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से और सुपर 4 में छह विकेट से हराया। बांग्लादेश को 11 रन से हराने के बाद हेसन से जब पूछा गया कि रविवार के फाइनल के लिए उन्होंने खिलाड़ियों को क्या संदेश दिया है तो उन्होंने कहा हमें पता है कि हम 14 सितंबर को और 21 सितंबर को खेले थे। लेकिन अब सिर्फ एक ही मैच मायने रखता है और वह है फाइनल।

हमारा फोकस उसी पर है। हम सही समय पर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की कोशिश करेंगे। भारत और पाकिस्तान 1984 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में कभी भी फाइनल में नहीं भिड़े हैं।

चाइना ओपन में गॉफ का विजयी आगाज

बीजिंग (चीनी), एजेंसी

अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शुक्रवार को रूस की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में हराकर चाइना ओपन में अपने खिताब के बचाव के अभियान की शुरुआत की। आज यहां खेले गए मुकाबले में गॉफ ने राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराया।

21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस स्टार के लिए पहले सेट में युवा खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, क्योंकि उन्हें चार ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा। दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ और ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, उन्होंने पहले दौर का मुकाबला मात्र 44 मिनट में जीत लिया।

मैच के बाद गॉफ ने कहा मुझे उम्मीद थी कि मुकाबला कांटे का होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ टूर्नामेंटों में उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों के साथ कड़ी टक्कर दी है। मैंने अपनी लय पकड़ ली और लय में आ गई। कोई भी पहला राउंड हारना नहीं चाहता, इसलिए मुझे लगता है कि मैं थोड़ी तनाव में थी, लेकिन मैं खुद को संभालने में कामयाब रही और मुझे लगता है कि इसका असर मेरे स्कोर पर दिखा।

सिनर ने सिलिच को आसानी से हराया

शीर्ष वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर ने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन मारिन सिलिच को 6-2, 6-2 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। सिनर ने शुरुआत में ही नियंत्रण बना लिया और पहले सेट में तेज रिटर्न और प्रभावशाली बेसलाइन खेल से दो बार विपक्षी की सर्विस तोड़ी। दूसरे सेट में, उन्होंने 5-1 की बढ़त बना ली और बिना किसी कठिनाई के मैच जीत लिया। इससे पहले चीन के झांग झिझेन पहले दौर में फ्रांस के टेरेंस एटमाने से 2-0 से हार गए।

चीन में चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल मैच में कामिला राखिमोवा के खिलाफ शॉट लगाती हुईं अमेरिका की कोको गॉफ। एजेंसी

इंतजार खत्म | विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के मुकाबले आज से होंगे शुरू

घरेलू सरजमीं पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को भारत तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्लेड रनर, कृत्रिम अंगों और व्हीलचेयर की मदद से प्रतिस्पर्धा करने वाले दुनिया के कुछ बेहतरीन पैरा खिलाड़ी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद शनिवार से यहां शुरू हो रही अब तक की सबसे बड़ी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अद्भुत साहस, संकल्प और संघर्ष क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

भारत विश्व पैरा खेलों का उभरती हुई ताकत बन चुका है और पहली बार इन खेलों की मेजबानी कर रहा है। पांच अक्टूबर तक चलने वाले इस प्रतियोगिता के 12वें सत्र का उद्घाटन बृहस्पतिवार को यहां के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुआ। यह अब तक की सबसे बड़ी पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप है जिसमें 104 देशों के लगभग 2200 खिलाड़ी और अधिकारी मौजूद है। भारत, कतर (2015), यूएई (2019) और जापान (2024) के बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला चौथा देश बना है। इस दौरान 1500 से अधिक पैरा एथलीट 186 पदक स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे जो 2024 के जापान (कोबे) सत्र से 15 अधिक हैं।

शुभंकर विराज।

पेरिस पैरालंपिक में 308 (112 स्वर्ण, 96 रजत और 100 कांस्य) पदक जीतने वाले से 100 से अधिक पदक विजेता यहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस बार कुल 101 पुरुष, 84 महिला और मिश्रित स्पर्धा होंगी। यह पहली बार है जब भारत इस चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। विश्व पैरा एथलेटिक्स के अध्यक्ष पॉल फिट्जगेराल्ड ने कहा कि इसमें कई विश्व रिकॉर्ड बनेंगे और नए चैंपियन सामने आएंगे। उन्होंने विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भारत की सराहना की। उन्होंने कहा अब तक की सबसे बड़ी पैरा विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी का श्रेय भारत को जाता है। यह पहली बार है जब पैरा एथलेटिक्स के लिए प्रतियोगिता और अभ्यास स्थल दोनों जगहों पर मोंडो ट्रैक बिछाई गई है। यह ट्रैक खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर करने के साथ चोट के खतरे को कम करती है। अभ्यास क्षेत्र में फ्लड लाइट्स भी लगाई गई हैं ताकि खिलाड़ी सुबह या सूर्यास्त के बाद भी अभ्यास कर सकें। इसके पास एक अत्याधुनिक फिटनेस सेंटर भी बनाया गया है।

शीर्ष पांच में जगह बनाने का लक्ष्य

भारत अपने अब तक के सबसे बड़े 74 एथलीटों के दल को मैदान में उतारते हुए पदक तालिका में शीर्ष पांच में जगह बनाने का लक्ष्य बना रहा है। भारत ने 2019 में दुबई सत्र में नौ पदक (दो स्वर्ण, दो रजत, पांच कांस्य), 2023 में पेरिस में 10 (तीन स्वर्ण, चार रजत, तीन कांस्य) और 2024 में जापान के कोबे में 17 पदक (छह स्वर्ण, पांच रजत, छह कांस्य) जीतकर छठा स्थान हासिल किया था। दीप्ति जीवनजी (महिला 400 मीटर टी20), सचिन खिलारी (पुरुष गोला फेंक एफ46), अंतिल (पुरुष भाला फेंक एफ64), एकता भ्यान (महिला क्लब थ्रो एफ51) और सिमरन शर्मा (महिला 200 मीटर टी12) 2024 में जीते गए अपने स्वर्ण पदकों का बचाव करने की उम्मीद करेंगी।

क्रिकेटरों के तरीके ने प्रेरित किया : बोल्ट

मुंबई, एजेंसी

महान धावक उसेन बोल्ट का कहना है कि प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देखने के बाद क्रिकेट उनके लिए ट्रैक पर बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा बना था। बोल्ट का नाम रफ्तार और विश्व रिकॉर्ड का पर्याय है, उन्होंने अपने करियर का अंत आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक और 11 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पोडियम स्थान के साथ किया जो कभी भी किसी भी ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ने हासिल नहीं किया।

जमैका के इस खिलाड़ी ने शुक्रवार को जमनाबाई नरसी परिसर में फायरसाइड चैट में कहा मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा मुरीद रहा हूं। मैंने बचपन से ही क्रिकेट देखा है। क्रिकेटरों की प्रतिभा को बढ़ते हुए देखना, वे जिस तरह से काम करते, वे जिस तरह खुद को आगे बढ़ाते और खुद को पेश करते थे, उसने मुझे कम उम्र में कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित किया। जमैका ने माइकल होल्डिंग, कर्टनी वॉल्श, क्रिस गेल और जेफ डुजॉन जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर दिए हैं तो हो सकता है कि बोल्ट पर उनका प्रभाव पड़ा हो। बोल्ट के नाम 100 मीटर में 9.58 सेकेंड का विश्व रिकॉर्ड है।